जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, गुरुवार 28 सितम्बर, 2023

सिर्फ 3 दिन में 5 लाख बढ़ेंगे

Booking QR Code

FOR OUTSTATION CLIENTS:

1. QR Code स्कैन कर ₹ 1 लाख से कोठी बुक करें
2. 15 अक्टूबर तक साइट विजिट करें
3. पसंद नहीं आने पर पूरा पैसा वापस प्राप्त करें

अन्यथा

1 अक्टूबर से 5 लाख अधिक देकर नई रेट में कोठी बुक करें

FIXED PRICE

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

पजेशन तक 50% रेट बढ़ेगी

1.5 गुना

बड़ी-बड़ी कोठी
बड़े-बड़े फ्लैट

युनिट टाइप	साइज	अगस्त की रेट NPO New Product Offer	सितम्बर की रेट +5%	अक्टूबर की रेट +10%	नवम्बर की रेट +15%	दिसम्बर की रेट +20%	जनवरी की रेट +25%	पजेशन की रेट +50%	पजेशन के बाद रेंटल
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	45 L	47.25 L	49.50 L	51.75 L	54 L	56.25 L	67.50 L	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	50 L	52.50 L	55 L	57.5 L	60 L	62.50 L	75 L	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 L	57.75 L	60.5 L	63.25 L	66 L	68.75 L	82.50 L	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	60 L	63.00 L	66 L	69 L	72 L	75 L	90 L	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	70 L	73.50 L	77 L	80.50 L	84 L	87.50 L	105 L	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	100 L	105 L	110 L	115 L	120 L	125 L	150 L	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

डेंगू के खतरे से चेताती विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट

यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट अतिशयोक्तिपूर्ण माने तब भी इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि डेंगू आज और आने वाले समय के लिए दुनिया के देशों के लिए गंभीर समस्या बनता जा रहा है। दुनिया के 129 देश डेंगू की गिरफ्त में आ चुके हैं तो इससे भी मतभेद नहीं हो सकता कि दुनिया के देशों में होने वाली बीमारियों में से 70 फीसदी बीमारी का केन्द्र एशिया महाद्वीप बना हुआ है। डेंगू दिन दूनी रात चौगुनी रफ्तार से दुनिया के देशों को अपनी गिरफ्त में लेता जा रहा है। ड्ब्लूएचओ की ही माने तो आज दुनिया की आधी अबादी डेंगू संभावित क्षेत्र के दायरें में आ गई है। डेंगू की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि पेरु के अधिकांश इलाकों में डेंगू के कारण इमरजेंसी लगाई जा चुकी है तो अमेरिका जैसा विकसित देश भी इसके दायरें से बाहर नहीं है। एक मोटे अनुमान के अनुसार भारत में ही डेंगू के औसतन 600 मामलें प्रतिदिन आ रहे हैं।

दरअसल डेंगू एडीज प्रजाती के मच्छर से फैलता है। डेंगू के मच्छर के बारे में यह माना जाता है कि नमी बाले क्षेत्र खासतौर से पानी एकत्रित होने वाले स्थानों पर यह तेजी से फैलता है। सुबह के समय यह अधिक सक्रिय रहता है। यह भी माना जाता है कि डेंगू होने का दो तीन दिन के बुखार में जांच के दौरात तो पता ही नहीं चलता वहीं तीन चार दिन तक लगातार बुखार के बाद जांच कराने पर डेंगू का पता चलता है। यह भी सही है कि डेंगूं से प्रभावित लोग एक से दो सप्ताह में ठीक भी हो जाते हैं। पर कमजोर इम्यूनिटी वाले या डेंगू के गंभीर होने की स्थिति में तेजी से प्लेटरेट्स कम होने लगती हैं और यहां तक कि शरीर के दूसरे ओरगन्स को प्रभावित करती हुई मौत का कारण भी बन जाती है। हांलाकि डेंमू के कारण मौत की रेट नाममात्र की है पर इसकी गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि डेंगू के कारण मौत के आंकडें भी साल दर साल बढते ही जा रहे हैं।

कोरोना ने दुनिया के देशों को बहुत कुछ सिखाया है। घर की चार दीवारी में कैद होने से लेकर सबकुछ बंद होने के हालातों से दो–चार हो चुके हैं। अपनों को अपने सामने ही जाते हुए देखा है तो प्लेग को छोड दिया जाये तो संभवत: यह पहला मौका होगा जब सब कुछ चाहते हुए भी कोरोना काल में अपनों को अंतिम विदाई तक भी सही ढंग से दे नही पाये हैं। कोरोना की त्रासदी से अभी उभर भी नहीं पाये हैं कि जानलेवा बीमारियों के नित नए वेरियंट सामने आ रहे हैं। इनके पीछे पिछडों देशों के सामने गरीबी एक कारण है तो दूसरी और जलवायु परिवर्तन के कारण डेंगू जैसे रोग तेजी से फैल रहे हैं। अत्यधिक बारिश, बाढ, अत्यधिक गर्मी, अत्यधिक सर्दी यहां तक की बेमौसम की बरसात जैसे हालात और आए दिन आने वाले समुद्री तूफान चिंता के कारण बनते जा रहे हैं। कोरोना ने तो छोटे–बड़े, गरीब–अमीर, विकसित–अविकसित किसी भी भेद नही किया और पूरी तरह से साम्यवाद को साकार किया।

इसमें कोई दो राय नहीं कि कोरोना ने लोगों में समझ पैदा की है। कोरोना काल में सतर्कता का जो संदेश गया वह भले ही आज बीते जमाने की बात हो गई हो पर डेंगू के संभावित खतरे को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन और दुनिया के देशों को कोई खास व प्रभावी रणनीति बनानी होगी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के चार अरब लोग डेंगू संभावित क्षेत्र में है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के वैश्विक कार्यक्रम प्रमुख डॉ. रमन वेलायुधन का मानना है कि 2000 की तुलना में 2022 तक डेंगू से प्रभावित लोगों का आंकडे में आठ गुणा तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। यदि हम हमारे देश भारत की ही बात करें तो 2018 में 101192 मामलें सामने आये थे वहीं 2022 में डेंगू के 233251 मामले सामने आएं। यदि 2020 के साल को छोड दिया जाए तो भारत में डेंगू के मामलें लगातार बढते ही रह हैं। कमोबेस यही हालात दुनिया के दूसरे देशों में देखने को मिल रहा है। डेंगू के कारण दुनिया के देशों में एकाध मौत के समाचार भी लगातार आ रहे हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं कि कोरोना ने लोगों में समझ पैदा की है। कोरोना काल में सतर्कता का जो संदेश गया वह भले ही आज बीते जमाने की बात हो गई हो पर डेंगू के संभावित खतरे को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन और दुनिया के देशों को कोई खास व प्रभावी रणनीति बनानी होगी। इसके लिए जहां साधन संपन्न व विकसित देशों को खुले दिल से आगे आना होगा वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन को दुनिया के देशों में कार्यरत गैर सरकारी संगठनों व समाजसेवियों को आगे लाना होगा। जिस तरह से कोरोना का एकजुट होकर मुकाबला किया गया ठीक उसी प्रकार का प्रयास, जन जागरण अभियान, अवेयरनेस कार्यक्रम व रोकथाम के संभावित उपायों को प्रभावी तरीके से अंजाम देना होगा। जब आज दुनिया की आधी आबादी यानी कि चार अरब लोग आसानी से डेंगू की जद में आ सकते हैं तो उसकी गंभीरता को समझना होगा। जो पैसा डेंगू होने पर उसके ईलाज पर खर्च होता है उसमें से ही यदि कुछ राशि फोगिंग, टीकारण या अन्य सुरक्षात्मक उपायों पर खर्च की जाती है और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा साधनहीन, अविकसित व गरीब देशों तक डेंगू की रोकथाम के लिए अधिक सहायता पहुंचाई जाती है तो डेंगू की बढ़ती रफ्तार को काबू में किया जा सकता है। इसके लिए सरकारों को कोरोना की तरह एसओपी जारी करने के साथ ही लोगों को जागरुक करना होगा ताकि डेंगू के मच्छर को फैलने से रोका जा सके। दरअसल मच्छरों से पैदा होने वाली बीमारियां अधिक तेजी से फैलती है और बहुत जल्दी रोग ग्रसित कर देती है। इसलिए ठोस कार्ययोजना बनाकर आगे आना होगा। मजे की बात है कि डेंगू व मलेरिया आदि बदलते मौसम में अधिक सक्रिय हो जाते हैं। ऐसे में सतर्कता ही बचाव वाले सिद्वांत के साथ ही इसकी रोकथाम के उपाय करने होंगे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

पधारो म्हारे देश के निमंत्रण की संवाहक है राजस्थानी संस्कृति

राजस्थान की धरती सांस्कृतिक कला का अनूठा मिश्रण है

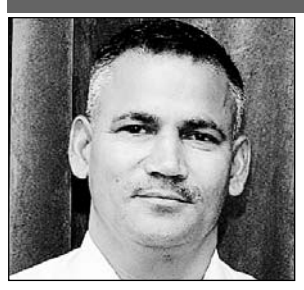

प्रकाश चन्द्र शर्मा

सभ्यता और संस्कृति के विषय में बड़ा भ्रम है। किसी विचार और व्यवहार को निखारना, धोना, मांजना या उसमें उतमोतम गुणों का आधान करना ही संस्कृति है। किसी समाज के विचारों, परम्पराओं, दर्शन, कला, शिल्प, साहित्य व धार्मिक विश्वासों का सामूहिक नाम ही संस्कृति कहा जाता है। बहुधा संस्कृति और सभ्यता को एक समझ लिया जाता है। किन्तु यह ठीक नहीं है। संस्कृति मानव समाज का आंतरिक सतत विकास है तो सभ्यता उसके बाह्य भौतिक जीवन का प्रदर्शन है।

राजस्थानी संस्कृति– मरु प्रदेश, राजपूताना और अब राजस्थान का भारतीय सांस्कृतिक मानचित्र पर विशिष्ट स्थान रहा है। मरुस्थल में फलती–फूलती शूरवीरों और राजपुत्रों की यह क्षात्र धर्मी धरा केवल शास्त्रों की झंकार और रणोंन्मादी हुंकारों से ही नहीं गूंजी है। रण के साथ ही रंग की साधना, इस धरती की यह विशेषता रही है, जिसने इसे भारतीय संस्कृति की बहुरंगी माला का मूल्यवान रत्न बना दिया गया है।

राजस्थान की सांस्कृतिक विशेषताएं– राजस्थानी संस्कृति की अनेक निजी तथा सामान्य विशेषताएं है, जो इस प्रकार है–

शूरता की साधना– राजस्थान सदा से शूरवीरों की जन्मस्थली रहा है। वीरता, स्वाभिमान और बलिदान की भावना इस प्रदेश के कण– कण में और मन–मन में समाई रही है। यहाँ के कवियों ने भी इस भावना पर धार चढ़ाई है।

बादल ज्यूँ सुरधनुष बिण, तिलक बीणा दूज पुत
बनो न सोभे मौड़ बिण घाव बीणा रजपूत।

यहाँ की माताओं ने पालने में ही पुत्र को अपनी भूमि की रक्षा का प्राण निछावर करने की लोरियां सुनाई है। व्यक्तिगत वीरता के प्रदर्शन की उन्मत्तता ने इस धरती पर अनेक निरर्थक रक्तपात भी कराए है। तथापि शूर वीरता राजस्थानी संस्कृति का प्रधान गुण है। शरणागत रक्षा– यहाँ के शासकों ने शरण में आए शत्रुपक्षीय व्यक्ति की रक्षा में अपना सर्वस्व दांव पर लगाया है। हमीर इस परम्परा की मूर्द्धन्य मणि है–

जौहर व्रत– यहाँ भी राजस्थानी संस्कृति की निजी विशेषता रही है। पतियों के केसरिया बाना धारण करके युद्धभूमि में जाने के पश्चात अपने सतीत्व की रक्षा तथा पत्नीव्रत का पालन करने वाली राजपूत नारियाँ जलती चिता में कूदकर जान दे देती थी, इसी को जौहर कहते है।

अतिथि सत्कार– राजस्थान अपने उदार आतिथ्य भाव के लिए सदा से प्रसिद्ध रहा है। अतिथि बनने पर शत्रुओं तक को उचित सम्मान देना, यहाँ की संस्कृति की विशेषता रही है।

साहित्य एवं कला प्रेम– राजस्थान में केवल रण की ही साधना नहीं हुई, यहाँ शिल्प, कला और साहित्य को भी भरपूर सम्मान और प्रोत्साहन प्राप्त हुआ है। कवियों को राज्याश्रय मिला। अनेक उत्कृष्ट काव्यकृतियों का स्त्रजन हुआ और आज तक यह परम्परा निर्बाध चली आ रही है।

त्यौहार तथा उत्सव– राजस्थान अपने त्योहारों और उत्सवों के लिए भी प्रसिद्ध है। गणगौर तथा तीज जैसे विशिष्ट सांस्कृतिक छाप वाले त्योहारों के साथ यहाँ सभी प्रदेशों में प्रचलित होली, दीपावली, दशहरा, रक्षाबंधन आदि त्यौहार भी उत्साह के साथ मनाये जाते है। त्योहारों के अतिरिक्त राजस्थान में अनेक मेले और उत्सव भी मनाये जाते है। पुष्कर, करौली, भरतपुर, तलवाड़ा, धौलपुर आदि के उत्सव प्रसिद्ध है।

धार्मिक प्रवृत्तियाँ– राजस्थान में धर्म के प्रति गहरी आस्था सदा से रही है। यहाँ अनेक धर्मानुयायी निवास करते है। अनेक प्रसिद्ध तीर्थ स्थल यहाँ प्रतिष्ठित है। धार्मिक अनुष्ठान तथा परम्परागत संस्कारों को भी यथेष्ट महत्व प्राप्त हो रहा है।

संस्कृति पर आधुनिक प्रभाव– संस्कृति कोई जड़ अवधारणा नहीं होती। वह परिवेश और परिस्थितियों से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकती। अन्य भारतीय प्रदेशों की भांति राजस्थानी संस्कृति भी आधुनिकता की घुसपैठ से प्रभावित हुई है। लोगों की सोच और शैली में परिवर्तन हुआ है। शिक्षा का प्रचार प्रसार हुआ है। अनेक रूढ़ियाँ और परम्पराएं शिथिल हुई है।

नाथद्वारा का श्रीनाथ मंदिर पिछवाई कला के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थान का विशिष्ट नृत्य घूमर है, जिसे उत्सवों के अवसर पर केवल महिलाओं द्वारा किया जाता है। राजस्थान ने भारतीय कला में अपना योगदान दिया है और यहाँ साहित्यिक परम्परा मौजूद है। विशेषकर भाट कविता की। चंदबरदाई का काव्य पृथ्वीराज रासो या चंद रासा, विशेष उल्लेखनीय है, जिसकी प्रारम्भिक हस्तलिपि 12वीं शताब्दी की है।खुद जहूरखां मेहर ई आपरै लेखन नै इण खास गद्य रचना रै कोण सूं देखै। राजस्थानी संस्कृति रा चितराम री भूमिका रै आखिर में औ लिखै के– ''बारा कड़ियां मांय सूं अक ई राजस्थानी गद्य में तुसियै जित्ती ई गिणीजगी तो म्हैं तौ भरपायौ।''

राजस्थानी संस्कृति पुरानी और परम्परा प्रिय रही है किन्तु वह निरंतर विकासशील भी है देश तथा विदेश में होने वाले नवीन परिवर्तन से वह अछूती नहीं है। अपनी परम्परागत विशेषताओं की रक्षा करते हुए वह नवीनता की लहरों में भी बह रही है। आधुनिकता और परम्परा का यह समन्वय राजस्थान की संस्कृति को जीवंत बनाए रखेगा।

राजस्थानी संस्कृति एक बहती नीरा है, जो गाँव–गाँव ढानी, चौपाल, पनघट, महल, झौपड़ी, किले, गढ़ी खेत खलिहान में बहती हुई जन जन रुपी सागर के संस्पर्श से इंद्रधनुषीय छटा बिखेरती है। और अपनी महक के साथ पर्व, मेले, तीज त्योहार, नाट्यय, नृत्य, श्रृंगार पहनावा, रीती रिवाज, आचार व्यवहार आदि में प्रतिबिम्बित होती है तथा जिसे रेत के धोरों के साथ साथ वायुमंडल, वसुंधरा तथा रोम रोम में उल्लसित एवं तरंगित अनुभूत किया जा सकता है। राजस्थानी संस्कृति समष्टिगत, समन्वयात्मक एवं प्राचीन है।

भौगोलिक विविधता एवं प्राकृतिक वैभव ने इसे और आकर्षक बनाया है। वस्तुत: राजस्थानी संस्कृति लोक जीवन को प्रतिनिधित्व करने वाली संस्कृति है। पधारों म्हारे देश के निमंत्रण की संवाहक राजस्थानी संस्कृति सांसकृतिक पर्यटन की पर्याय है। सम्रद्ध लोक संस्कृति के परिचायक तीज त्योहार उमंग के प्रतीक मेले, आस्था और विश्वास के प्रतीक लोक देवता, फाल्गुन की मस्ती में नृत्य करती आकर्षक परिधान से युक्त महिलाएं पर्यटकों को चमत्कृत करने के लिए पर्याप्त है।

धरती धोरा री की झिलमिलाती रेत एवं गूंजता सुरीला लोक संगीत पर्यटक को अभिभूत करने वाला होता है। राजस्थान की संस्कृति एवं परम्परा की मुख्य बात यह है कि राजस्थान के जनमानस की विशालता ने जिस प्रकार सभी मान्यताओं और आस्थाओं को फलने फूलने दिया। सूफीमत के संदेशवाहक ख्वाजा साहब के दरबार की दरबार के प्रखर कव्वाल और गायक थे। शंकर शम्भु कव्वाल आज अजमेर सूफी मत का अंतर्राष्ट्रीय प्रमुख तीर्थ है। पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर जिले के नाकौड़ा भैरव जैनियों के पूजनीय है ही परन्तु सनातनियों के मान्य भी है। मेवाड़ के केसरियाजी जैनियों के मान्य है और सनातनियों के भी है। यही स्थिति उन लोक देवताओं की है। जिन्होंने वहां के सुदूर अंचलों में स्थित आदिवासियों, जनजातियों एवं किसानों को सदियों से आस्था के सूत्र में बांधे रखा।

रुणिचा में चिर समाधि में लीन रामदेव, जिस प्रकार हिन्दुओं के रामदेव है उसी प्रकार मुसलमानों के भी रामसा पीर है। आज भी बाबा रामदेव उत्तर भारत के प्रमुख पूजनीय देवताओं में से एक है। पाबूजी राठौड़ की गोरक्षा हेतु प्राणहुती सम्बन्धी लोक गाथा लाखों को भाव विभोर करती है। लोक गायकों के द्वारा पाबूजी की फड़ को गेय में बांचने की प्रथा मध्यकाल से चली आ रही है।

यहाँ एक कहावत प्रसिद्ध है। सात वार नौ त्योहार। राजस्थान के मेले और पर्व त्योहार रंगारंग एवं दर्शनीय होते है। ये पर्व त्योहार लोगों के जीवन उनकी खुशियाँ और उमंग के परिचायक है। प्राय: इन मेलों और त्योहारों के मूल में धर्म होता है, लेकिन इनमें से कई मेले और त्योहार अपने सामाजिक और आर्थिक महत्व के परिचायक है। मनुष्य और पशुओं की अंतनिर्भरता को दर्शाने वाले पशु मेले राजस्थान की पहचान है। पुष्कर का कार्तिक मेला, परबतसर और नागौर के तेजाजी का मेला, जो मूलत: धार्मिक है। राज्य के बड़े पशु मेले माने गये है। राजस्थान में तीज को त्योहारों में पहला स्थान दिया गया है।

राजस्थान में एक कहावत प्रसिद्ध है। तीज त्योहारा बावरी ले डूबी गणगौर। इसका अर्थ है कि त्योहारों के चक्र की शुरुआत श्रावण महीने की तीज से होती है तथा साल का अंत गणगौर के साथ होता है।

गणगौर धार्मिक पर्व होने के साथ ही राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। राजस्थान में पुरा संपदा का अटूट खजाना है। राजस्थान के ख्यातनाम दुर्गों में चित्तौड़, जैसलमेर, रणथम्भौर, गागरोन, जालौर, सिवाना तथा भटनेर का दुर्ग ऐतिहासिक दृष्टि से प्रसिद्ध रहे है। इनके साथ शूरवीरों के पराक्रम, वीरांगनाओं के जौहर की रोमांचक गाथाएं जुड़ी हुई हैं, जो भारतीय इतिहास की अनमोल धरोहर है। राजस्थान के जनमानस को ये दुर्ग और इनसे जुड़े आख्यान सदा से ही प्रेरणा देते आए है। वीरता एवं शौर्य के प्रतीक ये गढ़ और किले अपने अनूठे स्थापत्य, विशिष्ठ सरंचना, अद्भुत शिल्प एवं सौन्दर्य के कारण दर्शनीय है।

राजस्थान की चित्रशैलियाँ भी इसके वैभव का प्रमाण है। बूंदी, नाथद्वारा, किशनगढ़, उदयपुर, जोधपुर, जयपुर आदि राजस्थान की चित्रकला के रंगीन पृष्ट है। जिनमें श्रृंगारिकता के साथ–साथ लौकिक जीवन की सशक्त अभिव्यक्ति हुई है। राजस्थानी शैली गुजराती एवं जैन शैली के तत्वों को अपने में समेटकर मुगल शैली में समन्वित हुई है।राजस्थान के वीर तथा वीरांगनाओं ने जहाँ रणक्षेत्र में तलवारों का जौहर दिखाकर विश्व इतिहास में अपना नाम स्वर्णिम अक्षरों में अंकित किया हैं, वहीँ भक्ति और आध्यात्मिक क्षेत्र क्षेत्र में भी राजस्थान पीछे नहीं रहा है। यहाँ मीरा एवं दादू भक्ति आंदोलन के प्रमुख संत रहे है। भक्ति गीतों में जहाँ एक ओर लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रतिष्ठा मिली है वही व्यक्ति स्वातंत्र्य का स्वर फूटा और लोकपरक सांस्कृतिक चेतना उजागर हुई है। यहाँ के मेलों और त्योहारों के आयोजन में सम्पूर्ण लोकजीवन पूरी सक्रियता के साथ शामिल होकर अपनी भावनात्मक आस्था का परिचय देता है। लोकनृत्य राजस्थानी संस्कृति के वाहक है। यहाँ के लोकनृत्यों में लय, ताल, गीत, सूर आदि का एक सुंदर और संतुलित सामजस्य देखने को मिलता है। गेर, चंग, गीदड़, घूमर, ढोल आदि नृत्य राजस्थान के जनजीवन की संजीवनी बूटियां है। इस बूटी की घूंटी को लेकर राजस्थान के जनजीवन और लोकमानस ने भूखा नंगा रहते हुए भी मस्ती और परिश्रम से जीना सीखा है।

–प्रकाश चंद्र शर्मा,
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जरूरी : राज्यपाल कलराज मिश्र

राजसमंद, (निसं)। राज्यपाल कलराज मिश्र और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी पी जोशी ने बुधवार को दो महत्वपूर्ण विकास कार्य जनता को सुपुर्द किए।

उन्होंने नाथद्वारा में श्रीगोवर्द्धन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन एवं बिलोता में सुखाडिया विवि के राजकीय कन्या महाविद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण किया। कार्यक्रमों में सहकारिता मंत्री एवं प्रभारी मंत्री उदयलाल आंजना, शिक्षा मंत्री डॉ बी डी कल्ला, सांसद दिया कुमारी और मिराज समूह के अध्यक्ष मदन पालीवाल आदि उपस्थित रहे। राज्यपाल और विधानसभा अध्यक्ष ने भगवान श्रीनाथजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और देश–प्रदेश की खुशहाल की कामना की। इस दौरान संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट, जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना एवं एसपी सुधीर जोशी सहित अन्य ने उनकी अगवानी की। नाथद्वारा में श्रीगोवर्द्धन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय को सौ साल पूर्ण होने कर नवीन भवन की सौगात मिली। राज्यपाल, विधानसभा अध्यक्ष, सहकारिता मंत्री और शिक्षा मंत्री ने विद्यालय भवन का लोकार्पण किया।

राज्यपाल कलराज मिश्र और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी पी जोशी ने दो महत्वपूर्ण विकास कार्य जनता को सुपुर्द किए।

■ बिलोता में कन्या महाविद्यालय और नाथद्वारा में श्रीगोवर्धन रा.उ.मा.वि. के नवीन स्कूल भवन का लोकार्पण

लोकार्पण के पश्चात विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर सी पी जोशी ने राज्यपाल को विद्यालय के नवीन भवन का अवलोकन कराया और यहां विद्यार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। राज्यपाल कलराज मिश्र ने बच्चों से अध्ययन और खेलकूद दोनों गतिविधियों को साथ–साथ जारी रख जीवन में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ सी पी जोशी ने कहा कि वह छठी कक्षा से 11वीं कक्षा तक इसी स्कूल में पढ़े। उन्होंने विधायक मद से इस विद्यालय में 50 लाख रुपए की लागत से अंग्रेजी लिंग्विस्टिक लैब स्थापित करने की भी घोषणा की।

शिक्षा मंत्री डॉ बी डी कल्ला ने कहा कि राज्य में आईसीटी क्लासेस को लेकर अभूतपूर्व कार्य हुआ है। राज्यपाल कलराज मिश्र और विधानसभा अध्यक्ष डॉ सी पी जोशी ने अंत में बिलोता में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस एवं श्रीनाथजी पीठ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विश्वविद्यालय के अधीन निर्मित राजकीय कन्या महाविद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण किया।

किराये के कमरों में चलाए जा रहे हैं आंगनबाड़ी केंद्र

चाकसू, (निसं)। चाकसू नगरपालिका परिक्षेत्र में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लगभग दो दर्जन से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अधिकांश आंगनबाड़ी केंद्रों के पास अपना स्वयं का भवन नहीं होने से किराए के कमरों में मुश्किल चलाए जा रहे हैं। विभाग की तरफ से किराया नाममात्र का स्वीकृत होने के कारण इन केंद्रों को ढंग का भवन या कमरा भी नहीं मिल पा रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा सहयोगिनी को नाममात्र का मानदेय दिया जाकर खानापूर्ति की जा रही है। नन्हे मुन्नों को स्कूल पूर्व की शिक्षा, संस्कार के साथ गुणवत्तापूर्ण पोषाहार दिया जा रहा है। साथ ही क्षेत्र की गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के नियमित स्वास्थ्य की देखरेख एवं आवश्यकता के अनुसार उनको पौष्टिक आहार भी दिया जा रहा है। सबसे बड़ी समस्या आंगनबाड़ी केंद्रों को सुविधाजनक भवन एवं परिसर की होती है, जो किसी के पास उपलब्ध नहीं है।

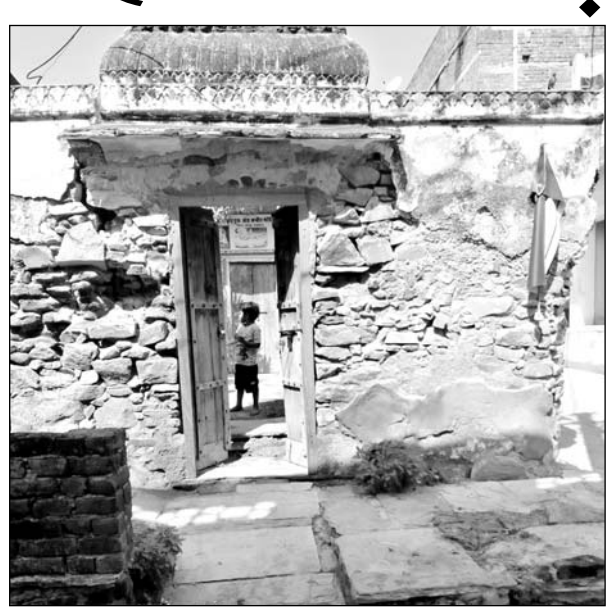

अधिकारियों की उपेक्षा के शिकार आंगनबाड़ी केंद्र के जर्जर भवन।

■ नन्हे-मुन्नों के साथ कभी भी हो सकती है अनहोनी

चाकसू के वार्ड नंबर 10 में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र की भवन पूर्णत: जर्जर हो चुका है, दीवारों के पत्थर निकल कर बड़े बड़े छेद हो चुके हैं। यह भवन इतना क्षतिग्रस्त हो चुका है कि कभी भी गिर सकता है एवं अंदर पढ़ने वाले अबोध बालकों के जीवन को खतरा हो सकता है। कहने को तो यह भवन संत कबीरदास मंदिर कहलाता है, लेकिन पिछले अनेक वर्षों से न तो इस भवन की मरम्मत हो सकी और न ही जीर्णोद्धार बताया जा रहा है। कबीरदासजी को मानने वाले दो गुट परस्पर विवादों में उलझे हुए हैं। इस तरफ किसी का ध्यान नहीं है। आंगनबाड़ी 10 की संचालिका से बात करने पर पता चला कि भवन की जर्जर स्थिति के बारे में विभाग के सीडीपीओ, शिक्षा विभाग के सीबीईओं, एसीबीईओ आदि को जानकारी दे दी गई है। आग्रह एवं अनुरोध भी किया है कि पचास कदम की दूरी पर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय भवन के खाली पड़े तथा अनुपयोगी कक्षा कक्ष अस्थाई तौर पर उपलब्ध करवा दिया जाए तो कम से कम अस्थाई समाधान हो सकता है। मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी हनुमान सहाय, अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्रकाशचंद, नोडल अधिकारी रामलाल मीणा ने आश्वासन दिया था कि निकटवर्ती स्कूल में कमरा उपलब्ध करवाने की कार्यवाही चल रही है। लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिल रही।

अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्रकाशचंद मीणा ने बताया कि उच्च प्राथमिक विद्यालय नम्बर एक के प्रधानाचार्य सहयोग करने में लापरवाही कर रहे हैं।

राशिफल गुरूवार 28 सितम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, चतुरदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2080, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 1:48 तक, गंड योग रात्रि 11:54 तक, गर करण प्रात: 8:34 तक, चन्द्रमा रात्रि 8:28 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–कुम्भ, मंगल–कन्या, बुध–सिंह, गुरू–मेष, शुक्र–कर्क, शनि–कुम्भ, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज रवियोग रात्रि 1:48 तक है। भद्रा सांय 6:50 से शुक्रवार प्रात: 5:09 तक रहेगी। आज अनन्त चतुरदशी व्रत, चान्द पूर्णिमा व्रत, सिंजा माता पूजन आरम्भ होगा। आज पंचक है और ईद–ए–मिलाद (बारावफात) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:50 तक, चर 10:48 से 12:48 तक, लाभ–अमृत 12:18 से 3:16 तक, शुभ 4:45 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:21, सूर्यास्त 6:13

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

कन्या
आर्थिक मामलों से संबंधित विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है। आज अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण परामर्श मिल सकता है। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। मानसिक तनाव बना रहेगा।

वृश्चिक
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन
अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 58 प्रभात जयपुर, गुरुवार 28 सितम्बर, 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

When Mrs. Gandhi Visited Paradise

Mrs. Gandhi directed that ugly looking Facilities newly built between ITDC lodge and Shanti Kutir road should be demolished. Orders were complied with.

Arctic loses ice nearly twice India's size

As ice growth in the Arctic reached a record low, the melting of ice in the Antarctic is going towards historic highs.

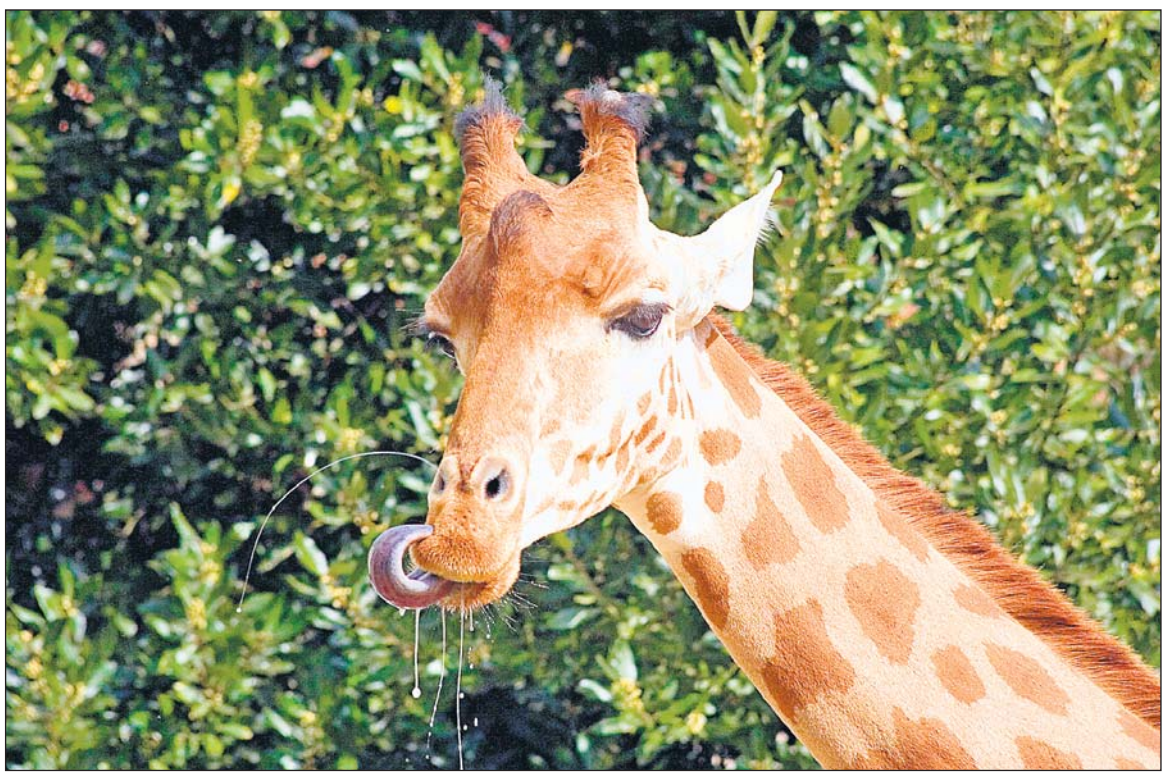

हर साल यदि सिर्फ दो कॉर्डोफैन जिराफ ही मारे जाते हैं तो भी कैमरुम के बैनोयू नैशनल पार्क में यह उपप्रजाति 15 साल में ही लुप्त हो जाएगी। युनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल ज़ूलॉजिकल सोसायटी द्वारा करवाए गए नए शोध से यह जानकारी मिली है। अफ्रीकन जर्नल ऑफ इकॉलजी में छपे इस शोध के सहलेखक सैमुअल पैनी ने कहा कि, हमें यह तो लग रहा था कि पार्क के अंदर अवैध शिकार के कारण इनकी आबादी कम हो रही है। तथापि, हमने यह उम्मीद नहीं की थी कि, विलुप्ति की नौबत इतनी जल्दी आ जाएगी। यह बेहद चिंताजनक है। कॉर्डोफैन जिराफ गंभीर रुप से संकटग्रस्त जिराफ उपप्रजाति है, जो कैमरुन, काँगो, सैंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, चाड, काँगो, व साउथ सूडान में मिलते हैं। इनकी कुल आबादी 2300 के लगभग है तथा "बनाओ नैशनल पार्क" में इनकी आबादी 300 से कम है। मांस, हड्डियों, बाल व पूंछ के लिए जिराफ का शिकार किया जाता है। इनकी खाल का गलीचों के रुप में प्रयोग होता है। हर पांच साल में एक नर व एक मादा के मरने से यह उपप्रजाति 100 साल में लुप्त हो जाएगी और हर साल एक जोड़ा लुप्त होने से 15 साल में लुप्त हो जाएगी। शोध के अनुसार, अवैध शिकार रोकना इस विलुप्ति को रोकने का सबसे अच्छा तरीका है। जिराफ की सबसे नाटी इस उपप्रजाति के सदस्यों का कद 3.8 से 4.7 मीटर होता है। नर की बजाय मादा के शिकार से आबादी सबसे ज्यादा प्रभावित होती है। मादा 4 साल में प्रजनन योग्य हो जाती है और इनका गर्भकाल 15 माह का होता है। शोध के अनुसार, पार्क में अन्य स्थानों से मादा जिराफ लाने से आबादी बढ़ाने में मदद मिलेगी। हालांकि शोध लेखक एक स्थान से दूसरे स्थान जानवरों के स्थानान्तरण के खिलाफ हैं। इसकी बजाय शोध ने सुझाव दिया है कि, जिराफ के आवास के बीच के कॉरिडोर की सुरक्षा की जानी चाहिए। कॉरिडोर होने से जिराफ स्वतः अलग-अलग क्षेत्रों में जा सकेंगे।

कांग्रेस हाई कमान ने 60 प्रतिशत विधायकों के टिकट काटने का मन बनाया

स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन गौरव गोगोई ने कहा, सिर्फ जीतने वाले प्रत्याशी को ही टिकट दिया जाएगा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। कांग्रेस ने राजस्थान में अपने बहुत से मौजूदा विधायकों के टिकट काटने का पक्का मानस बना लिया है। राजस्थान के लिये बनाई गई स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने सार्वजनिक रूप से बयान दे दिया है कि मौजूदा विधायकों को टिकट दिये जाने के स्थान, आगामी विधानसभा चुनावों के टिकट वितरण के अपनाये जाने वाला इकलौता फॉर्मूला प्रत्याशी की "जीतने की क्षमता" पर आधारित होगा।

- **राहुल गांधी ने गौरव गोगोई से साफ कह दिया है कि, सुनील कानूगोलू की रिपोर्ट में जिन विधायकों की हार तय बताई गई है, उन्हें टिकट कदापि न दिया जाए।**
- **जिन विधायकों के टिकट काटे जाएंगे, उनमें से अधिकांश विधायक गहलोत खेमे के हैं, जिनकी हार पक्की बताई जा रही है, पर गहलोत उन्हें हर कीमत पर टिकट दिलाना चाहते हैं।**
- **गहलोत 50 प्रतिशत टिकट मौजूदा विधायकों को दिलाना चाहते हैं। उनका कहना है कि, जिन्होंने उनकी सरकार बचाई उन विधायकों को टिकट मिलना ही चाहिए।**
- **गहलोत का कहना है कि, जिन विधायकों ने सरकार गिराने की कोशिश की उन्हें टिकट नहीं देना चाहिए।**

सूत्रों के अनुसार, राजनैतिक रणनीतिकार तथा विश्लेषक सुनील कानूगोलू तथा उनकी टीम ने अपना यह सर्वे कांग्रेस नेतृत्व को भेज दिया है कि सभी विधायकों तथा खासतौर से सभी मंत्रियों के खिलाफ जबरदस्त सत्ता विरोधी भावना है। उन्होंने सिफारिश की है कि अगर पार्टी को चुनाव में टक्कर देनी है तो मौजूदा विधायकों के कम से कम 50 प्रतिशत टिकट काटना जरूरी होगा।

सूत्रों का भी कहना है कि कांग्रेस ने टिकट वितरण उस समय तक रोके रखा है, जब तक चुनावों की घोषणा नहीं हो जाती। ऐसा करने का कारण यह बताया गया है कि विधानसभा चुनाव समय से पहले भी हो सकते हैं, आगे भी खिसक सकते हैं तथा "एक राष्ट्र एक चुनाव" का विचार क्रियान्वित किया जा सकता है। हालांकि वेणुगोपाल ने सार्वजनिक रूप से यह घोषणा कर दी थी कि राजस्थान के लिये कांग्रेस के टिकटों की घोषणा सितम्बर के शुरु में हो जायेगी।

सूत्रों ने कहा कि टिकट-वितरण में विलम्ब का मुख्य कारण कांग्रेस का यह दृढ़ निश्चय है कि उन विधायकों के टिकट काटे जायेंगे, जो बुरी तरह हारते नज़र आ रहे हैं।

यह भी समझा जाता है कि अशोक गहलोत पूरी जोरदारी के साथ कह रहे हैं कि राजेन्द्र गुढ़ा के निष्कासन के बाद, राज्यसभा चुनावों में 121 विधायकों ने कांग्रेस का समर्थन किया था। गहलोतन ने यह भी कहा है कि इन विधायकों को उस समय भी सरकार को सहयोग दिया था, जब कुछ विधायकों तथ्शा अन्य लोगों ने इस सरकार को गिराने की कोशिश की थी। इस प्रकार, गहलोत का तर्क यह है कि टिकट उन विधायकों के काटे जाने चाहिये, जिन्होंने उनकी सरकार को गिराने की कोशिश की थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र में भाजपा लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराना चाहती है

अक्टूबर 2024 में राज्य के चुनाव होने हैं और लोकसभा चुनाव अगले साल अप्रैल-मई में निर्धारित हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। भारतीय जनता पार्टी का केन्द्रीय नेतृत्व अपनी महाराष्ट्र इकाई के एक प्रस्ताव पर विचार कर रहा है कि राज्य के विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ ही करवा लिए जाएं। उनका मानना है कि दो टिकटों वाला चुनाव और प्रधानमंत्री की जोरदार अपील पार्टी के पक्ष में काम करेगी।

- **पार्टी को उम्मीद है कि, दोनों चुनाव एक साथ होने से मोदी फैक्टर ज्यादा प्रभावी ढंग से कारगर होगा।**
- **महाराष्ट्र में भाजपा के नेताओं का कहना है कि, दोनों चुनाव एक साथ हुए तो विधानसभा चुनाव में भी राष्ट्रीय मुद्दे प्रभावी होंगे।**
- **पार्टी चाहती है कि, राज्य में अपने दम पर पूर्ण बहुमत हासिल किया जाए, इसलिए अधिकांश सीटों पर भाजपा अपना प्रत्याशी उतारना चाहती है।**

राज्य विधानसभा चुनाव अक्टूबर 2024 में हैं लेकिन राज्य भाजपा उन्हें अगले वर्ष अप्रैल-मई में लोकसभा के साथ ही करवाना चाहती है।

नेतृत्व की आंख महाविकास अगाड़ी में शामिल विपक्षी पार्टियों और शिव सेना के एक गुट के साथ अपने गठबंधन के कार्यकलाप पर लगी हुई है।

राज्य के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने 2023-24 का बजट सबको खुश करने वाला रखा है। पार्टी के थिंक टैंक का मानना है कि हाल में एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ हुआ गठबंधन लोगों को "फील गुड" करवाने में मदद कर सकता है।

विधानसभा और लोकसभा चुनाव साथ करवाने, जहां मोदी की अपील और राष्ट्रीय मुद्दे भी मतदाता के दिमाग में रहेंगे और ये मतदाताओं को प्रभावित करेंगे। ये कहना है मंत्रिमण्डल के एक सदस्य का जो राज्य की चुनावी रणनीति से वाकिफ हैं।

मंत्री ने कहा, "राज्य में पार्टी के शीर्ष नेताओं ने सुझाव दिया है और केन्द्रीय नेतृत्व अब इस विकल्प पर विचार कर रहा है। वह उचित समय पर कदम उठाएगा। राज्य के चुनाव लोकसभा चुनाव के 5-6 माह बाद ही है इसलिए यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं होना चाहिए।

भाजपा राज्यों व केन्द्र के चुनाव एक साथ होने का फायदा उठाकर कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना एवं नैशनलिस्ट, कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) के कमज़ोर और अवसरवादी गठबंधन की दरारों को उघाड़ना और बढ़ाना चाहती है। मंत्री का कहना है कि, महाराष्ट्र विकास अगाड़ी (एम.वी.ए.) तिकड़ी चुनावों की घोषणा तक एक साथ बने रह सकते हैं, लेकिन उसके बाद कुछ नहीं कह सकते। चुनाव अभियान के दौरान ही वो टूट सकते हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।?
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

अमित शाह और नड्डा का शानदार स्वागत

जयपुर 27 सितंबर । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा एवं केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के जयपुर पहुंचने पर भाजपा नेताओं ने एयरपोर्ट के स्टेट हैंगर पर उनका स्वागत किया।

स्वागत करने वाले नेताओं में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, प्रदेश

- **एयरपोर्ट पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित तमाम बड़े नेता शाह व नड्डा के स्वागत के लिए मौजूद थे।**

चुनाव प्रभारी, चुनाव सह प्रभारी नितिन पटेल, कुलदीप बिश्नोई, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, कैलाश चौधरी, प्रदेश सह प्रभारी विजया रहाटकर, सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष अजयपाल सिंह, चुनाव प्रबंधन समिति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान में भाजपा केन्द्रीय मंत्रियों व कद्दावर सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारेगी

गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, राज्यवर्धन राठौड़ और दिया कुमारी का नाम चर्चा में है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। संकेत हैं कि, राजस्थान विधानसभा चुनावों में, बड़ी संख्या में केन्द्रीय मंत्रियों और वर्तमान सांसदों को चुनाव मैदान में उतार कर भाजपा मध्य प्रदेश की अपनी रणनीति को दोहरायेगी। भाजपा ने जहाँ, मध्य प्रदेश के लिए प्रत्याशियों की दो सूचियाँ जारी कर दी हैं, वहीं पार्टी ने राजस्थान सहित उन अन्य राज्यों की लिस्ट जारी नहीं की है जहाँ निकट भविष्य में चुनाव होने वाले हैं। इस बात के भी संकेत मिल रहे हैं कि, भाजपा हाई कमान वरिष्ठ नेता वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री के चेहरे के रुप में घोषित नहीं करना चाहता है।

- **इस प्रकार भाजपा हाई कमान ने संकेत दे दिया है कि, वह वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री पद का प्रत्याशी बनाने के पक्ष में नहीं है। भाजपा के 30 प्रतिशत मौजूदा विधायकों के टिकट काटने की तैयारी भी कर ली है।**
- **भाजपा ने राजस्थान में भी मध्य प्रदेश की रणनीति पर ही अमल किया है।**

राजस्थान विधानसभा चुनावों के लिए जिन केन्द्रीय मंत्रियों को चुनाव मैदान में उतारा जा सकता है, उनमें, जल शक्ति मंत्री, गजेन्द्र सिंह शेखावत एवं विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के नाम प्रमुख हैं। भाजपा थिंक टैंक राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं दिव्या सिंह, (क्रमशः जयपुर ग्रामीण व राजसमंद से सांसद) को विधानसभा चुनाव लड़वाने के विकल्प पर विचार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार यह भी संभावना है कि, भाजपा 30 प्रतिशत वर्तमान विधायकों के टिकट काट सकती है।

मध्य प्रदेश विधानसभा के लिए, भाजपा ने तीन केन्द्रीय मंत्रियों, नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल और फग्गन सिंह कुलस्ते को मैदान में उतारा है। इनके अलावा चार सांसदों, राकेश सिंह, गणेश सिंह, रीति पाठक और उदयप्रताप सिंह को भी टिकट दिया गया है, जिससे ये चर्चाएं शुरु हो गई हैं कि वर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को दरकिनार किया जा रहा है।

भाजपा के महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जिनका नाम भी प्रत्याशियों की सूची में है, अपने चयन से खुश नहीं हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिधूड़ी टोंक में भाजपा के प्रभारी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। भारतीय जनता पार्टी सांसद रमेश बिधूड़ी, जिन्होंने अभी हाल ही, संसद में बसपा सांसद

- **लोकसभा में बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ धर्म आधारित अपमानजनक टिप्पणी करने वाले सांसद रमेश बिधूड़ी की इस नियुक्ति को राजनैतिक हल्कों में "पुरस्कार" बताया जा रहा है, जबकि भाजपा नेतृत्व उन्हें लोकसभा में गलत टिप्पणी के लिए नोटिस दे चुका है।**

दानिश अली के खिलाफ अभद्र एवं मुस्लिम विरोधी टिप्पणियाँ की थीं, को राजस्थान में टोंक चुनाव क्षेत्र का पार्टी प्रभारी नियुक्त किया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा राजस्थान में "वसुंधरा फैक्टर" को शून्य करने की तैयारी में

मध्य प्रदेश की तर्ज पर केन्द्रीय मंत्रियों व सांसदों को चुनाव मैदान में उतारा जाएगा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। पांच राज्यों में होने वाले चुनावों के लिए चल रहे भीषण युद्ध में भाजपा वहां के कद्दावर नेताओं को खड़ा करना चाहती है ताकि वह मई में हुई कर्नाटक की हार तथा हाल के उपचुनाव में इंडिया गठबंधन से मिली 3-4 की हार से उबर सके।

भाजपा के एक शीर्ष नेता ने बताया कि पार्टी इस वर्ष होने वाले पांच राज्यों के चुनाव में "सामूहिक नेतृत्व", "कद्दावर नेताओं और मोदी फैक्टर पर निर्भर रहना चाहती है।"

सूत्रों ने यह भी कहा कि पार्टी किसी को मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित नहीं करेगी, विशेषकर हिंदी भाषी मध्य प्रदेश और राजस्थान में। यह प्रयास है क्षेत्रीय नेताओं की महत्त्वाकांक्षाओं और प्रतिद्वंदिता को नियंत्रण में रखना और "व्यक्ति से बढ़कर पार्टी" का नारा बुलंद करना।

सीधे शब्दों में, भाजपा को उम्मीद है कि बड़े नाम उसे कमज़ोर जगहों पर सीटें जितवा देंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील भी पार्टी को चुनाव का एक दौर और जितवाएगी और मुख्यमंत्री के पद पर नाम खुला रखना क्षेत्रीय नेताओं को ज्यादा मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

सूत्रों ने कहा कि प्रयास यह है कि भाई-भतीजावाद को खत्म किया जाए, वंशवादी राजनीति से दूर रहा जाय,

- **सूत्रों का कहना है कि, वसुंधरा राजे भले ही राजस्थान में भाजपा की सबसे ताकतवर एवं प्रभावशाली नेता मानी जाती हैं, पर इस बार उनकी वापसी की संभावना बहुत कम है।**
- **भाजपा हाई कमान दो बार मुख्यमंत्री रह चुकीं वसुंधरा राजे को फिर से मुख्यमंत्री नहीं बनाएगा और यह संभावना भी नहीं है कि, वसुंधरा एक विधायक के रूप में किसी अन्य मुख्यमंत्री के अधीन विधानसभा में बैठेंगी।**
- **भाजपा की योजना है कि, जिन 5 राज्यों में चुनाव होना है, वहां मोदी फैक्टर पर ही चुनाव लड़ा जाएगा।**
- **समझा जाता है कि, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ में भी भाजपा इसी योजना पर अमल करेगी।**

विशेषकर इसलिए क्योंकि प्रधानमंत्री कांग्रेस पर आरोप लगाते हैं।

इस योजना की कुछ झलक इस सप्ताह मध्य प्रदेश में देखने को मिलीं।

इसी तर्ज पर भाजपा की राजस्थान में पहली सूची, जो शायद 49 सीटों की है, शीघ्र आने वाली है, यह लिस्ट जयपुर में गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की मुलाकात के बाद जारी हो सकती है।

राजस्थान में मुख्यमंत्री पद के संभावित चेहरे हैं केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और अर्जुनराम मेघवाल, राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा, लोकसभा सांसद दिव्या कुमारी, राज्यवर्धन राठौड़ और सुखबीर सिंह जौनपुरिया।

70 वर्षीय वसुंधरा राजे दो बार मुख्यमंत्री रह चुकी हैं और सिंधिया राज परिवार की सदस्य हैं, लेकिन उनका इस बार उनका लौटना मुश्किल है, हालांकि उन्हें राज्य में भाजपा का सबसे कद्दावर और प्रभावशाली नेता माना जाता है।

गैर-भाजपा मतदाताओं पर अच्छी पकड़ रखने वाली राजे से पार्टी किस तरह पेश आती है यह महत्वपूर्ण होगा क्योंकि वे किसी अन्य मुख्यमंत्री के मातहत विधायक होकर तो विधानसभा में नहीं बैठ सकतीं।

मध्य प्रदेश में तीन केन्द्रीय मंत्री, चार सांसद और राष्ट्रीय माहसचिव कैलाश विजयवर्गीय प्रत्याशी हैं जबकि अभी तक मुख्यमंत्री शिवराज सिंह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चन्द्रबाबू की अपील पर 3 अक्टूबर को सुनवाई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। सर्वोच्च न्यायालय की एक नई बैंच आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन. चन्द्रबाबू नायडू की उस याचिका की सुनवाई 3 अक्टूबर को करेगी, जिसमें उन्होंने राज्य के स्किल डवलपमेंट कॉर्पोरेशन में कथित

- **आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू को 9 सितम्बर को 371 करोड़ रू. के कौशल विकास घोटाले में गिरफ्तार किया गया था।**

371 करोड़ रू. के घोटाले में उनके खिलाफ दर्ज एफ.आई.आर. को रद्द करने का अनुरोध किया है। न्यायमूर्ति एस.वी.एन. भट्टी इस याचिका की सुनवाई से बुधवार को स्वयं को अलग कर लिया।

जब न्यायमूर्ति भट्टी, जो न्यायमूर्ति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जिन जिलों में कांग्रेस मजबूत, वहीं मुख्यमंत्री के दौरे होंगे!

मुख्यमंत्री के दौरे में सिर्फ तीन जिले ऐसे, जहां वर्ष 2018 में कांग्रेस की हालत बेहद खराब रही

■ हालांकि मुख्यमंत्री के दौरे के बावजूद क्या कांग्रेस फिर इन जिलों में मजबूत रहेगी, यह देखना भी रोमांचक होगा

जयपुर, (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार से 20 जिलों के दौर शुरू कर दिए हैं। पहले दिन उन्होंने जयपुर जिले की चौमूं, सीकर जिले की दातारामगढ़ स्थित खाटूश्यामजी और चुरू जिले में सुजानगढ़ की सालासर क्षेत्र में अपने दौरे की शुरुआत की। वहीं अब मुख्यमंत्री गुरुवार से बाकी जिलों का दौर शुरू करेंगे।

दरअसल पहले प्रदेश कांग्रेस की ओर से तय किया गया था कि 25 से 29 सितंबर तक ईआरसीपी की मांग को लेकर 13 जिलों की यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें मंत्री-विधायक शामिल होंगे, लेकिन पूर्वी राजस्थान में कांग्रेस के मंत्री-विधायकों का सार्वजनिक विरोध तेज होता देखकर इस यात्रा को रद्द कर दिया गया। उसके बाद में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का 20 जिलों का दौरा तय किया गया, जो 27 सितंबर से 7 अक्टूबर तक पूरा होना है।

दरअसल इस दौर में मुख्यमंत्री ने उन जिलों को चुना है जहां कांग्रेस पहले से अच्छी स्थिति में है। यानी कि जयपुर जिले में कांग्रेस के पास 12 सीटें हैं, वहीं दो निर्दलीय भी कांग्रेस समर्थित है। ऐसे में जयपुर जिले को मुख्यमंत्री के दौरे के लिए चुना गया है। वही सीकर जिले में कांग्रेस के पास सभी सीट हैं। ऐसे में पहले दिन सीकर जिले का दौरा तय किया गया है, जहां मुख्यमंत्री ने खाटूश्यामजी के दर्शन किए। वहीं चुरू जिले में भी कांग्रेस के पास अधिकांश सीट हैं। इसलिए मुख्यमंत्री के दौरे के पहले दिन चुरू जिले में सालासर बालाजी धाम देवदर्शन का कार्यक्रम रखा गया।

अलावा भी मुख्यमंत्री ने जिन जिलों में दौरे रखे हैं, उनमें बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़, नागौर, जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, उदयपुर, राजसमंद, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, सिरोही, जालौर और पाली शामिल हैं। इनमें से सिरोही, जालौर और पाली को छोड़ दे, तो बाकी सभी जिलों में कांग्रेस की स्थिति अच्छी रहती है। हालांकि पिछले चुनाव में डूंगरपुर-बांसवाड़ा में पार्टी को ज्यादा सफलता नहीं मिली थी और बीटीपी ने पार्टी को नुकसान पहुंचाया था।

दूसरी ओर चर्चा यह भी है कि जिस तरह से कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यह कहा कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ हम जीतेंगे। तेलंगाना भी जीतने जा रहे हैं, लेकिन राजस्थान में मुकाबला नजदीकी रहेगा। हालांकि इस बात पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा हम जीतेंगे और बहुमत लेकर आएंगे। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी के बयान को लेकर चैलेंज स्वीकार करने के बजाय खुद चैलेंज दे दिया है। ऐसे में अब खुद मुख्यमंत्री पर यह भार है कि वह किसी भी स्थिति में राहुल गांधी की कई बात को झूठा साबित करें और पार्टी को जीत दिलवाएं। यही कारण है मुख्यमंत्री है अपने दौरों के लिए उन दौरों को चुना है जहां पहले से ही पार्टी मजबूत बनी हुई है। हालांकि मुख्यमंत्री के दौरे के बावजूद कांग्रेस फिर इन जिलों में मजबूत रहेगी, यह देखना भी रोमांचक होगा।

नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप ने की 205 करोड़ रुपये की जी. एस. टी. चोरी

आमजन को अच्छे रिटर्न का झांसा देकर 2700 करोड़ रु. निवेश करवाकर धोखाधड़ी की इस ग्रुप ने

■ जी.एस.टी. विभाग की जांच में सामने आया कि ग्रुप ने करीब 1000 करोड़ रु. धोखाधड़ी में शामिल एजेंट्स को कमीशन व बोनस बांटा

■ जी.एस.टी. विभाग को जांच में इस ग्रुप द्वारा 1140 करोड़ रुपये की जीएसटी दायरे में आने वाली अघोषित आय का पता चला जिलों में मजबूत रहेगी, यह देखना भी रोमांचक होगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सीकर के नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप ने आमजन से करीब 2700 करोड़ रुपये प्रॉपर्टी व अन्य जगहों पर निवेश के नाम पर हड़प लिए थे। अब केन्द्रीय वस्तु एवं सेवाकर (जी.एस.टी.) विभाग ने भी इस ग्रुप की 205 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी पकड़ी है। साथ ही जीएसटी विभाग को जांच में इस ग्रुप द्वारा 1140 करोड़ रुपये की जीएसटी दायरे में आने वाली अघोषित आय का पता भी चला है।

केन्द्रीय वस्तु एवं सेवाकर आयुक्तालय अलवर के प्रधान आयुक्त जयप्रकाश सिंह ने बताया कि नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप द्वारा 2700 करोड़ रुपये आमजन से निवेश के नाम पर हड़पने के मामले सूचना मिलते ही अपर आयुक्त बसंत गढ़वाल के नेतृत्व में जांच शुरू करवाई।

जी.एस.टी. विभाग की जांच में सामने आया कि इस ग्रुप ने लोगों को लोक लुभावन सपने दिखाकर उनसे जमीन व अन्य जगहों पर रकम निवेश करवाई और अच्छे रिटर्न का झांसा देकर रकम हड़प ली। कंपनी ने लोगों को फंसाने के लिए बतौर एजेंट्स काम करने वाले लोगों को 1 हजार करोड़ रुपये का कमीशन और बोनस तक बांट दिया। इस ग्रुप ने राजस्थान, गुजरात और दिल्ली में करीब 30 जी.एस.टी. फर्म बनाकर निवेश करवाया, लेकिन जी.एस.टी. विभाग को कोई टैक्स जमा नहीं कराया।

गत 25 सितंबर को सीजीएसटी आयुक्तालय जयपुर के अधिकारियों के साथ नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप से जुड़े लोगों के ठिकानों पर जांच की गई। जिसमें अभी तक सामने आया कि करीब 2700 करोड़ रुपये नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप सीकर में लोगों द्वारा निवेश किए गए। इस ग्रुप ने 5 प्रतिशत प्रशासनिक शुल्क के रूप में 140 करोड़ रुपये वसूल किए। जी.एस.टी. विभाग की अब तक की जांच में इस ग्रुप की करीब 1140 करोड़ रुपये की जीएसटी दायरे वाली अघोषित आय के बारे में मालूम चला है, जिस पर करीब 205 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी इस ग्रुप द्वारा की गई है। केन्द्रीय वस्तु एवं सेवाकर आयुक्तालय अलवर द्वारा इस मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

'गहलोत के वश में हो तो केंद्रीय मंत्रियों के आने पर बैन लगा दें'

जयपुर। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि अशोक गहलोत के वश में हो तो केंद्रीय मंत्रियों के आने पर बैन लगा दें। बाड़ेबंदी की तो उन्हें आदत है।

बुधवार को मुख्यमंत्री गहलोत के उपराष्ट्रपति के राजस्थान दौरों पर सवाल उठाने पर शेखावत ने कहा कि अशोक गहलोत हार से डरे हुए हैं। उन्हें उपराष्ट्रपति का राज्य में आगमन भी खटक रहा है। केंद्र से तो वैसे ही उन्होंने तकरीबन सारे संबंध काट लिए हैं। एक मुख्यमंत्री की गरिमा के अनुरूप गहलोत बहुत हल्की बातें करते हैं। अब क्या कांग्रेस राजस्थान आने के लिए वीजा देगी? वहीं, कर्मचारियों के भुगतान रुकने की खबरों पर शेखावत ने तंज कसा कि कौन कहता है कि जनता को राहत न दो? लेकिन साढ़े चार साल सोने के बाद चुनावी लाभ के लिए सफेद हाथी जैसी इतनी घोषणाएं कर दो कि कर्मचारियों को भुगतान का संकट हो जाए, क्या ये अन्याय नहीं है?

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में होगा प्राचीनता व नवीनता का अद्भुत संगम

फेस्टिवल का आयोजन एक से पांच फरवरी तक होगा

आनंद नीलकांतन

मृदुला गर्ग

■ 25 वक्ताओं की पहली सूची जारी की

जयपुर, (का.सं.)। आइकोनिक जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2024 एक बार फिर अपने श्रोताओं का स्वागत करने के लिए तैयार है। विचारों और चर्चाओं के ये मंच हर साल देश और दुनिया के श्रेष्ठ वक्ताओं को विविध विषयों पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए आमंत्रित करता है। वर्ष 2024 में इस आइकोनिक फेस्टिवल के 17 साल पूरे होने जा रहे हैं। आज टीमवर्क आर्ट्स ने, धरती के सबसे बड़े साहित्यिक शो के 17वें संस्करण की तारीखों की घोषणा की। ये फेस्टिवल 2024 में होटल क्लार्क्स, आमेर, जयपुर में 1 से 5 फरवरी को आयोजित किया जाएगा।

2024 में विविध भारतीय भाषाएं वैश्विक मंच पर अपनी कहानी, अपनी संस्कृति को बयां करेंगी। फेस्टिवल में असमी, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल, उर्दू सहित कई अन्य भाषाओँ की उपस्थिति रहेगी।

साहित्य आज विविधता को अपनाकर, उभरते माध्यमों के अनुरूप खुद को ढालते हुए, गंभीर सामाजिक मुद्दों पर बात कर रहा है। आधुनिक साहित्य प्राचीनता और नवीनता के मध्य एक पुल बना रहा है।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में आमंत्रित वक्ता समकालीन समाज की जटिलताओं और चुनौतियों पर अपने विचार रखेंगे। हर साल की तरह, इस साल भी फेस्टिवल अपने मूल आदर्श के प्रति दृढ़ है: एक ऐसा लोकतान्त्रिक मंच प्रस्तुत करना, जहाँ हर कोई अपनी बात रखने के लिए स्वतंत्र हो। पांच दिवसीय इस फेस्टिवल में, 4 वेन्यु पर, 300 से अधिक वक्ता अपने विचार व्यक्त करेंगे।

25 वक्ताओं की लिस्ट आज जारी की गई, जिसमें शामिल हैं भारतीय लेखक, स्तंभकार, स्क्रीनराइटर, टेलीविजन पर्सनेलिटी, कार्टूनिस्ट और मोटिवेशनल स्पीकर आनंद नीलकंठन, पुरस्कृत ब्रिटिश पत्रकार औरसुपीरियर: द रिटर्न ऑफ़ रेस साइंस सहित चार किताबों की लेखिका एंजेला सैनी, साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित असमी लेखिका और पत्रकार अनुराधा शर्मा पुजारी, तमिल और मलयाली भाषाओँ के जाने-माने लेखक और साहित्य समीक्षक बी. जयमोहन;ब्रिटिश समीक्षक, स्तंभकार औरद रिसेंट कोल्दित्ज़: प्रिज्नर ऑफ़ द कासल के लेखक बेन ममाकिन्त्रे, प्रमुख भारतीय कला इतिहासकार, अकादमिक और लेखक बी.एन. गोस्वामी, पुरस्कृत लेखक और अकादमिक ब्रायन ए. कात्लोस, पुरस्कृत नाटककार, लेखिका और ब्रॉडवे एक्ट्रेस कैथरीन एन जोन्स, पुरस्कृत ऑस्ट्रेलियाई इतिहासकार, लेखिका, ब्रॉडकास्टर एंड पब्लिक कमेंटेटर क्लेयर राइट; जाने-माने यात्रा लेखक और उपन्यासकार कोलिन थुब्रों, नेशनल म्यूजियम ऑफ़ एशियन आर्ट, साउथ एशिया की क्यूरेटर डेबरा डायमंड, क्वाटर लाइफ की नवोदित उपन्यासकार देविका रेगे, द हीट विल किल यू फर्स्ट के कामयाब अमेरिकी लेखक जेरी ब्रोटन, कश्मीर में जन्मी, न्यू यॉर्क में रहने वाली लेखिका और अनुवादक कल्पना रैना, पुरस्कृत किताब पोम्पेइ की लेखिका मैरी बियर्ड, चित्तकोबरा, काठगुलाब और साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित उपन्यास मिलजुल मन की लेखिका मृदुला गर्ग, आर्ची कॉमिक्स पब्लिकेशन की को-फाउंडर और को-सीईओ नैंसी सिल्बेर्केल्ट, द विल्डिंग्स सहित तीन पुरस्कृत उपन्यासों की लेखिका नीलांजना एस. रॉय, पुरस्कृत पत्रकार और इंटरनेशनल बेस्टसेलर्स से नथिंग, एम्पायर ऑफ़ पेन, एंड रोगुएसके लेखक पैट्रिक रेडन कीफ, भारतीय पत्रकार और उपन्यासकार राज कमल झा;47 मानक डॉक्टरेट प्राप्तकर्ता और पद्मश्री, पद्मभूषण व पद्मविभूषण से सम्मानित आर.ए. माशेलकर, द केस फॉर नेचर के लेखक सिद्धार्थ श्रीकांत उड़ीसा हाईकोर्ट के भूतपूर्व चीफ़ जस्टिस और पंजाब व हरियाणा और दिल्ली हाईकोर्ट के जज एस. मुरलीधर, पुरस्कृत इतिहासकार, अनुवादक और ब्रॉडकास्टर टॉम हॉलेंड।

लेखिका, प्रकाशक और जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल की को-डायरेक्टर नमिता गोखले ने कहा,जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल का 2024 संस्करण दुनिया भर के पाठकों के लिए विचारों, किताबों और लेखकोंकी एक प्रत्यक्ष लाइब्रेरी होगा। कल्पना और तथ्य, काव्य और संगीत, बहस और चर्चाएँ आपके स्वागत के लिए तैयार हैं, साथ ही विविध क्षेत्रों से आए वक्ता और कलाकार भी। प्राचीनता और नवीनता को साथ में लिए ये एक अद्भुत संस्करण होगा।

फेस्टिवल के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन ज़रूरी है, श्रोता फेस्टिवल की वेबसाइट से रजिस्टर कर सकते हैं।फेस्टिवल का प्रवेश शुल्क 200 रुपये प्रतिदिन है। फेस्टिवल के एक्सक्लूसिव अनुभव के लिए श्रोता फ्रेंड्स ऑफ़ फेस्टिवल (डेलीगेट) पैकेज खरीद सकते हैं, जिसके तहत आप फेस्टिवल के वक्ताओं के साथ फेस्टिवल लाउन्ज शेयर कर सकते हैं और जयपुर म्यूजिक स्टेज और हैरिटेज इवनिंग का भी लुत्फ़ ले सकते हैं।

'रन फॉर आमेर' की दूसरी मैराथन का शुभारंभ

जयपुर। अपने आमेर विधानसभा क्षेत्र में पांच दिवसीय रन फॉर आमेर की दूसरी मैराथन का शुभारंभ विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने रामपुरा मंडल में किया।

रामपुरा मंडल में एन. के. पब्लिक सी.से. स्कूल, सीकर रोड, राजावास के सामने से टांटियावास टोल प्लाजा तक आयोजित की गई मैराथन में हजारों की संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया। जिसमें प्रथम स्थान दिनेश प्रजापत, द्वितीय स्थान सचिन सैनी, तृतीय स्थान राहुल सिंह ने प्राप्त किया।

मैराथन के प्रति आमेर से लेकर राजस्थान के युवाओं में क्रेज बढ़ता जा रहा है। 26 सितम्बर से शुरू हुई पांच दिवसीय मैराथन 28 सितंबर को अचरोल में चंदवाजी स्कूल ग्राउंड पर, 29 सितंबर को जालसू मुख्य स्टैंड से पंचमुखी हनुमान मंदिर तक, 30 सितंबर को आमेर शहर में आयोजित की जायेगी।

स्मार्ट सिटी परियोजना में प्रदेश को परफॉर्मेंस स्टेट अवॉर्ड

जयपुर, (का.सं.)। स्मार्ट सिटी परियोजना में परफॉर्मेंस स्टेट अवॉर्ड श्रेणी में राजस्थान देश में तीसरे स्थान पर रहा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इन्दौर में इण्डिया स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव 2023 में शासन सचिव, स्वायत्त शासन विभाग कैलाश चन्द मीणा को अवॉर्ड प्रदान किया। इस अवसर पर उनके साथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी जयपुर स्मार्ट सिटी राजेन्द्र सिंह शेखावत भी उपस्थित थे।

इन्दौर में आयोजित इण्डिया स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव 2023 में मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल, केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान एवं उनके मंत्रीमण्डल के सदस्य, सांसद एवं महापौर उपस्थित थे।

इण्डिया स्मार्ट सिटी अवॉर्ड प्रतियोगिता में उदयपुर स्मार्ट सिटी को नॉर्थ जोन कैटेगरी में प्रथम अवॉर्ड एवं मोबाईल ऐप्लीकेशन अवॉर्ड तथा उदयपुर स्मार्ट सिटी के लिए बेस्ट पार्टनर अवॉर्ड एल एण्ड टी को प्रदान किया गया। यह अवॉर्ड उदयपुर स्मार्ट सिटी मुख्य कार्यकारी अधिकारी अर्पणा गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी कृष्ण पाल सिंह चैहान, एल एण्ड टी के उपाध्यक्ष श्रीधरन, महाप्रबंधक हनमुंगम ने प्राप्त किया।

इण्डिया स्मार्ट सिटी अवॉर्ड प्रतियोगिता की राज्य श्रेणी में मध्यप्रदेश ने प्रथम स्थान, तमिलनाडू ने दूसरा स्थान तथा राजस्थान और उत्तर प्रदेश ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया है। प्रतियोगिता की पॉच श्रेणियों के तहत कुल 845 आवेदन प्राप्त हुए, उनमें से 66 फाइनल में पहुंचे, 35 अवॉर्ड प्रोजेक्ट में, 6 अवॉर्ड इनोवेशन में, 13 अवॉर्ड नेशनल/जोनल सिटी में, 5 अवॉर्ड स्टेट/यूटी में और 7 अवॉर्ड पार्टनर श्रेणी में दिये गये। इंदौर में 2 दिवसीय इण्डिया स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव 2023 में यह अवॉर्ड दिया गया है। इस आयोजन में देश की 100 स्मार्ट शहरों ने भाग लिया। इस अवसर पर स्मार्ट सिटी मिशन राजस्थान द्वारा विभिन्न नवाचारों, स्वच्छता, विरासत संरक्षण एवं आधुनिक सुविधाओं के क्षेत्र में किये गये कार्यो का प्रदर्शन किया गया।

ठाकुर रामप्रताप सिंह डिग्गी को मातृशोक

जयपुर, (का.सं.)। डिग्गी ठिकाने के ठाकुर रामप्रताप सिंह डिग्गी की माताजी कमल कुमारी का बुधवार सुबह करीब 7.30 बजे निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा शाम तीन बजे सी.स्कीम स्थित डिग्गी हाऊस से लालकोठी मोक्षधाम के लिये रवाना हुई जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनकी तीये की बैठक 29 सितम्बर की शाम को डिग्गी हाऊस में रखी गई है। ज्ञात रहे कि स्वर्गीय कमल कुमारी के पति स्व. ठाकुर नारायण सिंह मालपुरा से विधायक रह चुके हैं। वे अपने पीछे एक सुपुत्र ठाकुर रामप्रताप सिंह डिग्गी, एक सुपुत्री संध्या कुमारी और चार नाती-पोते छोड़ गई हैं।

प्रभारी नहीं सहयोगी बनकर आया हूं : जितेंद्र सिंह

जयपुर। चुनावी माहौल में भाजपा की लगातार बैठकों का दौर जारी है। इसी दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने जयपुर शहर में बैठक ली। बैठक के दौरान जितेंद्र सिंह ने कहा भाजपा हमारे मजबूत संगठन के साथ जनता की समस्या को लेकर जनता से मिलना है और उसको निवारण करने का प्रयास करना है। मैं यहां प्रभारी नहीं बल्कि सहयोगी और समन्वयक बनकर आया हूं। उन्होंने कहा कि केंद्र में शासित भाजपा की सरकार ने देश को नित नई ऊंचाइयों पर ले जाने का कार्य किया है असंभव कार्यों को धारा 370, तीन तलाक, राम मंदिर को संभव बनाया है और वर्तमान में अभी आने वाला 33 प्रतिशत महिला आरक्षण जो निश्चित ही देश को महिलाओं की भागीदारी के साथ देश को और सशक्त बनाएगा। राजस्थान में पिछले साढ़े चार वर्षों से अधिक समय होने के बाद भी कांग्रेस की स्थिति बहुत दयनीय है यहां पिछले 4 वर्षों में हुए भ्रष्टाचार के मामले, महिलाओं पर हुए अत्याचार, युवा, किसान और दलित विरोधी, राज्य में बेरोजगारी की स्थिति और लगातार हो रहे पेपर लीक किसानों से झूठ बोलकर किये गए राहुल गांधी, तुष्टिकरण करने वाली कांग्रेस सरकार जो हिंदू सनातन संस्कृति को खत्म करने की बात करती है। ऐसी कांग्रेस सरकार को 2023 के विधानसभा चुनाव में हम सभी को राजस्थान से हमेशा हमेशा के लिए विदा करना है।

नड्डा-शाह के दौरे से पहले भाजपा मुख्यालय पर हंगामा

■ भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यालय के बाहर दिया धरना

■ मौजूदा विधायक बदलने की मांग उठी

जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दौर के ठीक कुछ घंटे पहले बीजेपी मुख्यालय पर हंगामा हो गया। भाजपा के कई कार्यकर्ताओं ने मौजूदा विधायकों को लेकर नाराजगी जताते हुए उन्हें दोबारा मौका न देने की मांग की। साथ ही किसी नए चेहरे को टिकट देने की पैरवी की।

दरअसल शाह और नड्डा भाजपा की कोर कमेटी और भाजपा के शीर्ष नेताओं से चर्चा के लिए देर शाम जयपुर पहुंचेंगे। इस दौरान वे भाजपा मुख्यालय में कोर कमेटी से जुड़े पदाधिकारियों संग टिकटों, चुनाव मैनजमेंट और चुनाव प्रचार को लेकर चर्चा करेंगे लेकिन इस बैठक से पहले अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से आए 100 से ज्यादा भाजपा कार्यकर्ता मुख्यालय पहुंचे और धरने पर बैठ गए। कार्यकर्ताओं ने विधायक के खिलाफ नारेबाजी की और चेहरा बदलने के साथ नए को मौका देने की मांग की। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि विधायक के दो-तीन बार जीतने के बाद भी क्षेत्र में ऐसा कोई विकास का काम नहीं हुआ, जिसके नाम पर हम जनता के बीच जाकर वोट मांग सके। कार्यकर्ताओं ने विधायक अनिता भदेल पर बदसलूकी करने के भी आरोप लगाए। इस मुद्दे पर कार्यकर्ताओं ने मुख्यालय के अंदर जाकर प्रदेशाध्यक्ष को ज्ञापन भी दिया।

तीये की बैठक

हमारे पूजनीय **श्री रूपनारायण गुप्ता** (विजयवर्गीय) का देवलोकगमन 26.9.23 को हो गया है। तीये की बैठक 28.9.23 को सायं 5.00 से 6.00 तक महावीर स्कूल सी-स्कीम, जयपुर पर होगी।

शोकाकुल- रामनारायण- रूपा (भाई-भाभी) मनमोहन- निर्मला, गोपाल-मंजू, राजेंद्र-ऊषा (अनुज- वधू), ललित (Retd. SE, JVVNL)- शोभा, डॉ राजकुमार- डॉ स्वाति, अशोक (पुत्र-पुत्रवधु) कुसुम- मुकेश (पुत्री- दामाद) सरोज, अनिल- सीमा, अमित-सुलेखा, पंकज- प्रीति (भतीजे- वधु) मयंक- डॉ दिव्या, आदित्य- पल्लवी, अक्षित- ऐश्वर्या (पौत्र- पौत्रवधु) शुचि- ऋचिक, सुरभि- अर्पित, सोनाली (पौत्री-दामाद) अनुपम- अर्शी, अनुराग- मोहिता (दोहिते- वधु) प्रणित, अविक, दिविशा, धृति, ईभान (प्रपौत्र, प्रपौत्री)

9414148001, 9829177240

हमारी पूज्य माताजी मॉजी साहिबा **श्रीमति कमल कुमारी जी** ठिकाणा डिग्गी धर्मपत्नी पूर्व विधायक मालपूरा स्व. ठाकुर नारायण सिंह जी दिनांक 27.09.2023 को देवलोकगमन हो गए है। तीये की बैठक दिनांक 29.09.2023 शुक्रवार शाम 5:00 से 6:00 बजे डिग्गी हाऊस, शिवाजी मार्ग, सी-स्कीम जयपुर पर रखी गई है।

शोकाकुल- ठा. राम प्रताप सिंह, कु. रुद्र प्रताप सिंह, कु. राघव प्रताप सिंह

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नाम परिवर्तन

मैं निशीगंधा अविनाश कोथलकर नं. 15444317P रेंक NK (Nur.Asst) नाम कोथलकर अविनाश एकनाथराव यह मेरे कानूनी रूप से विवाहित पति हैं, वर्तमान में गांव अचलपुर, पोस्ट अचलपुर, तहसील अचलपुर, जिला उमरावती, राज्य महाराष्ट्र पिन-444806 में रहते हैं, मैंने अपना नाम बदल लिया है, निशीगंधा गजाननराव वानखडे से निशीगंधा अविनाश कोथलकर की नोटरी (भारत सरकार) अलवर (राजस्थान) के समक्ष शपथ पत्र संख्या BM038653, Date 18.09.2023 के माध्यम से।

NITU GURJAR D/o Bad Ram Gujar Resident of Vill- Jala ki Chouki, PO- Sendra, Teh- Raipur, Distt- Pali, State - Rajasthan, PIN 306102 have changed my name from NITU GURJAR to NITU GUJAR affidavit no. BL272412 dated 26/09/2023 before Indra Mathur (Notary Public Jaipur)

I have changed my name from Jugal Jain to Jugal Lalit Jain S/o Sh Lalit Jain R/o Plot No.- 83/A, Amrit Nagar, Khejadon Ka Bas, Mansarovar, Jaipur-302029 for future purposes

I have changed My Name Deepa Karmwani to Harsha Address 9/331 Malviya Nagar Jaipur

खोया पाया

मेरा हथरोई गढी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. द्वारा जारी प्लॉट नं. जी-17, सरस्वती नगर, मालवीय नगर का साईट प्लॉन दिनांक 26.09.2023 को मेरे निवास 621, जाट के कुए के रास्ते से गणगौरी बाजार के बीच कहीं गिर गया है। मिलने पर सूचित करें। जुगल किशोर 7792994444

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य अनीसा बानो पत्नी सत्तार सैफी व सत्तार सैफी पुत्र हाजी घसीटा नि.ए-303संजय नगर भट्टा बस्ती, जयपुर ने अपने पुत्र सलीम खान सैफी व उसकी पत्नी शायना सैफी को मेरे अभिभाष्य को तंग-परेशान करने व कहने में नहीं होने के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से आज बेदखल कर दिया है।

दिनांक-27/9/23 बुनियाद मोहम्मद, एडवोकेट राज.हाईकोर्ट, मो.नं. 9829168502

सूचना

डॉ.दीपिका अग्रवाल/श्री धन्नालाल जैन का पंजीयन पत्र क्रमांक 24733 नष्ट/गुम हो जाने के कारण डुप्लीकेट पंजीयन पत्र जारी किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी को उक्त पंजीयन पर आपत्ति हो तो बोर्ड कार्यालय को 15 दिन में सूचित करें अन्यथा डुप्लीकेट पंजीयन पत्र जारी कर दिया जावेगा।

रजिस्ट्रार
बोर्ड ऑफ इण्डियन मेडिसिन
राजस्थान, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

जाहिर आम सूचना [illegible]

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत मण्ढा पं.स. पावटा (जयपुर)

क्रमांक-ग्रा.प.म./निविदा/2023-24/112

ई-निविदा सूचना दिनांक-21.09.2023

ई-निविदा सूचना 2022-23 क्रमांक ग्रा.प.म./निविदा/022-23/109,111 दिनांक 22.09.2023 [illegible] www.eproc.rajasthan.gov.in [illegible] UBN NO. ZJP2324WSRC01929, ZJP2324WSRC01930 [illegible]

विमला सरपंच ग्राम पंचायत मण्ढा

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

जाहिर आम सूचना [illegible]

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

जाहिर आम सूचना [illegible]

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

जाहिर आम सूचना [illegible]

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

प्रारूप-10 नियम 6(7) देखिए
कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर पालिका शाहपुरा (जयपुर) राज.

क्रमांक-नपाशा/प्राधि/90-क/2023-24/2223 दिनांक-26.9.23

लोक सूचना श्री देशराज मीणा पुत्र श्री रामकिशोर मीणा निवासी ढाणी गोरिया, धनावता तहसील उदयपुरवाटी, श्री हरिराम मीणा पुत्र श्री हनुमानसहाय मीणा, श्री हंसराज शर्मा पुत्र श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा निवासी बिदारा शाहपुरा बाबत चाहने राजस्व ग्राम बिदारा तहसील शाहपुरा ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन (आवासीय) के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

जिले सहित तहसील का नाम-शाहपुरा जयपुर, ग्राम का नाम-बिदारा, खसरा नं.-1913/1079, क्षेत्र-1.2570 हैक्टर, कुल रकबा-1.2570 हैक्टर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1953 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षर के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज .... को जारी की जाती है।

प्राधिकृत अधिकारी, नगर पालिका शाहपुरा

Form No.3 [See Regulation-15(1)(a)]/16(3)
DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JAIPUR
First Floor, Sudharma-II, Lal Kothis Shopping Center, Tonk Road, Jaipur- 302015
Case No.:OA/524/2023

Summons under sub-section (4) of section 19 of the Act, read with sub-rule (2A) of rule 5 of tahe Debt Recovery Tribunal (Procedure) Rules, 1993.

Exh. No.: 10145

YES BANK
VS
QUALITY WALAS

To, (1) Quality Walas D/W/S/O Vipul Bansal through Its Partner Vipul Bansal S/O Shri Kedar Bansal 28 A Gayatri Nagar Sodala Bhagirath Public School, Jaipur, Rajasthan -302019
(2) Mr Vipul Bansal S/o Kedar Bansal 57, Shekhawati Mohalla, Bagru Jaipur, Rajasthan -303007
(3) Shri Kedar Bansal S/o Ratan Lal 57, Shekhawati Mohalla, Bagru Jaipur, Rajasthan -303007
(4) Smt Mamta Bansal W/o Shri Kedar Bansal 57, Shekhawati Mohalla, Bagru, Jaipur, Rajasthan -303007

SUMMONS

WHEREAS, OA/524/2023 was listed before Hon'ble Presiding Officer/Registrar on 16.08.2023. WHEREAS this Hon'ble Tribunal is pleased to issue summons/ notice on the said Application under section 19(4) of the Act, (OA) filed against you for recovery of debts of Rs. 2593149 (application along with copies of documents etc. annexed). In accordance with sub-section (4) of section 19 of the Act, you, the defendants are directed as under: (i) to show cause within thirty days of the service of summons as to wly relief prayed for should not be granted; (ii) to disclose particulars of properties or assets other than properties and assets specified by the applicant under serial number 3A of the original application; (iii) you are restrained from dealing with or disposing of secured assets or such other assets and properties disclosed under serial number 3A of the original application, pending hearing and disposal of the application for attachment of properties; (iv) you shall not transfer by way of sale, lease or otherwise, except in the ordinary course of his business any of the assets over which security interest is created and/ or other assets and properties specified or disclosed under serial number 3A of the original application without the prior approval of the Tribunal; (v) you shall be liable to account for the sale proceeds realised by sale of secured assets or other assets and properties in the ordinary course of business and deposit such sale proceeds in the account maintained with the bank or financial institutions holding security interest over such assets. You are also directed to file the written statement with a copy thereof furnished to the applicant and to appear before Registrar on 13.12.2023 at 10:30A.M. failing which the application shall be heard and decided in your absence. Given under my hand and seal of this Tribunal on this date: 22.08.2023

SEAL

Signature of the Officer Authorised to issue summons.
REGISTRAR
DEBTS RECOVERY TRIBUNAL, JAIPUR

युवक की हत्या की फिराक में घूम रहा बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़ा

दो वर्ष पूर्व हुए झगड़े का बदला लेने के लिए बनाई थी हत्या की योजना

जयपुर (कासं)। मालपुरा गेट थाना पुलिस ने ऑपरेशन 'आग' के तहत कार्रवाई करते हुए एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी बदले की नियत से हत्या करने जा रहा था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

डीसीपी (पूर्व) ज्ञानचन्द यादव ने बताया कि जयपुर शहर में अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ आपरेशन 'आग' चला रखा है। मालपुरा गेट थाना पुलिस ने मुखबिर से सूचना

- **पुलिस ने आरोपी के कब्जे से देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए**

मिलने के बाद कादरी गेट कोतवाली घुमना फर्रूखाबाद हाल नामदेव चौक अजय मीना का मकान सांगानेर निवासी अवनीश कश्यप को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके पास से अवैध हथियार देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए। पुलिस ने उनके पास से देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद कर लिए।

थानाप्रभारी मदनलाल कड़वासरा ने बताया कि आरोपी अवनीश ने बताया कि करीब दो साल पहले उसका झगड़ा ऋषि नामक व्यक्ति के साथ हुआ था। जिसने उसके साथ मारपीट कर चाकू लगा दिया था। उसी दिन से उसने ठान लिया था कि ऋषि को उसे मारना ही है। क्योकि दोस्तों और समाज में उसकी छवि खराब हो गई थी।

जिसके लिए उसने यूपी जाकर हथियार खरीदकर लाया तथा आज उसे मार देता इससे पहले पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि उसने हथियार कितने रुपए

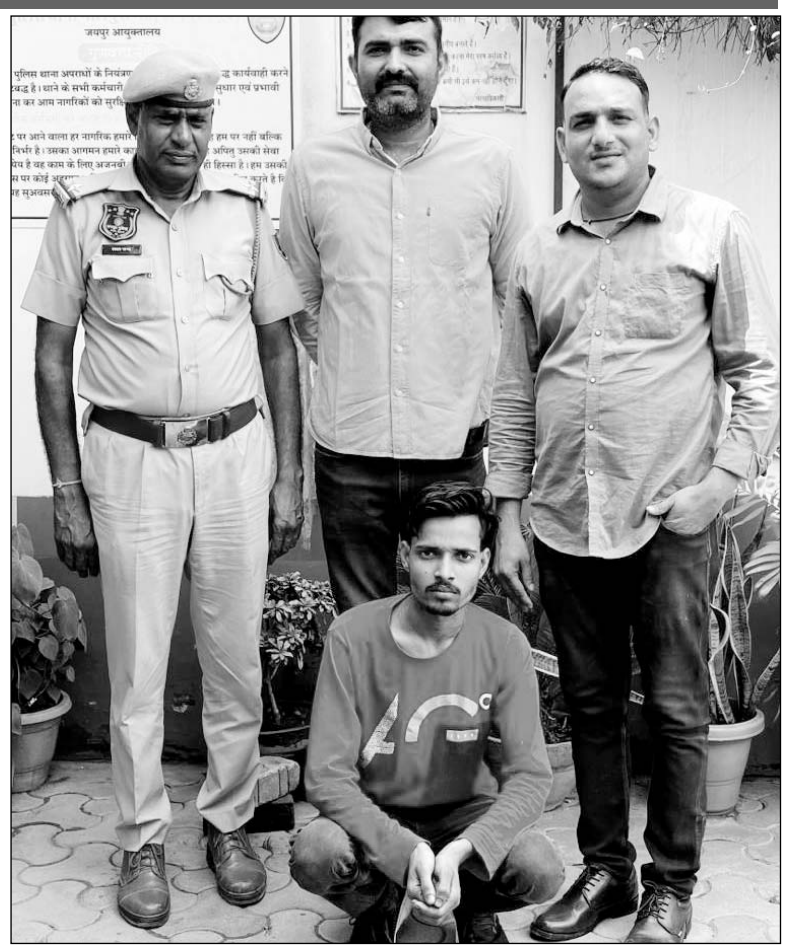

मालपुरा गेट थाना पुलिस ने एक शातिर बदमाश को हथियार समेत गिरफ्तार किया।

में खरीदा था और इस दौरान उसने कितनी वारदातों को अंजाम दिया। इस पूरे मामले में हैड कांस्टेबल दशरथ और कांस्टेबल ओमप्रकाश डोबर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गांव-गांव जाकर सेवा की अलख जगाने का संकल्प

शांतिकुंज हरिद्वार में गायत्री परिवार से जुड़े राजस्थान के कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ।

जयपुर (कासं)। शांतिकुंज हरिद्वार में हाल ही में संपन्न हुए राजस्थान के पूर्ण समयदानी कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने राजस्थान के गांव-गांव जाकर प्रज्ञा मंडल, युवा मंडल और महिला मंडल का गठन कर समाज के प्रत्येक वर्ग को सभ्य और सुसंस्कृत बनाने के कई कार्यक्रम संचालित करने का संकल्प लिया।

प्रशिक्षण शिविर में जयपुर, अलवर, राजसमंद, बारां, भीलवाड़ा, जोधपुर सहित राजस्थान के सभी जिलों के करीब 400 से अधिक पूर्ण समयदानी परिव्राजक भाई बहिन उपस्थित रहे। शांतिकुंज में राजस्थान जोन के समन्वयक जयसिंह यादव ने कहा कि राजस्थान को गायत्रीमय करने का समय आ गया है। इसके लिए हमें गांव-गांव जाना होगा। वहां प्रज्ञा मंडल, युवा मंडल और महिला मंडल का गठन करना होगा। ये मंडल स्थानीय लोगों को साथ लेकर समाज के प्रत्येक वर्ग को सभ्य और सुसंस्कृत बनाने के लिए यज्ञ, संस्कार, रैली, युवा सम्मेलन, महिला सम्मेलन, पौधरोपण, नशा मुक्ति रैली सहित अनेक गतिविधियां संचालित करनी होगी। गायत्री परिवार राजस्थान जोन के प्रभारी ओमप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि सभी को अपना अहंकार गलाकर और अपनत्व का विस्तार करते हुए मिशनरी भाव से कार्य करना होगा। जयपुर से जयपुर उप जोन समन्वयक सुशील शर्मा, गायत्री शक्तिपीठ के व्यवस्थापक सोहन लाल शर्मा, सह व्यवस्थापक मणिशंकर चौधरी, गायत्री शक्तिपीठ कालवाड के ट्रस्टी प्रहलाद शर्मा डॉ. प्रशांत भारद्वाज सहित अनेक पूर्ण समयदानी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस मौके पर देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा है कि यह समय विषय परिस्थितियों से गुजर रहा है। एक ओर विनाशकारी अंधेरा दिख रहा है, तो वहीं दूसरी ओर भगवान महाकाल के सृजन सैनिक समाज को प्रकाशित करने में जुटे दिखाई दे रहे हैं। यह समय भारतीय अध्यात्म के प्रतिनिधि बनकर समाज और विश्व को नई देने का सुनहरा अवसर है। व्यवस्थापक महेन्द्र शर्मा ने समाज के नवनिर्माण की तैयारी में जुटने का आव्हान किया।

सार-समाचार

'डॉग शो' को लेकर आपत्ति जताई

जयपुर। स्थानीय स्वायत्त शासन निदेशक ने हाल ही में एक पत्र जारी कर जयपुर में 30 सितम्बर को दशहरा मैदान में प्रस्तावित डॉग शो में पंजीकरण शिविर आयोजित करने के लिए (पशु संरक्षण एवं कल्याण सोसायटी) के प्रति अपना समर्थन दिया है। यह जानकारी देते हुए जयपुर फॉर एनिमल्स वेलफेयर नेटवर्क की सदस्य मरियम अबूहैदरी ने पंजीकरण से पहले पालतू कुत्तों की नसबंदी की पूर्व शर्त को मनमाने ढंग से हटाने के संबंध में स्वायत्त शासन विभाग के निर्देशों पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि विभाग द्वारा पीएडब्ल्यूएस को दिए गए अनुमति पत्र के अनुसार अब नसबंदी के बिना पंजीकरण प्रमाणपत्र चाहने वाले प्रजनकों द्वारा इस छूट के संभावित शोषण के बारे में चिंता जताई है। पशु प्रेमी समुदाय को जानकारी होनी चाहिए कि पालतू कुत्तों का पंजीकरण अनिवार्य है और कुत्ते के स्वामित्व को सुविधाजनक बनाने का एक तरीका है। परन्तु प्रस्तावित शो को अत्यधिक छूट देने वाले परिपत्र ने पशु कार्यकर्ता समुदाय के भीतर चिंताएं बढ़ा दी हैं। अबू हैदरी का कहना है कि विभागीय कार्यालय ने शुरुआत में एक पत्र जारी कर 30 सितंबर को दशहरा मैदान में होने वाले डॉग शो के दौरान कुत्तों के पंजीकरण के लिए नसबंदी की शर्त को पूरी तरह से हटा दिया था। हमने तुरंत पत्र और मौखिक रूप से अपनी आपत्तियां व्यक्त कीं, कई दौरे किए और अनुस्मारक भेजे। हालाँकि, बाद में जारी किया गया संशोधित पत्र कोई विशेष राहत प्रदान नहीं करता है जो हम जानवरों की भलाई के लिए चाह रहे थे।

शातिर वाहन चोर पकड़ा, बाइक बरामद

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट की सीएसटी टीम ने शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की बाइक बरामद की है। आरोपी ऑनलाइन ओएलएक्स साइट पर वाहन को देखकर चोरी का प्लान बनाता है। पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि जयपुर शहर में बढ़ रही वाहन चोरी की वारदात को देखते हुए एडिशनल कमिश्नर कैलाश चन्द विश्नोई के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया। टीम ने कार्रवाई करते हुए शातिर वाहन सलमान चोर लश्कर ग्वालियर मध्यप्रदेश हाल संजय नगर भट्टा बस्ती का रहने वाला है। आरोपी ओएलएक्स साइट पर वाहन को देखकर चोरी का प्लान बनाया था और वाहन स्वामी को अजमेरी गेट बुलाकर मौका मिलते ही वाहन चोरी करके ले गया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी मौज मस्ती के लिए वाहन चोरी का काम करता है। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि वाहन चुराने के बाद वह किन लोगों को बेचा करता है। पुलिस का मानना है कि आरोपी से और भी वारदात का खुलासा हो सकता है।

ठाकुरजी के अनंत रूप की होगी अर्चना

जयपुर। अनंत चतुर्दशी गुरुवार को मनाई जाएगी। मंदिरों में श्री हरि विष्णु के अनंत रूप की पूजा-अर्चना की जाएगी। अनंत चतुर्दशी को जगत के पालनहार श्री हरि की पूजा की जाएगी। इस दिन संकल्प लेकर अनंत सूत्र बांधने का विधान है। अनंत सूत्र को रेशम की डोरी से बनाया जाता है। इसमें हल्दी या केसर से रंग कर चौदह गांठ लगाई जाती है। प्रत्येक गांठ लगाते समय भगवान विष्णु के नाम का जाप करना चाहिए। अनंत चतुर्दशी के दिन इस धागे को बांधने से घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। गणेश चतुर्थी को पूजा पांडालों में स्थापित किए गए गणेशजी की प्रतिमाओं का शोभायात्रा के साथ विसर्जन किया जाएगा। ज्योतिषाचार्य डॉ. महेन्द्र मिश्रा ने बताया कि गणेशजी का पंचामृत अभिषेक कर शुद्ध जल से स्नान कराएं।

'आंदोलन की राह पर उतरेंगे नर्सेज'

राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति की ओर से बुधवार को आंदोलन की रूपरेखा तय करने के लिए बैठक आयोजित हुई।

जयपुर (कासं)। राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति ने बुधवार को आपात बैठक बुलाकर पुनः आंदोलन करने का निर्णय लिया है। इसका प्रमुख कारण है कि राज्य सरकार द्वारा नर्सेज के आंदोलन के उपरांत मांगे नहीं मानना है। अब 29 सितंबर को राजस्थान के समस्त नर्सेज राज्यभर में "वादा निभाओ दिवस" मनाएंगे। जिसके तहत सभी चिकित्सा संस्थानों में प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर नर्सेज की मांगों पर शीघ्र करवाई करने के लिए आग्रह करेंगे। साथ ही जयपुर में अनशन शुरू किया जाएगा। इसके बाद 2 अक्टूबर गांधी जयंती के दिन सभी नर्सेज एक दिन का सामूहिक अनशन करेंगे तथा महात्मा गांधी की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन करेंगे। बैठक में प्यारे लाल चौधरी, राजेंद्र राणा, नरेंद्र सिंह शेखावत, भूदेव धाकड़, पुरषोत्तम कुम्भज, पवन मीणा, प्रीति रामदेव, कैलाश शर्मा, रामवीर सोलंकी, धन्ना राम नैन और राधेश्याम दायमा मौजूद थे।

टैरो रीडर गीतेश मित्तल का सम्मान

जयपुर (कासं)। ज्योतिष एवं वास्तु विज्ञान की दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में टैरो रीडर गीतेश मित्तल को टैरो रीडिंग, रेकी हीलिंग, न्यूमरोलॉजी और बेस्ट काउंसलिंग के लिए वेदामृतम ज्योतिष संस्थान द्वारा सम्मानित किया गया।

जवाहर कला केन्द्र में होगा मल्हार उत्सव

जयपुर, (का.सं.)। उस्ताद इमामुद्दीन खान डागर इंडियन म्यूजिक आर्ट एंड कल्चर सोसाइटी, संस्कृति मंत्रालय,भारत सरकार, संगीत नाटक अकादमी व जवाहर कला केंद्र के सह तत्वाधान में आयोजित पांच दिवसीय मल्हार उत्सव का आयोजन जवाहर कला केंद्र के रंगायन व कृष्णायन सभागार में एक से पांच अक्टूबर तक किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक शबाना डागर ने बताया महोत्सव में जयपुर व देश के विभिन्न हिस्सों आए लगभग पचास कलाकार व संगीतविद हिस्सा लेंगे। मल्हार उत्सव में प्रस्तुति देने वाले कुछ प्रमुख कलाकार पद्मविभूषण व ग्रैमी अवार्ड सम्मानित पंडित विश्वमोहन भट्ट,संगीत नाटक अकादमी अवार्ड से सम्मानित तबला व सितार वादक पंडित नयन घोष , पद्मश्री उस्ताद वसीफुद्दीन डागर, विख्यात तबला वादक उस्ताद तौफीक कुरैशी, विदुषी सुनंदा शर्मा, वरिष्ठ संतूर वादक पद्मश्री पंडित सतीश व्यास, व विदुषी रमा रंगनाथन है।

आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ 3 अक्टूबर से करेगा अनशन

जयपुर । राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ 3 अक्टूबर से कर्मिक अनशन करेगा। प्रदेशाध्यक्ष दशरथ कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष भगवती प्रसाद उपाध्यक्ष पंकज गर्ग प्रदेश महामंत्री प्रदीप शर्मा संघर्ष समिति के संयोजक रमेशचन्द शर्मा के नेतृत्व में लगातार 14 वें दिन भी प्रदेशभर कार्यालयों में नारेबाजी कर विरोध-प्रदर्शन किया गया। महामंत्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा मण्डल से गलत तरीके से 1 हजार करोड़ रु. लिये जा रहे है, वर्तमान में मण्डल की 2700 करोड़ रु. देनदारियां है, और मण्डल कोष में मात्र 1500 करोड़ रूपये है। सरकार का यह निर्णय हम सहन नहीं करेंगे।

तिलक लगाकर किया पर्यटकों का स्वागत

जयपुर (कासं)। विश्व पर्यटन दिवस पर बुधवार को राजधानी के पर्यटन स्थलों व संग्रहालयों पर देशी-विदेशी सैलानियों का राजस्थानी परंपरानुसार स्वागत सत्कार किया गया। पर्यटकों का तिलक लगाकर और माला पहनाकर स्वागत किया गया।

पर्यटन स्थलों पर लोगों को निशुल्क प्रवेश दिया गया। वहीं परकोटे में सुबह हेरिटेज वॉक-वे का आयोजन किया गया। शहर के आमेर महल, हवा महल, जंतर मंतर सहित सभी पर्यटन स्थलों पर राजस्थानी लोकरंग की छटा बिखरी रही है। आमेर महल अधीक्षक पंकज धरेन्द्र ने बताया कि विश्व पर्यटन दिवस पर बुधवार को आमेर महल में सुबह से ही पर्यटकों का तिलक लगाकर और माला पहनाकर स्वागत सत्कार किया गया। महल में लोक-कलाकार अपनी प्रस्तुति दी गई। जिनके साथ देशी-विदेशी सैलानी भी नाचते नजर आए। सुबह से ही यहां पर्यटकों की भीड़ नजर आईं।

राजकीय संग्रहालय हवामहल जयपुर अधीक्षक सरोजनी चंचलानी ने बताया कि विश्व पर्यटन दिवस के मौके पर देशी-विदेशी पावणों का हवा महल के सामने राजस्थानी अंदाज़ में स्वागत किया गया। हवामहल में पर्यटकों के स्वागत के लिए प्रवेश द्वार पर रंगोली बनाई गई। पर्यटन विभाग के सहयोग से शहनाई वादन कार्यक्रम,बहरूपिया कलाकारों की ओर से कला-पदर्शन किया गया और मांगनियार लोककलारों की ओर से कच्छी घोडी नृत्य व लोकगीतों की प्रस्तुती दी गई। मुगल और राजपूत वास्तुकला के मिश्रण और गुलाबी पत्थरों से बनी यह इमारत पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है।

हृदय रोग से बचाव पर चर्चा करेंगे देशभर के नामी विशेषज्ञ

कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के राजस्थान चैप्टर की ओर से जयपुर में होगी नेशनल कांफ्रेंस

एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राजीव बगरहट्टा, सीनियर प्रोफेसर डॉ. एस.एम. शर्मा और साइंटिफिक चेयरमैन डॉ. राजीव गुप्ता ने बुधवार को प्रेस वार्ता कर जयपुर में होने वाली कॉफ्रेंस की जानकारी दी।

जयपुर । दुनिया में होने वाली मौतों में सबसे बड़ा कारण कार्डियोवैस्कुलर डिजीज़ है। दुनिया में अकेले इस बीमारी से हर साल 1.70 करोड़ लोगों की मौत होती है, इसीलिए इनके इलाज के साथ-साथ बचाव पर भी ध्यान दिया जा रहा है। हृदय रोगों के बचाव पर चर्चा करने के लिए जयपुर में कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया की राजस्थान शाखा की ओर से आगामी 30 सितंबर और 1 अक्टूबर को नेशनल कॉन्फ्रेंस 5वीं सीएसआई कार्डियक प्रिवेंट 2023 आयोजित की जा रही है, जिसमें अलग-अलग राज्यों से 700 से अधिक कार्डियोलॉजिस्ट शामिल होंगे। कॉन्फ्रेंस के आयोजकों ने शुक्रवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज में हुई प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी।

कांफ्रेंस के आर्गनाइजिंग चेयरमैन व सीनियर प्रोफेसर डॉ. एस.एम. शर्मा ने बताया कि, होटल मैरियट में आयोजित इस कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन राज्यपाल कलराज मिश्र करेंगे। वहीं गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में सुप्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. समीन शर्मा शामिल होंगे। आयोजन सचिव डॉ. दीपक माहेश्वरी ने बताया कि दो दिनों में कि अब हृदय रोग के इलाज के साथ ही इससे बचाव भी आवश्यक हो गया है। बीमारी को होने और बढ़ने से रोकने पर भी ध्यान देने के ऊपर कई रिसर्च की जा रही हैं। इससे जुड़ी जानकारी कांफ्रेंस में साझा की जाएंगी। ट्रेजरार डॉ. गौरव सिंघल ने कहा कि इस दौरान लाइफ स्टाइल, बीपी, शुगर से होने वाली हार्ट डिजीज के साथ साथ हार्ट की विभिन्न जटिलताओं व उनके नवीनतम उपचार पर चर्चा होगी। कॉन्फ्रेंस के साइंटिफिक चेयरमैन डॉ. राजीव गुप्ता और एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राजीव बगरहट्टा ने जानकारी दी कि विभिन्न सत्रों में हृदय रोगों से संबंधित नए शोधों पर पत्रवाचन, स्ट्रक्चरल हार्ट डिजीज, हार्ट फैलियर, कोलेस्ट्रोल रिस्क, रूमेटिक हार्ट डिजीज, सीएडी, आरएचडी, अरद्यिया आदि पर व्याख्यान होंगे।

जॉइंट आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. सुनील शर्मा और डॉ. दिनेश गौतम ने बताया कि इस दौरान कुछ प्रेजेंटेशन भी दिए जाएंगे जिसमें एक्सपर्ट पैनल द्वारा चर्चा की जाएगी। कॉन्फ्रेंस में चार इंटरनेशनल फैकल्टी भी आएगी। इनमें यूके से प्रो. नील पोल्टर, न्यूयॉर्क से प्रो. रॉबर्ट एस. रोजेंसन, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से प्रो. पीसी डीडवानिया और यूएसए से प्रो. संजीव गुप्ता रहेंगे।

शील धाबाई ने जे.डी.ए. आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

अजमेर रोड पर हीरापुरा स्थित रजनी विहार कॉलोनी के दशहरा मैदान पार्क पर 33/11 केवी जीएसएस निर्माण कार्य को निरस्त करने की मांग को लेकर बुधवार को पूर्व महापौर शील धाबाई ने बुधवार को जेडीए कमिश्नर डॉ. जोगाराम से मुलाकात की। जिस पर आयुक्त ने जल्द से जल्द नियमानुसार कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

सफाई कर्मचारियों के उत्थान पर मंथन

जयपुर (कासं)। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की उपाध्यक्षा अंजना पंवार ने कहा कि समाज की अंतिम पंक्ति के लोगों को समाज की मुख्य धारा से जोड़कर उनके जीवन स्तर में सुधार बेहद आवश्यक है। उन्होंने सफाई कर्मचारियों तथा उनके आश्रितों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिणक जीवन स्तर सुधारने और उनके पुर्नावास के लिए स्वरोजगार योजना की समीक्षा की।

पंवार बुधवार को रोडवेज मुख्यालय पर सफाई कर्मचारियों के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। उन्होंने कर्मचारी व अधिकारियों को एक दूसरे के पूरक बताते हुए कर्मचारियों के सामाजिक व आर्थिक विकास के लिये मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश दिये। उन्होंने सफाई कर्मचारियों से वार्ता कर उन्हें मिल रहे वेतन, भत्ते और अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली तथा सफाई कर्मचारियों के लम्बित अनुकम्पा नियुक्ति, पेंशन एवं अन्य मामलों को प्राथमिकता से निस्तारण हेतु निर्देश प्रदान किये।

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की उपाध्यक्ष ने रोडवेज में सफाई

रोडवेज मुख्यालय में बुधवार को राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग उपाध्यक्षा अंजना पंवार ने बैठक ली।

कर्मचारियों की नियमित भर्तियों एवं सफाई कर्मचारी की मौत के बाद आश्रित को बिना शर्त और शैक्षिणक योग्यता की बाध्यता के अनुकम्पा नियुक्ति देने की सिफारिश की। उन्होंने बैठक में संवेदको को सफाई कर्मचारी के लिये नियमित स्वास्थ्य जांच कैम्प लगवाने, कर्मचारियों को मौसम के अनरूप यूनिफार्म, मास्क और साफ-सफाई से सम्बन्धित उपकरण, अद्तन सूचनाओं सहित परिचय पत्र उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। बैठक में रोडवेज के प्रबन्ध निदेशक नथमल डिडेल ने उपाध्यक्ष महोदया को रोडवेज में सफाई कर्मचारियों के स्थिति एवं उनके संरक्षण और उत्थान के लिए किये जा रहे कार्यो और राज्य सरकार की योजनाओं से अवगत करवाया।

इससे पूर्व पंवार ने निगम के अधिकारियों के साथ केन्द्रीय बस स्टैण्ड सिन्धीकैम्प, जयपुर का निरीक्षण कर वहां मौजूद सफाई कर्मचारियों से संवाद कर उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। उन्होने ठेकेदारों को नियमित रूप से कर्मचारियों के खाते में ईएसआई, पीएफ फंड जमा करवाने, पहचान पत्र जारी करने, सुलभ शौचालयों की साफ सफाई एवं ढक्कनयुक्त कचरा-पात्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर निगम की कार्यकारी निदेशक (प्रशासन) अनीता मीना, कर्मचारी संघो से जुड़े पदाधिकारी सफाई कर्मचारियों के संवेदक और बड़ी संख्या में निगम और आगारों के सफाई कर्मचारी मौजूद रहें।

श्री श्याम युवा मंडल समिति का रजत जयंती महोत्सव कल से

जयपुर । श्री श्याम युवा मंडल समिति शास्त्रीनगर का 25वां रजत जयंती वार्षिकोत्सव सेक्टर पांच हाउसिंग बोर्ड स्थित श्री श्याम मंदिर में 29-30 सितंबर को मनाया जाएगा।

समिति के संस्थापक पीयूषयाणि चतुर्वेदी ने बताया कि शुक्रवार 29 सितंबर को शाम 4 बजे शास्त्रीनगर थाना स्थित श्री बिल्वेश्वर महादेव मंदिर से गाजे बाजे के साथ कलशयात्रा निकाली जाएगी। इसमें 251 महिलाएं गुलाबी रंग की साड़ी में सिर पर कलश लेकर मंगल गीत गाती हुई शामिल होंगी। कलश यात्रा के संयोजक कुंदनलाल चतुर्वेदी ने बताया कि गढ़ गणेश मंदिर के महंत प्रदीप औदीच्य एवं घाट के बालाजी मंदिर के स्वामी सुदर्शनाचार्य पूजा-अर्चना कर कलशयात्रा को रवाना करेंगे। कलश शोभायात्रा में श्रृंगारित रथ में श्याम प्रभु, भगवान गणपति एवं हनुमानजी महाराज की चित्रमय झांकी पावन अखंड ज्योत के साथ विराजित होगी। बेरिया बस्ती रोड, पीएंडटी चौराहा, सर्वेश्वर धाम मंदिर, ओम शिव कॉलोनी होती कलशयात्रा आयोजन स्थल श्री श्याम मंदिर पहुंचेगी। यहां गलता पीठाधीश्वर अवधेशाचार्य महाराज कलशों की आरती उतारेंगे। समिति के अध्यक्ष सुरेश खंडेलवाल और महामंत्री सुरेश शर्मा ने बताया कि 30 सितंबर को अपराह्न चार बजे श्री श्याम प्रभु की पूजा-अर्चना और खाटू से लाई अखंड ज्योत के प्रज्ज्वलन के साथ भजनामृत गंगा का शुभारंभ किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि गत 24 वर्षों से यह आयोजन राष्ट्रपति मैदान में हो रहा था। किंतु वहां पर्याप्त सुविधाजन स्थान नहीं होने के कारण इस बार यह कार्यक्रम श्याम मंदिर में करना तय किया है। समिति के संरक्षक सुरेश पाटोदिया, रामरतन नीरव, एन सी लुनायच, शंकर लाल अग्रवाल, महेश शर्मा, मुख्य संयोजक राममनोहर शर्मा ने आयोजन के पोस्टर का विमोचन किया। भजन संध्या में राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त भजन गायक कुमार नरेन्द्र, राजू बावरा के साथ स्थानीय भजन गायक रमेश चौधरी, कुमार गिर्राज, नवीन शर्मा, प्रमोद त्रिपाठी, कोमल शर्मा, लोकेश शर्मा, अमित नामा, मनोज शर्मा शामिल होंगे।

ARBiT
it happens here...

World Maritime Day

Many people do not realize that more than 80% of the world's global trade is transported through international shipping. That means that most of the consumer goods that enter business and homes all over the world were shipped to get there. As the most affordable and efficient form of transportation for goods, maritime activity continues to be a vital part of the world's trade industry.Connecting markets across the world — from container ships to tankers, this vital industry keeps goods flowing and economies growing.

राष्ट्रदूत
THURSDAY
28 September 2023
A-B

#GLOBAL-WARMING

Arctic loses ice nearly twice India's size

As ice growth in the Arctic reached a record low, the melting of ice in the Antarctic is going towards historic highs.

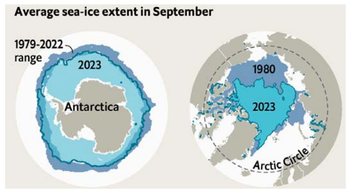

Antarctic sea ice reached its lowest maximum extent on record on September 10 at a time when the ice cover should have been growing at a much faster pace during the darkest and coldest months, shows a new study using satellite data. In the meanwhile, Arctic sea ice reached its annual minimum extent on September 19, making it the sixth-lowest year in satellite records.

The period between June and September usually represents summer in the Arctic Circle and winter in the Antarctic Circle.

To track sea ice extent, researchers at NASA's National Snow and Ice Data Center (NSIDC) use satellites to measure sea ice as it melts and refreezes. It is defined as the total area of the ocean in which the ice cover is at least 15 per cent.

In the period between March and September this year, Arctic ice cover shrank from a peak of 14.6 million square kilometres to 4.23 million square kilometres. That figure is around 1.99 million square kilometres below the average minimum of 6.22 million square kilometres recorded between 1981 and 2010. To put that into perspective, the amount of sea ice lost was nearly enough to cover the land area of India twice.

Around Antarctica, sea ice reached its lowest maximum winter extent on September 10 at 16.96 million square kilometres. This is 1.03 million square kilometres below its previous record-low in 1986.

According to Walt Meier, a sea ice scientist at NSIDC, these changes are a decades-long response to warming temperatures. Satellite records for sea ice began in 1979. Since then, not only has it been declining in the Arctic, but it has also been getting younger. Spring melting starts earlier, and autumn-freezes start much later, meaning that melting seasons are much lower.

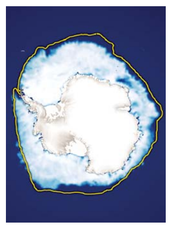

On average, the freeze-up is happening about a week later per decade. Or about one month later than 1979, overall.

The paltry growth of Antarctic sea ice during the region's winter is also cause for concern. This could be caused by a variety of factors like El Nino, wind patterns and warming ocean temperatures. The record low seen this year is a continuation of a downward trend that started after a record high in 2014. Until 2014, the ice surrounding the continent was increasing slightly by about one per cent every decade.

Immigrant ducks fill Keoladeo lakes during winter. Photo: Chhote Khan

Alert flock of Lesser Whistling Teals.

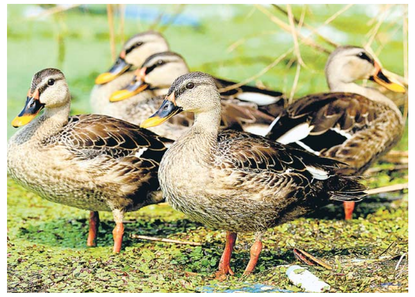

Spotbill ducks.

Painted Storks Feeding on fishes

World famed Heronry at Keoladeo National Park.

In February 1976 as State Protocol Officer, I had the historic opportunity to make all arrangements for the all powerful PM Indira Gandhi and family scheduled to visit Ghana Sanctuary and Deeg Palaces. Mrs. Gandhi stayed in the newly constructed ITDC Lodge along with her entire family comprising her sons Rajiv, Sanjay with their wives and both the grand children Rahul and Priyanka. Herdeo Joshi, the then Chief Minister of Rajasthan stayed at Shanti Kutir Forest Rest House. Early morning before dawn, we were witness to Shri VS Saxena Ex-DFO Bharatpur on driver's seat of the station wagon kind of a vehicle and Padma Vibhushan recipient the great ornithologist and naturalist Dr Salim Ali, popularly known as 'Birdman of India', standing behind Mrs. Gandhi as her guide. Mr. Joshi was a mute spectator from the roof top of Shanti Kutir like us. Apart from the sanctuary personnel, much to the disappointment of her own Party's leaders of the region, no one was allowed to be seen roaming around in the sanctuary through out the Prime Minister's visit.

When Mrs. Gandhi Visited Paradise

#GHANA NATIONAL PARK

IC Srivastava
IAS (Retd) and former Barmer District Magistrate (1970-72)

Memory clearly recalls early winter days in November of 1968 when Deputy Conservator of Forest, Bharatpur Shri VS Saxena invited me to visit Paradise of Birds in Ghana Sanctuary, after I had settled down to my first independent charge of SDO/SDM Bharatpur as IAS Officer.

Though main breeding season of the 13 piscivorous birds was over yet some late breeders from painted storks, the most fascinating one among these colony breeders, were hanging on the nests with their chicks, while others were busy in training their grownup young ones to catch fishes from the wide spread lakes of this wonderland.

Several species of emergent vegetation had created green prairies in various patches over these lakes, providing perches to egrets and herons while the jet black pan kauvas (cormorants) were displaying their swimming talent in open waters. They have developed a unique technique of fishing through surrounding and trapping them in a corner and then devour. The large cormorant, as big as a duck in size works like a killing machine while fishing.

This bird sanctuary working as a central station on the Central Asian flyway for migratory birds, attracts thousands and thousands of ducks, geese and cranes every winter. By this time lakes were full of these charming winged creatures on visit to this magic land, taking trans- Himalayan arduous journey of over 5000 kilometers.

Thousands of painted storks and hundreds of other species including geese, herons, coots, ducks etc. had made nests in trees standing in 2-3 feet of water in their wintry sojourn.

Mesmerizing sights of nesting and gliding birds all the way up to Keoladeo temple were a feast to the eye. A newly wedded person in me looked forward to taking out to Ghana my wife Archana who was studying in MSC Final at Kanpur. In Christmas Vacation, Archana, a Botany student, showed keen interest in observing both flora and fauna of Ghana on her very first outing. Finally, she joined the family after appearing at MSC Final Examination exams in summer of 1969. But summer outings in Ghana were few and far between.

With the arrival of winter we had frequent outings on our small two light wheeler mobike. A sudden weekend trip added another story to our kitty. Mr JK Sharma ADM invited both of us to Maharaja's Kothi Kadamb Kunj in the interior of Ghana. In hush tone we quietly sat on the edge of small bund also locally called ' bundliy' jn Hindi. Lo and behold! Our eyes caught a glimpse of 60-70 Siberian Cranes, snow white feathered with typical red beak and face.all huddled up together, from a distance of 50-60 metres and we snapped them in the old time black and white camera. Such a large number of rare Siberian Cranes were never witnessed again in our umpteen visits to our very own Ghana as it was locally and colloquially called.

After my posting on promotion as Collector and DM Barmer in December 1970 and facing numerous challenges of historic Indo-Pak War in December 1971, I returned to Jaipur but was posted out to Banswara as Director, Kadana and Mahi Rehabilitation Project and after witnessing agreement there to reached at the level of CM H D Joshi with Gujarat in the presence of the then Irrigation Minister GOI Shri Jagjivan Ram in Parliament, I was transferred back to Jaipur as Dy. secretary, GAD and Cabinet in July 1975 in the middle of Emergency .

We had several trips to Ghana and enjoyed the Birds' heaven in its different moods, till I got transferred from here but luck brought me again to this paradise.

In February 1976 as State Protocol Officer, I had the historic opportunity to make all arrangements for the all powerful PM Indira Gandhi and family scheduled to visit Ghana Sanctuary and Deeg Palaces. Mrs. Gandhi stayed in the newly constructed ITDC Lodge along with her entire family comprising her sons Rajiv, Sanjay with their wives and both the grand children Rahul and Priyanka.

Hari Dev Joshi, the then Chief Minister of Rajasthan stayed at Shanti Kutir Forest Rest House.

Early morning before dawn, we were witness to Shri VS Saxena Ex-DFO Bharatpur on driver's seat of the station wagon kind of a vehicle and Padma Vibhushan recipient the great ornithologist and naturalist Dr Salim Ali, popularly known as 'Birdman of India', standing behind Mrs. Gandhi as her guide. Mr. Joshi was a mute spectator from the roof top of Shanti Kutir like us.

Apart from the sanctuary personnel, much to the disappointment of her own Party's leaders of the region, no one was allowed to be seen roaming around in the sanctuary throughout the Prime Minister's visit.

The party also availed the boat ride after breakfast. The Prime Minister in particular showed great interest in the Siberian Cranes as well as other migratory and heronry birds.

With Salim Ali she had an excellent guided tour as her face beamed with joy even as myriad problems posed varied challenges in the ongoing Emergency.

She wrote in the visitor's book, 'A delightful and peaceful experience, made enjoyable and interesting by having Shri Salim Ali with us. I hope some thing will be done about the arterial road, which brings buses and noise in to the middle of the sanctuary.'

It was her visit that paved the way for the closure of the arterial road passing through the heart of the sanctuary, for all kinds of traffic except with the permission of the sanctuary management.

The afternoon trip to Deeg Palaces with family members accompanying Mrs. Gandhi was followed by high tea and snacks personally supervised by Kashmiri Shri VN Kak, Chairman Hotel Corporation and served in the courtyard along the main Palace overlooking lake waters in the backdrop. As I walked along just to oversee arrangements, I thought of politely addressing Rajiv ji as a gesture of courtesy but I refrained from doing so as it might be intrusive to their privacy.

In the evening before dinner, two large paintings were presented to Mrs. Gandhi by CM Joshi. We were also witness to the occasion.

Mrs. Gandhi directed that apparently ugly looking Facilities newly built between ITDC lodge and Shanti Kutir road should be demolished. Orders were complied with even though it caused immediate inconvenience to public and staff.

Ghagghar Nali River named as such gushing from Otu head in Haryana. Supervising rescue and relief operations in Hanumangarh town along riverside we reached border Bhed Tal in Pakistan covering Gharsana Tehsil area on way.

As if to confirm my deep rooted connection with Ghana , merely 6 months later I was posted back to Bharatpur transferred as Collector & DM to Bharatpur in August 1977 only to face unprecedented floods of three rivers namely Banganga from Jaipur, Gambhiri from Sawaimadhopur and Ruparel from Alwar side.

Shri Saini was a budding young Forest Officer and Deputy Director of Ghana Bird Sanctuary then in 1977.

Bharatpur faced severe and heavy flood and town was marooned with no train services for a month or so. I had arrived with family by the last train before the Deluge. Ghana too was flooded with Ajan bund overflowing for a day or so with Gambhiri River flowing furiously from Panchna Dam in Sawai Madhopur.

As flood receded time passed slowly and steadily with the healing balm of chirping of lakhs of birds with painted storks dominating the landscape with nesting and nurturing their young ones.

Shri Saini and team including robust Hukum Singh, boat in charge oozing confidence were encouraging tourists to go out in boats to enjoy sighting of storks, geese, herons, egrets, spoonbill, pochards, pintail, coot, teals, shoveller and Surkhab aka Brahmini ducks.

The pinnacle of Peram Anand came when my father in law Shri PC Saxsena,an IAS Officer and then Commissioner Rural Development in UP visited Mallah area talab in December 1977 filled to full capacity with Surkhab shining in the morning sunlight and their golden hue wings flapping with joy and filling us with unsurpassable joy -a once a life time experience.

Shri Saxena expressed his joy thus "Dinesh! (my nickname) Aisa Anand kabhi nahin mila or n kabhi milega. Kaise kahoon?"

I too was overwhelmed with joy embodied and we became emotional with words failing to express our consummate delight and feast to the eye.

My relationship with this birds paradise continued even after my transfer from here. With my posting at Jaipur as a concomitant of Secretary's job at State level one is required to visit District headquarters in connection with inspections or periodic meetings for various purposes. Thus I continued to visit Bharatpur with mandatory outing to Ghana Sanctuary as Secretary Tourism and Social welfare. But as Divisional commissioner Jaipur I more frequently toured districts including Bharatpur and Dholpur. Every visit had some new stories in our kitty with Snigdha and Palash, my children, making them more enjoyable and fruitful.

It was this time in 1990 that during one of my visits to Ghana I met Sunayan Sharma, a young dynamic forest officer. His knowledge was amazing about the entire eco system of this World famed reserve. It was his passion for nature that in 2006 when Ghana was dying for want of water and chocking of the lakes by the fast spreading weed Prosopis juliflora,popularly known as VilayatiBabool, he accepted the challenge of its revival as Director of the Park. He created new resources of water by taping flood waters of Chiksana canal and Govardhan Drain. Today these are lifelines to the Park. Prosopis juliflora shrubs to huge trees all were uprooted through people's participation, without spending a single penny from the Government exchequer. The joint World Heritage Centre/IUCN Mission much appreciated this innovative initiative in their report.

Revival of Ghana was hailed by birders World over and was a matter of special joy to us-as we were deeply passionate about this paradise.

However memories of 65-70 snow white Siberian Cranes in 1969 and of Brahmini ducks with golden Surkhab wings have lingered long to make life more joyful and worth living.

rajeshsharma1049@gmail.com

Early hours bird watching while boating in Keoladeo lakes is a heavenly bliss

In Fab 76 Mrs. Indira Gandhi visited Ghana with family. Shri Hardeo Joshi, then CM Raj, presenting a gift to Madam Sonia ji.

Mesmerizing sights of nesting and gliding birds all the way up to Keoladeo temple were a feast to the eye. A newly wedded person in me looked forward to taking out to Ghana my wife Archana who was studying in MSC Final at Kanpur. In Christmas Vacation, Archana, a Botany student, showed keen interest in observing both flora and fauna of Ghana on her very first outing.

As if to confirm my deep rooted connection with Ghana , merely 6 months later I was posted back to Bharatpur transferred as Collector & DM to Bharatpur in August 1977 only to face unprecedented floods of three rivers namely Banganga from Jaipur, Gambhiri from Sawaimadhopur and Ruparel from Alwar side. Shri Saini was a budding young Forest Officer and Deputy Director of Ghana Bird Sanctuary then in 1977.

Siberian Cranes,the most prized winter visitor to Keoladeo swamps.

THE WALL

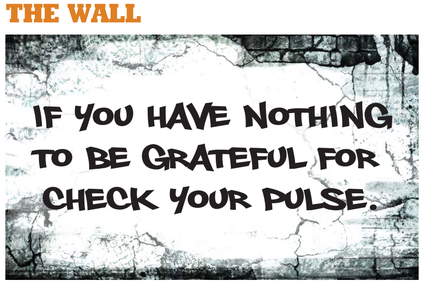

BABY BLUES By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS By Jerry Scott & Jim Borgman

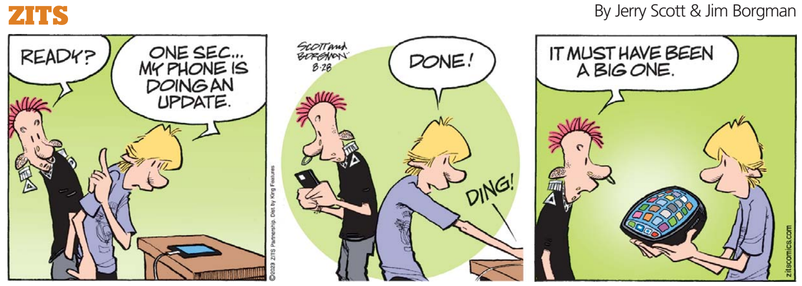

चोरी व नकबजनी की अन्तर्राज्यीय गैंग का खुलासा, पांच गिरफ्तार

बदमाशों ने पूछताछ में चोरी की 106 वारदातें कबूली

उदयपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान चोरी नकबजनी करने वाली अन्तर्राज्यीय गैंग का खुलासा करते हुए पांच जनों को गिरफ्तार किया। वहीं इनके कब्जे से चोरी किया तांबा व स्क्रैप जब्त किया है। बदमाशों ने मकानों, फैक्ट्रियों, ट्रांसफार्मरों, स्क्रेप चोरी की 106 वारदातें कबूली है।

जिला पुलिस अधीक्षक भूवनभूषण यादव ने बतायाकि शहर के बाहरी क्षैत्रो में चोरी व नकबजनी की बढ़ती वारदातें पर अंकुल लगाने के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंजीतसिंह, पुलिस उप अधीक्षक शिप्रा राजावत के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी हिमांशुसिंह राजावत, देवेन्द्रसिंह उप निरीक्षक प्रभारी डीएसटी के नेतृत्व में गठित दल ने किए गए तकनीकी अनुसंधान के दौरान विद्युत ट्रांसफार्मरों, सूने मकानों से, स्टील व स्क्रेप गोदामों से चोरी करने वाली गैंग के बदमाश माल बेचने के लिए पिकअप वाहन में लेकर डबोक से उदयपुर आने की सूचना मिली।

इस पर पुलिस दल ने नाकाबंदी कर वाहन को रोक उसमें सवार पांच व्यक्ति से पूछताछ की तो अपने नाम रोशनलाल पुत्र सुरजमल गुर्जर निवासी बखता का खेड़ा आसींद भीलवाड़ा, प्रेमलाल पुत्र गेहरीलाल कीर निवासी ज्योति भवन के पीछे डबोक, फतहसिंह पुत्र भंवरलाल

- **25 ट्रांसफामरों से चोरी किया तांबा व 1200 किलो स्क्रेप जब्त**

राजपुत निवासी मेडता कालीमगरी डबोक, शांतिलाल पुत्र भंवरलाल कालबेलिया निवासी भमरासिया थाना डबोक तथा सोहननाथ चौहान पुत्र जीवननाथ चौहान निवासी काजियावास नाथद्वारा राजसमन्द होना बताया।

वाहन की तलाशी में प्लास्टिक के तीन कट्टों में तांबे का स्क्रेप भरा पड़ा था। इस संबंध में पूछताछ करने पर कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। सख्ती से की गई पूछताछ में सभी ने उदयपुर, राजसमन्द, भीलवाड़ा तथा चित्तौड़गढ़ में अलग अलग स्थानो से ट्रांसफार्मरों से कॉपर चोरी, अलग अलग लोहे के कबाड गोदामों तथा मकानों के ताले तोड़ वारदातें करना स्वीकार किया।

आरोपियों के साथी अर्जुन सिंह व अर्जुन कीर फरार है जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस ने पिकअप वाहन व चोरी किया माल जब्त कर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। मामले में फरार अर्जुनसिंह व अर्जुन कीर का गुजरात से जुड़े है। पुलिस विभिन्न थानों मे दर्ज प्रकरणों तथा आरोपियों के बताए अनुसार मौका तस्दीक करने में जुटी है। आरोपियों ने उदयपुर, जिला, चित्तोड़गढ़, राजसमन्द तथा भीलवाड़ा में अलग अलग स्थानो से करीब 80 डीपी से कॉपर चोरी, 20 मकानों के ताले तोड़ कर सोने चांदी के आभूषण व नकदी चोरी, 15 कबाड के गोदामों से स्क्रेप चोरी करना स्वीकार किया।

प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि दिन में रैकी कर रात में सूने मकानों, गोदामों के ताले तोड़ कर वारदात करते थे। अर्जुनसिंह व सोहन सिंह लकड़ी से रस्सी बांध कर डीपी के तारों पर फैंक कर शॉर्ट सर्किट करवा कर लाईट बंद हो जाती। कुछ ही समय में में डीपी नीचे गिरा का कॉपर चुरा ले जाते जो अलग-अलग जगहों पर शांतिलाल के घर के पीछे बाड़े में इकठ्ठा करते तथा समय अनुसार बेच दिया करते थे।

अज्ञात की हत्या की वारदात का खुलासा, एक गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। तारागढ़ पहाड़ी के रास्ते पर जघन्य अज्ञात हत्या की वारदात का जिला पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट ने बताया कि मंगलवार को तारागढ़ जाने वाले रास्ते के पास अज्ञात व्यक्ति की हत्या कर शव को बोरे में डालकर पहाड़ियों में फेंकने की घटना सामने आई थी। आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए गठित की गई टीम द्वारा मौके पर डॉग स्कॉयड द्वारा मौके पर बिखरे खून के धब्बों से डॉग स्कॉयड के डॉग द्वारा बार-बार पास ही बनी झुग्गी झोपड़ी की तरफ बैठा मोहम्मद जावीर की तरफ जाना व उसके पास जाकर रुक जाना व संदिग्ध को बार बार सूंघने से शंका होने पर मोहम्मद जावीर को दस्तयाब कर गहनता से पूछताछ कर अनुसंधान किया गया। जिससे पूछताछ के दौरान रविवार की मध्य रात्री के समय आपस में कहा सुनी को लेकर गाली गलोच करने पर मृतक इस्लाम उर्फ इम्तेयाज को पास ही बनी दुकान की चबुतरी की पट्टी से दे मारा व गला दबाकर मार दिया।

- **तारागढ़ जाने वाले रास्ते के पास अज्ञात व्यक्ति की हत्या कर शव को बोरे में डालकर पहाड़ियों में फेंकने की घटना सामने आई थी**

तत्पश्चात आरोपी व उसका दूसरा साथी एक बाबा दोनों ने मिलकर मृतक की पत्थरों से मारपीट कर हत्या कर मृतक की लाश को दो प्लास्टिक के कट्टों में बांधकर तारागढ़ के रास्ते से पहाड़ी की ढलान में झाड़ियों में नीचे की तरफ फेंक दिया। धानास्तर पर गठित टीमों ने मृतक की पहचान के लिये आस पास के हजारों लोगों झुग्गी झोपड़ियों में रहने वालो को फोटो दिखाकर व मृतक की बनी झुग्गी झोपड़ी में मिले कागजात व दस्तावेजों से मृतक इस्लाम उर्फ इम्तेयाज पुत्र अब्दुल सतार निवासी सिपाह इब्राहिमाबाद मज उत्तरप्रदेश के रूप में पहचान हुई है जिसके वारिशान से सम्पर्क किया जा रहा है, मृतक के वारिसान आने पर मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाया जायेगा।

''यूथ चला बूथ'' में उत्कर्ष निभाएगा भागीदारी

विद्यार्थियों को बताए जाएंगे मतदान के महत्व

जोधपुर, (कासं)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा युवाओं में मतदान करने को लेकर चलाए जा रहे महत्वाकाँक्षी जागरूकता अभियान- 2024 में उत्कर्ष क्लासेस अपनी भागीदारी निभाएगा। ''यूथ चला बूथ'' में उत्कर्ष भागीदारी निभाएगा।

इसके अंतर्गत आज शास्त्री नगर स्थित उत्कर्ष कॉम्प्लेक्स में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में संस्था के गुरुजनों व प्रेरक वक्ताओं द्वारा विद्यार्थियों को मतदान करने के लिए जागरूक किया जाएगा। उत्कर्ष क्लासेस के संस्थापक एवं निदेशक डॉ. निर्मल गहलोत ने बताया कि मतदान करना देश के प्रत्येक मतदाता का न केवल संवैधानिक अधिकार है बल्कि कर्तव्य भी है।

ऐसे में बतौर जिम्मेदार नागरिक देश के सभी युवाओं को मतदान करने के अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ-साथ मतदान के महत्व को भी समझने की जरूरत

डॉ. निर्मल गहलोत

है। ऐसे में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा शुरू किए गए इस जागरूकता अभियान में अपनी भागीदारी निभाते हुए संस्था ने विद्यार्थियों के लिए इस जागरूकता कार्यक्रम को आयोजित करने का निर्णय लिया है।

निर्माणाधीन भवन से सामान चोरी

अजमेर, (कासं)। क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस थाना क्षेत्र स्थित प्रगति नगर कोटडा अजमेर में निर्माणाधीन भवन से अज्ञात चोरों ने करीब डेढ लाख रूपए का सामान चुराकर फरार हो गए। क्रिश्चयनगंज थाना पुलिस ने मकान मालिक वासुदेव त्रिपाठी की शिकायत पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। वासुदेव त्रिपाठी ने बताया कि उनके नए मकान का निर्माण कार्य चल रहा था। सुबह जाकर देखा तो यहां से दस एसी की केबल, डायबेटर, नल के सामान चुराकर ले गए। जिनकी अनुमानित करीब डेढ लाख तक थी। इसी प्रकार सिविल लाइंस पुलिस थाना क्षेत्र स्थित नाचन बावडी महेन्द्र नाथ की झोपडी में बीती रात अज्ञात चोरों ने प्रवेश किया ओर लोहे के एक बक्सें को उठाकर दूर ले जाकर उसमें रखे सोने व चांदी के जेवर सहित साढे सात हजार रूपए की नगदी, मोबाइल फोन ओर अन्य सामान चोरी करके ले। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अवैध बजरी दोहन व परिवहन रोकने के लिए यज्ञ

भीलवाड़ा, (निसं)। प्रदेश में हो रहे अवैध बजरी दोहन व परिवहन को लेकर नागरिक अधिकार मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने आज आर के कॉलोनी, स्थित तालाब की पाल पर चामुंडा माता मंदिर पर सदबुद्धि महायज्ञ किया।

जिले में बजरी का ठेका नहीं होने के बावजूद भी खनिज विभाग पूर्व के ठेकेदारों की मदद से अवैध खनन भारी मात्रा में करवा रहे हैं, खनिज विभाग द्वारा बजरी एवं खनन माफिया से मिलकर हमेशा करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान किया जा रहा है, खनिज विभाग में प्रशासन की मिलीभगत से अवैध बजरी दोहन परिवहन से राजस्व को नुकसान के साथ-साथ पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है यह सब संबंधित विभाग की मिली भगत से हो रहा है। नदियों की वास्तविक स्थिति को बिना ठेके के खनन करना कानूनी अपराध है परंतु खनिज विभाग के अनदेखी से फर्जी टोकन सिस्टम के कारण माफिया करोड़ों की वसूली

प्रदेश में हो रहे अवैध बजरी दोहन व परिवहन रोकने को लेकर नागरिक अधिकार मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने सदबुद्धि महायज्ञ किया।

परिवहन करने वाले उपभोक्ताओं व वाहन वालों से कर रहे हैं। खनिज विभाग के रसीद के बिना हजारों ट्रैक्टर, डंपर, ट्राले खनन कर अवैध परिवहन कर रहे हैं परंतु प्रशासन व विभाग आंखें बंद करके देख रहा है।

अवैध बजरी परिवहन व दोहन को रोकने की मांग को लेकर आज आर.के. कॉलोनी नेहरू गार्डन के पास चामुंडा माता मंदिर पर नागरिक अधिकार मोर्चा के संयोजक महेंद्र श्रोत्रिय के नेतृत्व में मंत्री अमन शर्मा, उपाध्यक्ष विश्वनाथ गर्ग, सचिव अंकित शर्मा, विजेंद्र सिंह राठौड़, अनिकेत पारीक श्रीनिवास, जगदीश ओझा, अक्षय शर्मा, जगदीश बाहेती, शिवकुमार शर्मा, प्रेम सिंह, माधु रैगर, भैरूलाल जाट, विकास यादव, अंजली शर्मा, मनोज श्रोत्रिय, राजु शर्मा, सुधाकर शर्मा, योगेश विजयवर्गीय, पंकज दाधिच, राजेश शर्मा, शुभम नराणिया, शीतल शर्मा, वंदना, सीमा सहित सभी ने चामुंडा माता मंदिर पर इकट्ठे होकर सद्बुद्धि महायज्ञ किया और खनिज विभाग व प्रशासन को नींद से जगाने के लिए भगवान से प्रार्थना की सद्बुद्धि यज्ञ किया। खनिज विभाग के अधिकारी व कर्मचारी इस पारदर्शी सरकार को बदनाम व राजस्व नुकसान करने में लगे हुए इसके लिए संभागीय आयुक्त उदयपुर व राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव को आमजन द्वारा सैंकड़ों हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन दिया जाएगा तथा आगामी दिनों में रणनीति तैयार कर भीलवाड़ा से जयपुर तक पैदल मार्च किया जाएगा।

रानीवाड़ा में 42वें दिन धरना रहा जारी

रानीवाड़ा, (नि.सं.)। रानीवाड़ा सघर्ष समिति की ओर से ल रहे अनिश्चितकालीन धरने के 42वें दिन वैदिक मंत्रोंच्चारण के साथ काशी के विद्वान पंडित सतीश पांडे की देखरेख में गायत्री यज्ञ का आयोजन

- **धरनार्थियों ने यज्ञ में आहुतियां देकर कहा कि रानीवाड़ा को भीनमाल जिला बनाकर उसमें जोड़ा जाए या जालोर जिले मे यथावत रखा जाए**

रानीवाड़ा सघर्ष समिति की ओर से ल रहे अनिश्चितकालीन धरने के 42वें दिन वैदिक मंत्रोंच्चारण के साथ गायत्री यज्ञ का आयोजन कर हवन में आहुतियां दी गई।

कर हवन में आहुतियां दी गई। इस मौके पर मुख्य यजमान धरनार्थी मुकेश कुमार खण्डेलवाल और रमेश पुरोहित डूंगरी, सोमाराम चौधरी, शेरदान चारण, मसरु देवासी सहित दर्जनों धरनार्थियों ने यज्ञ में आहुतियां देकर गायत्री माता से प्रार्थना कर संकल्प छोड़ते हुए कहा कि रानीवाड़ा को भीनमाल जिला बनाकर उसमें जोडा जाए या जालोर जिले मे यथावत् रखा जाए।

धरने के 42वें दिन मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर मांग की गई कि सांचोर का क्षेत्रफल अधिक है जालोर जिले का क्षेत्रफल कम है इसलिए क्षेत्रफल की दृष्टि से भी रानीवाड़ा क्षेत्र को जालोर, भीनमाल में सम्मिलित किया जाना जनहित में आवश्यक है क्योंकि जो छोटा होगा वहां विकास के अवसर अधिक होगे। साथ ही प्रशासन भी प्रभावी ढ्ग से कार्य करेगा। आमजन की भी प्रशासन के प्रति पहुँच सुगम होगी व जनता को त्वरित न्याय मिल पाएगा। इसलिए रानीवाड़ा को सांचोर से हटाया जाकर जालोर में सम्मिलित किया जाना नितांत आवश्यक है।

इस मौके पर भंवराराम माली, जवानाराम आल पाल, रतनाराम देवासी वाडाल, पिंटू कुमार, महेन्द्र माली, सोनाराम चौधरी, नारायण फरसराम माहेश्वरी, छगनसिह देवल, पूर्व सरपंच मैदाराम चौधरी, भंवरलाल गोयल, कृष्ण देवासी वाडाल, मसरु देवासी हर्षवाडा, भीखाराम मेघवाल सहित कई जने मौजूद रहे।

आर.ए.एस. परीक्षा के प्रवेश पत्र आज अपलोड होंगे

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी (प्रारंभिक) परीक्षा-2023 के प्रवेश-पत्र गुरुवार को आयोग की वेबसाइट एवं एसएसओ पोर्टल पर अपलोड कर दिए जाएंगे। परीक्षा में 6 लाख 97 हजार 51 अभ्यर्थी पंजीकृत किए गए हैं। परीक्षा का आयोजन 1 अक्टूबर 2023 को 46 जिलों में बनाए गए 2158 परीक्षा केंद्रों पर सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा।

आयोग सचिव ने कहा कि अभ्यर्थी यथाशीघ्र समयान्तर्गत प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर लेवें। प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन-पत्र क्रमांक व जन्म दिनांक प्रविष्ठ कर डाउनलोड किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर सिटीजन ऐप्स में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल लिंक से भी प्रवेश-पत्रों को डाउनलोड किया जा सकता है।

भाजपा महिला मोर्चा सम्मेलन का आयोजन

अजमेर, (कासं)। अजमेर दक्षिण विधानसभा द्वारा बीजेपी महिला मोर्चा सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रुप में दिल्ली लक्ष्मीनगर विधानसभा के विधायक अभय वर्मा रहे। मुख्य वक्ता वर्मा ने सभी महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अपने इतिहास और संस्कृति की वजह से पूरे विश्व में एक विशेष स्थान रखता है। हमारा यह देश सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक, सैन्य शक्ति आदि में विश्व के बेहतरीन देशों में शामिल है।

वैसे तो आजादी के बाद देश की इन स्थितियों में सुधार की पहल हुई लेकिन हालिया समय में इस क्षेत्रों में पहल तेज हुई है। इसके लिए समाज के मानव संसाधन को लगातार बेहतर, मजबूत व सशक्त किया जा रहा है और समाज की आधी आबादी स्त्रियों की है, इस बाबत उनके लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। डॉ. अंबेडकर ने कहा था कि यदि किसी समाज की प्रगति के बारे में

- **महिला चाहे तो देश की दिशा बदल सकती है : वर्मा**
- **महिलाओं के बिना नहीं हो सकता समाज परिवर्तन : भदेल**

सही-सही जानना है तो उस समाज की स्त्रियों की स्थिति के बारे में जानो। कोई समाज कितना मजबूत हो सकता है, इसका अंदाजा इस बात से इसलिए लगाया जा सकता है क्योंकि स्त्रियाँ किसी भी समाज की आधी आबादी हैं। बिना इन्हें साथ लिए कोई भी समाज अपनी संपूर्णता में बेहतर नहीं कर सकता है। इस प्रकार आज महिला पूरे समाज की दिशा बदल सकती है।

उन्होने महिला सशक्तिकरण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजनीति का क्षेत्र इतिहास से वर्तमान तक पुरुषों के एकाधिकार का क्षेत्र रहा है। कभी भी इस पर महिलाओं का एकाधिकार स्थापित नहीं हुआ। राजनीति घरेलू चारदिवारी से बाहर निकल समाज को संचालित करने वाली, दिशा देने का कार्य करती है। विश्व के हर कोने में पूरे समाज में राजनीतिक पदों पर पुरुषों को ही देखा गया। लेकिन आज भारत में राजनीति का क्षेत्र हो या उद्योग हो या फिर आज चांद तक पहुचने की बात हो महिला आगे बढ़ चुकी है।

इस अवसर पर विधानसभा संयोजक राजेश घाटे, पूर्व महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सीमा गोस्वामी, मंजू शर्मा, कृष्णा सुचेता, मनीषा गौड, रीना कुश्वाहा, बीना टांक, सीलम बैरवा, अंजना शेखावत, गीता जांगिड, ज्योति लालवानी, काजल जेठवानी, पुष्पा सिंह, रेनु शर्मा, हेमलता शर्मा, मधु भारद्वाज, भावना चौहान, सावित्री शर्मा, सुनिता पंवार, किरण तुनगरिया, रोशन राठौड, संतोष महेश्वरी, वंदना सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रही।

जेल में बंदियों तक मोबाइल पहुंचाने की कोशिश

अजमेर, (कासं)। प्रदेश की सबसे सुरक्षित माने जाने वाली अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल परिसर में एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा 10 फीट की दीवार से मोबाइल पार्सल अंदर फेंकने की कोशिश का मामला सामने आया है। मोबाइल मिलने के बाद से जेल में तैनात जवानों की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। जेल प्रशासन ने पार्सल पैकेट जब्त कर सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल प्रशासन ने बुधवार को सिविल लाइन थाने में शिकायत देकर बताया कि गोपनीय सूचना प्राप्त हुई की जेल की मुख्य दीवार के पास टावर संख्या एक और पत्थरों के बीच में पार्सल खाकी कलर के टेप से लपेटा हुआ लावारिस पड़ा मिला। सूचना पर अधिकारी मौके पर पहुंचे और लावारिस पार्सल को उठाकर जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ को सूचना दी गई। खोलकर देखा तो पार्सल में मोबाइल बरामद हुआ है। दीवार और इलेक्ट्रॉनिक तारों से टकराकर पार्सल नीचे गिर गया, जेल प्रशासन की शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने कारागृह अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ ने कहा कि कैंपस से मोबाइल बरामद हुआ है। मामले में सिविल लाइन थाने में मुकदमा दर्ज कर दिया गया है।

उपराष्ट्रपति ने क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास किया

किसान की प्रगति के बिना कोई प्रगति नहीं हो सकती, किसान देश का पेट भरता है : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

बीकानेर/गुड़ामालानी, (नि.सं.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बाड़मेर के गुड़ामालानी में क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास किया। इस अवसर पर वहां उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर और किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी के प्रयासों से राजस्थान के बाड़मेर में आज इस बाजरा अनुसंधान संस्थान की आधारशिला रखी गई है। उन्होंने अपने संबोधन में आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने पूरी दुनिया के अंदर मोटे अनाज के बारे में जागरूकता बढ़ाकर वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष घोषित कराया, यह देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि एक दशक पहले हम पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में गिने जाते थे हमारी अर्थव्यवस्था पूरी तरीके से चरमरा गई थी और 2022 में दुनिया की पांचवीं सबसे शक्तिशाली आर्थिक महाशक्ति बन गए। आज हमारे देश का किसान तकनीकी रूप से इतना सक्षम हो गया है कि पीएम किसान सम्मन निधि के माध्यम से भेजी जाने वाली राशि किसान सीधे अपने बैंक खाते में प्राप्त कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आज जो केंद्र यहां खुल रहा है उसका असर केवल राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश और विदेश पर भी पड़ेगा।

उपराष्ट्रपति ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर और किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने सभी सांसदों को बाजरे से बने व्यंजन का भोजन कराया। उन्होंने कहा कि सभी लोग भोजन कर रहे थे और कैलाश स्वयं अपने हाथों से भोजन परोस रहे थे। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि बाजरे से बना भोजन बहुत ही स्वादिष्ट भोजन था। शुरू से लेकर आखिरी तक पेय पदार्थ से लेकर मिठाई तक सूप से लेकर सब्जी तक सब कुछ मोटे अनाज का बना था। मैंने मेरी जिंदगी में आज तक इतना श्रेष्ठ भोजन नहीं किया।

उपराष्ट्रपति ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग इतनी तपती हुई धूप में यहां आए हैं, मैं आप सभी को नमन करता हूं और यह भी उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में हमारा परिचय एक कृषक पुत्र के रूप में कराया था, यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। किसान के बिना कोई प्रगति नहीं हो सकती, किसान वह इंजन है जो राजनीति की गाड़ी को भी चलाता है और देश का पेट भी भरता है। हाल ही संसद में पारित हुए महिला आरक्षण बिल की तारीफ करते हुए

गुड़ामालानी में भारतीय बाजरा अनुसंधान केन्द्र का शिलान्यास उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किया।

करते हुए कहा कि आप लोग इतनी तपती हुई धूप में यहां आए हैं, मैं आप सभी को नमन करता हूं और यह भी उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में हमारा परिचय एक कृषक पुत्र के रूप में कराया था, यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। किसान के बिना कोई प्रगति नहीं हो सकती, किसान वह इंजन है जो राजनीति की गाड़ी को भी चलाता है और देश का पेट भी भरता है। हाल ही संसद में पारित हुए महिला आरक्षण बिल की तारीफ करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि महिलाओं के कल्याण के लिए अभी एक महत्वपूर्ण बिल पास हुआ है इस बिल का पास होना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक की तारीफ करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह दिल और दिमाग से किसानों के हित में काम कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने आईसीएआर के सभी कृषि वैज्ञानिकों व स्टॉफ को बधाई देते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा किसान पुत्र राष्ट्रवाद को हमेशा सर्वोपर रखते हैं और देश के विकास में सर्वश्रेष्ठ योगदान करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं आपसे आग्रह करता हूं, हमारा देश एक बदलाव का केंद्र बना है, हमें इस पर गर्व करना चाहिए, यहां से मैं बहुत सी यादें लेकर जा रहा हूं, आपका अन्न मैंने चार साल तक खाया है और आजीवन मैं आपका ही अन्न खाता रहूंगा।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र तोमर (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा), कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, हेमा राम चौधरी मंत्री राजस्थान सरकार, कृषि वैज्ञानिक एवं बड़ी संख्या में पधारे सरपंच के साथ-साथ कई लोग और दूर-दूर से आए बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

- **बीकानेर में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मूंगफली अनुसंधान केन्द्र का लोकार्पण किया**

बीकानेर संवाददाता के अनुसार :- उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को बीकानेर में क्षेत्रीय मूंगफली अनुसंधान केन्द्र का लोकार्पण किया। इस लोकार्पण के मौके पर बीकानेर सांसद और संसदीय कार्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि अर्जुनराम मेघवाल ने भारत की संसद में महिला आरक्षण विधेयक पेश करके एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। उप राष्ट्रपति ने बीकानेर की नमकीन, भुजिया और रसगुल्ले की तारीफ करते हुए मूंगफली ब्रांडिंग की बात कही। उन्होंने कहा कि बीकानेर की मूंगफली की ब्रांडिंग की जायेगी। उप राष्ट्रपति ने जी-20 की अध्यक्षता की सफलता की तारीफ करते हुए कहा कि भारत ने वह करके दिखाया जिसकी कभी किसी ने कल्पना नहीं की थी। भारत ने इतना सफल कार्यक्रम आयोजित किया कि पूरी दुनिया देखकर दंग रह गई है। उन्होंने कहा कि जी-20 की अध्यक्षता में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में दुनियां के नेताओं को मोटे अनाज से बने हुए व्यंजन परोसे गए। उन्होंने कहा कि जी-20 जैसे वैश्विक कार्यक्रमों में मोटे अनाज से बने व्यंजनों का परोसा जाना हर गांव, गरीब और किसान के लिए एक सम्मान की बात है।

इस अवसर पर उप राष्ट्रपति ने केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान के प्रशिक्षु गृह का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम के बाद उप राष्ट्रपति, जगदीप धनखड़ ने सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ के अपने शिक्षक जी. एस. आचार्य से बीकानेर में सप्रेम भेंट की और उनका आशीर्वाद लिया। वे बीकानेर में रह रहे सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ के अन्य सदस्यों से भी मिले। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, कैलाश चौधरी मूंगफली अनुसंधान संस्थान के संस्थान के महानिदेशक, कृषि वैज्ञानिक, विद्यार्थी व अन्य कई गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में पधारे किसान भाई उपस्थित थे।

सीकर के नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप द्वारा 2700 करोड़ की धोखाधड़ी

जांच में 1140 करोड़ रुपये की जीएसटी दायरे की अघोषित आय की जानकारी मिली

अलवर, (निसं)। नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप सीकर द्वारा 2700 करोड़ रुपये की लोगों से धोखाधड़ी की सूचना मिलने पर जांच की। जांच में 1140 करोड़ रुपये की जीएसटी दायरे की अघोषित आय की जानकारी मिली।

जानकारी के अनुसार नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप सीकर द्वारा 2700 करोड़ रुपये की लोगों से धोखाधड़ी की सूचना मिलने पर केन्द्रीय वस्तु एवं सेवाकर आयुक्तालय अलवर के जय प्रकाश सिहं के निर्देशन में बसंत गढ़वाल, अपर आयुक्त के नेतृत्व में जांच शुरु की। इस ग्रुप ने राजस्थान, गुजरात, दिल्ली में लगभग 30 जीएसटी फर्म बना कर निवेश करवाया व कोई जीएसटी अदा नहीं की।

जयपुर के अधिकारियों ने इस ग्रुप से जुड़े लोगों के ठिकानों पर जांच की, जिसमे अभी तक यह पाया कि लगभग 2700 करोड़ रुपये नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा, ग्रुप सीकर में वसूल किए और साथ ही यह पाया कि इस ग्रुप ने लगभग 1000 करोड़ रुपये उन लोगों को कमीशन के रुप में दे दिए, जिन्होंने इस कार्य में सहयोग किया और लोगों से निवेश करवाया। इस ग्रुप के द्वारा किया गया यह कार्य जीएसटी के दायरे में आता है और अभी तक की जांच में लगभग 1140 करोड़ रुपये की जीएसटी दायरे की अघोषित आय का पता चला है। जिस पर लगभग 205 करोड़ रुपये की जीएसटी कर चोरी इस ग्रुप द्वारा की गई है।

आर.जी.एच.एस. स्कीम में करोड़ों की दवाईयों के गबन का खुलासा

- आर.जी.एच.एस. कार्डधारकों के कार्ड का दुरूपयोग करके दवाईयों की खरीद-फरोख्त कर धोखाधड़ी करने का मुकदमा दर्ज

जोधपुर, (कासं)। आर.जी.एच.एस. कार्डधारकों के कार्ड का दुरूपयोग करके करोडों रूपये की दवाईयों खरीद फरोख्त कर धोखाधडी करने का मुकदमा आरजीएचएस के संयुक्त दिनेशक परियोजना ने बासनी थाने में दर्ज कराया।

बासनी थाने में दी रिपोर्ट में आर.जी.एच.एस. के संयुक्त परियोजना दिनेशक राजस्थान सरकार डा. अभिषेकसिंह ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि बासनी क्षेत्र में स्थित सरकारी और प्राईवेट अस्पताल के डाक्टरों की पर्चियों के आधार पर झंवर मेडिकल स्टोर जालोरी गेट के संचालक उमेश परिवाहर और करीब 44 आरजीएचएस कार्ड धारकों ने सरकार को चूना लगाने के लिये फर्जीवाड़ा करके कुटनीतिक दस्तावेजों के आधार पर करोड़ों रूपये की दवाईयों का फर्जीवाड़ा करने का खुलासा जांच के दौरान पाया गया।

जोधपुर से एक दो अस्पतालों की ही और व्यक्ति विशेष के कार्डधारकों से ही निरतंर लाखों रूपये की दवाईया और इलाज की पर्चिया और बिल आने पर मामला संदिग्ध लगा और जब जांच की गई तो उक्त करोडो रूपये के गबन घोटाले का खुलासा हुआ। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। मामले की जांच थानाधिकारी जितेन्द्रसिंह स्वयं कर रहे है।

आरोपी ने लूट का मामला दर्ज करा 5.50 लाख का गबन किया

कैशियर को ही कम्पनी की राशि का गबन किये जाने के मामले में गिरफ्तार किया

टोंक, (निसं)। निवाई थाना क्षेत्र में गत 25 सितम्बर को थाने को सूचित किया गया कि दो नकाबपोशों द्वारा एक फाईनेन्स कम्पनी के केशियर के साथ मारपीठ कर नगदी से भरा सात लाख की राशि का बेग लूठकर ले गये। जिसके खुलासे में कम्पनी के कैशियर को ही कम्पनी की राशि का गबन किये जाने के अपराध में गिरफ्तार किया गया है।

जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा इस लूठ व गबन का खुलासा करते हुए बताया कि अति. पुलिस अधीक्षक आदर्श चौधरी व निवाई वृताधिकारी महावीर सिंह और थानाधिकारी हरिपाल सिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा अनुसंधान कार्य किया तो खुलासा हुआ कि जुठाई गई सूचना एवं संदिग्धता के आधार पर परिवादी से पूछताछ की गई, जिसमें एस.के. फाईनेन्स कम्पनी का केशियर गौरव पिछले कई महिने से केशियर का कार्य कर रहा है, जिसने फाईनेन्स कम्पनी की राशि को स्वयं के इस्तेमाल में व मित्रों को देने में तथा जुआ खेलने में खर्च किया गया है तथा आरोपी गौरव फाईनेन्स कम्पनी के एजेन्टो द्वारा दी गई जमा राशि की रसीदें उसके लेपटॉप द्वारा फर्जी रसीदें बनाकर दिये जाना बताया है। इय गबन को छुपाने के लिए उसने झूठे घटनाक्रम का मामला दर्ज कराया है।

घटना के समय आरोपी द्वारा सात लाख रूपये होना बताया गया था, जबकी आरोपी से 77000 रूपये नगद एवं उसका लेपटॉप बरामद किया गया है तथा उसकी पे अकाउन्ट में जमा होना बताया गया है। गिरफ्तार आरोपी गौरव पुत्र छत्रधारी ब्राहम्ण उम्र 30 साल निवासी मायलाकुण्ड गर्ल्स स्कूल के पास वार्ड न. चार के पास कस्बा निवाई का निवासी है।

दो हजार किलो विस्फोटक पदार्थ बरामद, दो गिरफ्तार

पिकअप में अवैध अमोनियम नाइट्रेट के कट्टे भरे थे

बाड़मेर, (निसं)। बाड़मेर सदर थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बड़ी कार्यवाही करते हुए दो हजार किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट (विस्फोटक पदार्थ) बरामद करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मुलजिमों द्वारा उक्त विस्फोटक पदार्थ को अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा था।

पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद ने बताया कि सदर थानाधिकारी किशनसिंह को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि बाड़मेर शहर से महाबार की तरफ पिकअप में अवैध अमोनियम नाइट्रेट के कट्टे भरे हुए आ रहे हैं। जिस पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्यवाही करते हुए महाबार रोड़ की तरफ नाकाबंदी कर दी। नाकाबंदी के दौरान उक्त वाहन आता हुआ दिखाई दिया जिसको रुकवाकर तलाशी ली तो गई तो उसमें चालीस कट्टों में भरा हुआ दो हजार किलोग्राम अवैध अमोनियम नाइट्रेट विस्फोटक पदार्थ बरामद हुआ।

पुलिस ने पिकअप जब्त कर विस्फोटक पदार्थ बरामद करते हुए वाहन चालक राजेश विश्नोई पुत्र जैताराम निवासी खेडी सालवा पुलिस थाना डांगियावास, जोधपुर हाल राजीव गांधी कॉलोनी, पुलिस थाना देवनगर, जोधपुर और उसके साथी धीमा राम पुत्र हरलाल विश्नोई निवासी चौहानो की ढाणी धवा पुलिस थाना झवर जोधपुर शहर को गिरफ्तार किया व विस्फोटक पदार्थ बरामद अधिनियम में प्रकरण दर्ज किया। मामले में अग्रिम अनुसंधान एवं पूछताछ की जा रही है।

हथियार सहित एक गिरफ्तार

चार अवैध पिस्टल, मैगजीन और जिंदा कारतूस बरामद

बाड़मेर, (निसं)। बाड़मेर जिले में आगामी विधानसभा चुनावों के मध्यनजर पुलिस द्वारा अवैध शराब, मादक पदार्थ, हथियार व विस्फोटक पदार्थ की धरपकड के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र पाल सिंह व वृताधिकारी आनंद सिंह के सुपरविजन में सदर पुलिस थानाधिकारी किशनसिंह मय पुलिस टीम और जिला स्पेशल टीम ने मुखबिर की इत्तिला पर कार्यवाही करते हुए एक मुल्जिम को अवैध पिस्टल, मैगजीन व जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद ने बताया की जिला स्पेशल टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की ठाकराराम नाई निवासी रामदेरिया जो की अवैध हथियारों की खरीद फरोख्त का धंधा करता हैं, वह अपने पास भारी मात्रा में अवैध हथियारों को लेकर धोरीमन्ना रोड से बाडमेर शहर की तरफ आ रहा हैं। जिस पर डीएसटी टीम व सदर थाना पुलिस ने तुरंत कार्यवाही करते हुए नेशनल हाईवे 68 पर नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान उक्त मुल्जिम ठाकराराम पैदल आ रहा था और पुलिस को देखकर भागने लगा जिस पर पुलिस ने पीछा करते हुए मुल्जिम को दस्तयाब किया।

पुलिस को मुल्जिम की तलाशी में एक थैला मिला जिसमे चार अवैध पिस्टल, चार मैग्जीन और 12 जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी ठाकराराम पुत्र पताराम नाई निवासी रामदेरिया काश्मीर, पुलिस थाना शिव, बाडमेर को गिरफ्तार करते हुए आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज किया। आरोपी से उक्त हथियारों के खरीद फरोख्त के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

उपराष्ट्रपति ने किए ब्रह्मदेव के दर्शन

बालोतरा, (निसं)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ अपनी एक दिवसीय यात्रा के दौरान बुधवार को आसोतरा पहुंचे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ 4.30 बजे वायुमार्ग से भगवान ब्रह्मा के दर्शन हेतु श्री खेतेश्वर ब्रह्मधाम तीर्थ आसोतरा पहुंचे।

श्री खेतेश्वर ब्रह्मधाम तीर्थ आसोतरा पहुँचकर उन्होंने भगवान ब्रह्मदेव के दर्शन कर मन्त्रोचार के साथ पूजा-अर्चना की। उन्होंने पूजा कर राष्ट्र में शांति और खुशहाली की कामना की। उन्होंने मंदिर परिसर का भ्रमण कर मंदिर की सुंदरता को निहारा। उपराष्ट्रपति ने गादिपती तुलसाराम महाराज से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी और सांसद देवजी भाई पटेल भी साथ रहे।

मुख्यमंत्री ने बाबा श्याम के दर्शन किए

खाटूश्यामजी, (निसं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को खाटूश्यामजी पहुंचकर बाबा श्याम के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर श्री श्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान ने सीएम को पूजा अर्चना करवाकर श्याम दुपट्टा ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया।

इस दौरान देवस्थान मंत्री शकुन्तला रावत, कैबिनेट मंत्री लालचंद कटारिया, क्षेत्रीय विधायक वीरेन्द्र सिंह, नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी, जिला प्रवक्ता गोविंद पटेल भी मौजूद थे। इससे पूर्व रींगस रोड स्थित हेलीपेड पर हेलीकॉप्टर से पहुंचे। मुख्यमंत्री हेलीपैड पर उतरकर सीधे कार से रवाना हुए। मुख्यमंत्री ने एक दो कार्यकर्ताओं से हाथ मिलाकर गाड़ी से ही अभिवादन स्वीकार किया। हेलीपैड पर सीकर विधायक राजेन्द्र पारीक, फूल सिंह ओला, श्याम सुंदर पुनिया, विधायक महादेव सिंह खंडेला सहित अनेक नेता मौजूद रहे। मीडिया के राजनीतिक प्रश्न करने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज धार्मिक यात्रा पर आया हूं। यहां कोई राजनीतिक बात नहीं है। मुख्यमंत्री के खाटूश्यामजी दौरे के दौरान खंडेला, सीकर, नीमकाथाना व दांतारामगढ़ विधायक, युवा बोर्ड के अध्यक्ष सीताराम लाम्बा तथा प्रदेश कार्यकारिणी से फूलसिंह ओला व रमेश खंडेलवाल के साथ ही कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनिता गठाला हैलीपेड पर मौजूद रहे लेकिन मुख्यमंत्री कार्यक्रम में मूकदर्शक रहे।

सीटों की बंदरबांट में कौनसा खेमा बाजी मारेगा, कांग्रेस इसमें उलझी है : राठौड़

अजमेर, (कासं)। प्रदेश में आगामी माह में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर बुधवार को भाजपा नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ अपने एक दिवसीय दौरे पर अजमेर पहुंचे। राठौड़ ने अजमेर शहर भाजपा पदाधिकारियों, विधायकों और कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक के पश्चात राठौड़ ने प्रेसवार्ता के दौरान कांग्रेस सरकार पर जमकर निधाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की टक्कर कांग्रेस से ही है, प्रदेश कांग्रेस दो गुटों में बटी हुई है। टिकट की बंदरबांट में उलझी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट है।

भाजपा नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने अजमेर में पत्रकार वार्ता की।

भाजपा नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ अपने एक दिवसीय दौरे पर बुधवार सुबह अजमेर पहुंचे, उन्होंने यहां भाजपा कार्यालय में शहर भाजपा के पदाधिकारियों, विधायकों और कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक पश्चात पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए नेता प्रतिपक्ष राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस की टक्कर कांग्रेस से है, कांग्रेस दो गुटों में बंटी हुई है, एक गुट का नेतृत्व सचिन पायलट कर रहे हैं, तो दूसरे गुट का नेतृत्व मुख्यमंत्री गहलोत कर रहे हैं। टक्कर इस बात की है सीटों की बंदरबांट में कौन सा खेमा बाजी मरेगा। जिसका नमूना अजमेर में पिछले दिनों देखने को मिला था, जहां एक समारोह में महेंद्र सिंह रलावता और धर्मेंद्र राठौड़ के समर्थकों के बीच लात घूंसे चले थे।

पायलट की खामोशी आने वाले तूफान का संकेत :- मीडिया को सवालों का जवाब देते हुए नेता प्रतिपक्ष राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस में सचिन पायलट ने अपमान की राजनीति सही है जिसे कोई भूल नहीं सकता। जब किसी को भ्रष्ट, नालायक और निकम्मा कहा जाए तो ऐसा अपमान कोई सहन नहीं कर सकता। पायलट की खामोशी आने वाले तूफान से पहले की शांति है।

भाजपा में सब की राय के अनुसार टिकट वितरण :- राठौड़ ने कहा कि भाजपा में एक ही गुट है वो नरेंद्र मोदी गुट है। टिकट वितरण पर राठौड़ ने कहा कि कार्यकर्ता ही हमारा कैटेगरी है। भारतीय जनता पार्टी अपने कार्यकर्ताओं और मंडल स्तर से लेकर जिला स्तर तक और प्रदेश स्तर तक पारदर्शिता तरीके से सब की राय के अनुसार टिकट वितरण होता है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ईडी की छापेमारी पर दिए गए बयान पर राठौड़ ने जवाब देते हुए कहा कि यदि कोई ईडी की रेड उनकी निगाहों में गलत है तो तथ्यों के आधार पर सामने आकर क्यों नहीं कहते। मुख्यमंत्री को आगे आकर कहना चाहिए कि अब तक ईडी ने जितनी रेड की है यह गलत है। एक बात जरूर मुख्यमंत्री कहते हैं जल जीवन मिशन के अंदर राजस्थान में सर्वाधिक घोटाला हुआ। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार पूरी तरह विफल रही है।

युनूस चौपदार ने आमरण अनशन स्थगित किया

अधिकारियों से वार्ता के बाद मिले आश्वासन के बाद सामाजिक कार्यकर्ता युनूस चौपदार ने अनशन स्थगित किया।

उदयपुर, (कासं)। कथित रूप से जनजाति विभाग में फर्नीचर खरीद-फरोख्त मामले में हुए घोटाले को लेकर विगत दिनों से आमरण अनशन पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता युनूस चौपदार ने बुधवार को अपना आमरण अनशन स्थगित कर दिया है।

चौपदार के अनुसार जनजाति विभाग के आयुक्त ताराचंद मीणा, अतिरिक्त आयुक्त प्रभा गौतम तथा पुलिस उप अधीक्षक चांदमल सिंगारिया से वार्ता व उनसे मिले आश्वासन के बाद बुधवार को अनशन स्थगित किया गया है। चौपदार ने बताया कि आश्वासन के अनुसार अगर दो अक्टूबर 2023 तक इस मामले में कोई कार्यवाही नहीं होने पर मैं पुनः अपने परिवार के साथ सत्याग्रह पर बैठूंगा।

मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर 189 दिन से धरना जारी

धरनार्थियों ने नारेबाजी करते हुए मालपुरा को जिला बनाने की मांग की

मालपुरा, (निसं)। जिला बनने सभी मापदण्डों से परिपूर्ण होने के बावजूद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा मालपुरा को जिला की घोषणा नहीं करने पर जिला बनाओं कोर कमेटी के बैनर तले शुरू किया गया अनशन व धरना बुधवार को 189वें दिन भी जारी।

धरना स्थल पर बैठे शहर के वरिष्ठजनों एवं महिलाओं सहित सभी राजनैतिक दलों से सम्बन्ध रखने वाले नेताओं ने एक स्वर में नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री से मालपुरा को जिला बनाने की मांग की। बुधवार को धरना स्थल पर बैठे कोर कमेटी के पदाधिकारियो एवं धरनार्थियों ने बताया कि कांग्रेस की परम्परागत सीट होने के बावजूद मुख्यमंत्री ने मालपुरा क्षैत्रवासियों के हितों के साथ कुठाराघात कर दलगत राजनीति का शिकार बनाया है।

मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर धरना जारी है।

मालपुरा से भाजपा का विधायक होने के चलते मुख्यमंत्री ने मालपुरा की जनता से सौतेला व्यवहार कर दूदू जैसी ग्राम पंचायत को जिला बना दिया गया, जबकि मालपुरा जिला बनने की सभी मापदण्डो पर खरा उतरता है। अतिसंवेदनशील मालपुरा मे उपजिला कलेक्टर सहित एएसपी, डीवाईएसपी, एसडीएम, एडीएम स्तर के अधिकारियों के कार्यालय संचालित है। एडीजे कोर्ट ने न्यायिक अधिकारी पदस्थापित है। शहर से होकर दूदू छाण व जयपुर भीलवाडा स्टेट हाईवे गुजर रहे है। जयपुर से महज 90 किमी. की दूरी पर मालपुरा होने के बावजूद जिला नहीं बनाया गया।

तलाशी में पांच वाहन व 60 लाख की नकदी बरामद

उदयपुर, (कासं)। आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान पांच वाहनों को जब्त कर 60 लाख रूपये नकदी बरामद की।

जिला पुलिस अधीक्षक भूवन भूषण यादव के निर्देश पर पुलिस उप अधीक्षक शिप्रा राजावत के नेतृत्व में गठित दल ने आगामी विधान सभा चुनावों के मद्देनजर मंगलवार रात में विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी की गई। इस दौरान अवैध मादक पदार्थ पीकर वाहन चलाने, अवैध नकदी, अवैध हथियार की धरपकड़ के लिए वाहनों की तलाशी शुरू की। इस दौरान सीओं पूर्व सर्कल में करीब 250 दुपहिया वाहन, 100 से अधिक हल्के मीडियम वाहनों को चैक किया। प्रतापनगर थानाधिकारी हिमांशुसिंह राजावत के नेतृत्व में गठित दल ने 20 वाहनों की तलाशी की। इस दौरान एक कार में रखे कर्टन की तलाशी ली तो उसमें 60 लाख रूपये नकदी मिली। इस पर वाहन मालिक विशाल मेहता ने पूछताछ में कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया।

क्षेत्रीय दबाव ग्रस्त आस्ति वसूली शाखा, बड़ौदा भवन, द्वितीय तल, 13, एयरपोर्ट प्लाजा, दुर्गापुरा, टोंक रोड़, जयपुर-302018
फोन नं.: 0141-2727166, ई-मेल: armjai@bankofbaroda.com

ऋणी को नोटिस
(सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उप-धारा (2) के तहत नोटिस)

स्थान: जयपुर (राज.)
दिनांक: 06.09.2023

1) मैसर्स अग्रवाल इंडस्ट्रीज जरिये प्रोपराईटर श्रीमती इन्दु अग्रवाल पत्नी श्री नीरज कुमार अग्रवाल
रजि.- प्लॉट नं. जे-489 सी, इंडस्ट्रीयल एरिया, झोटवाड़ा विस्तार द्वितीय, सरना डूंगर, जयपुर, राजस्थान
(i) प्लॉट नं. जे-489 बी, इंडस्ट्रीयल एरिया, झोटवाड़ा विस्तार द्वितीय, सरना डूंगर, जयपुर, राजस्थान
(ii) प्लॉट नं. जे-489 डी, इंडस्ट्रीयल एरिया, झोटवाड़ा विस्तार द्वितीय, सरना डूंगर, जयपुर, राजस्थान
(iii) प्लॉट नं. 67 एवं 67ए, इन्द्रापुरी कॉलोनी, ब्रह्मपुरी, जयपुर, राजस्थान
ई-मेल: (i) agarwalindustries01@gmail.com
(ii) lakshayindustries1@gmail.com
2) श्रीमती इन्दु अग्रवाल पत्नी श्री नीरज कुमार अग्रवाल (प्रोपराईटर)
(i) प्लॉट नं. जे-489 सी, इंडस्ट्रीयल एरिया, झोटवाड़ा विस्तार द्वितीय, सरना डूंगर, जयपुर, राजस्थान
(ii) प्लॉट नं. जे-489 बी, इंडस्ट्रीयल एरिया, झोटवाड़ा विस्तार द्वितीय, सरना डूंगर, जयपुर, राजस्थान
(iii) प्लॉट नं. जे-489 डी, इंडस्ट्रीयल एरिया, झोटवाड़ा विस्तार द्वितीय, सरना डूंगर, जयपुर, राजस्थान
(iv) प्लॉट नं. 67 एवं 67ए, इन्द्रापुरी कॉलोनी, ब्रह्मपुरी, जयपुर, राजस्थान
ई-मेल: (i) agarwalindustries01@gmail.com
(ii) lakshayindustries1@gmail.com

प्रिय महोदय,
विषय- वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (सरफेसी अधिनियम 2002) की धारा 13(2) के तहत नोटिस।

1. हमारे पत्र सं. बीकेआई/एडीवी/2017-18 दिनांक 28.09.2017 का संदर्भ ले जिसमें विभिन्न ऋण सुविधाओं की स्वीकृति तथा स्वीकृति की शर्तें सूचित की गयी थी। उपरोक्त स्वीकृति के अनुसार इसके लिये प्रतिभूति उपलब्ध करवाकर, जैसा कि इसके बाद उल्लेख किया गया है, आपने ऋण सुविधायें प्राप्त की और उनका उपयोग प्रारम्भ कर दिया। वर्तमान में विभिन्न ऋण/साख सुविधा खातों में बकाया तथा इन देयताओं के लिये निर्मित रक्षित हित निम्नानुसार है-

सुविधा का स्वरूप व प्रकार	सीमा	दिनांक 26.09.2022 के वसूली प्रमाण पत्र के अनुसार ब्याज दर	दिनांक 26.09.2022 के वसूली प्रमाण पत्र के अनुसार दिनांक 31.08.2023 को बकाया राशि (रूपये में)	बैंक के पास प्रभारित प्रतिभूतियों का संक्षिप्त विवरण
नकद साख सीमा खाता नं 07100500000213 एडहोक नकद साख सीमा	रू. 450 लाख	10%	रू. 6,68,78,237.28 साथ ही ब्याज और कानूनी/अन्य शुल्क/व्यय दिनांक 01.09.2023 से	1. मैसर्स अग्रवाल इंडस्ट्रीज जरिये प्रोपराईटर श्रीमती इन्दु अग्रवाल पत्नी श्री नीरज कुमार अग्रवाल के नाम साम्यिक बंधक औद्योगिक प्लॉट नं. जे-489 (बी) जो इंडस्ट्रीयल एरिया, झोटवाड़ा विस्तार फेस-द्वितीय, सरना डूंगर, जयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग मीटर है। सीमाएं- पूर्व: रोड़, पश्चिम: प्लॉट नं. जे-488(ए), उत्तर: प्लॉट नं. जे-489(सी), दक्षिण: प्लॉट नं. जे-489(ए) 2. मैसर्स अग्रवाल इंडस्ट्रीज जरिये प्रोपराईटर श्रीमती इन्दु अग्रवाल पत्नी श्री नीरज कुमार अग्रवाल के नाम साम्यिक बंधक औद्योगिक प्लॉट नं. जे-489 (सी) जो इंडस्ट्रीयल एरिया, झोटवाड़ा विस्तार फेज-द्वितीय, सरना डूंगर, जयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग मीटर है। सीमाएं- पूर्व: रोड़, पश्चिम: एच-488-डी, उत्तर: जे-489-डी, दक्षिण: जे-489-बी 3. मैसर्स लक्ष्य इंडस्ट्रीज जरिये प्रोपराईटर श्री नीरज कुमार अग्रवाल पुत्र श्री ईश्वर शरण अग्रवाल के नाम साम्यिक बंधक का विस्तार औद्योगिक प्लॉट नं. जे-489 (डी) जो इंडस्ट्रीयल एरिया, झोटवाड़ा विस्तार फेज-द्वितीय, सरना डूंगर, जयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग मीटर है। सीमाएं- पूर्व: रोड़, पश्चिम: एच-487सी, उत्तर: जे-490ए, दक्षिण: जे-489सी 4. श्री नीरज कुमार अग्रवाल पुत्र श्री ईश्वर शरण अग्रवाल के नाम साम्यिक बंधक का विस्तार आवासीय सम्पत्ति जो प्लॉट नं. 67, ब्रह्मपुरी, इन्द्रपुरी कॉलोनी, जयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 120 वर्ग गज है। सीमाएं- पूर्व: प्लॉट नं. 66, पश्चिम: प्लॉट नं. 67ए, उत्तर: 30 फीट रोड़, दक्षिण: अन्य भूमि/प्लॉट 5. श्री नीरज कुमार अग्रवाल पुत्र श्री ईश्वर शरण अग्रवाल के नाम साम्यिक बंधक का विस्तार आवासीय सम्पत्ति जो प्लॉट नं. 67ए, ब्रह्मपुरी, इन्द्रपुरी कॉलोनी, जयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 120 वर्ग गज है। सीमाएं- पूर्व: प्लॉट नं. 67, पश्चिम: प्लॉट नं. 68, उत्तर: 30 फीट रोड़, दक्षिण: अन्य भूमि/प्लॉट 6. संयंत्र और मशीनरी और फर्म की अन्य अचल संपत्तियों का दृष्टिबंधक के माध्यम से प्रभार। 7. फर्म के नाम पर स्टॉक और बुक डेब्ट्स का दृष्टिबंधक के माध्यम से प्रभार। 8. फर्म के नाम पर अचल सम्पत्तियों पर विस्तार।

*सरफेसी अधिनियम की धारा 13(3) के अनुसरण में बकाया राशि का विवरण

क्र. सं.	विवरण	राशि (रूपये में)
1.	वसूली प्रमाण पत्र दिनांक 26.09.2022 के अनुसार मांग	4,68,28,006.09/-
2.	दिनांक 26.09.2022 के वसूली प्रमाण पत्र के अनुसार 31.08.2023 को अप्रयुक्त ब्याज @ 10%	1,99,02,196.47/-
3.	ओए (OA) के खर्च	1,51,536/-
	वसूली प्रमाण पत्र दिनांक 26.09.2022 के अनुसार वर्तमान मांग	Rs. 6,68,78,237.28/-

2. आप द्वारा की गयी चूक के परिणामस्वरूप आपका खाता भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों तथा मार्ग निर्देशों के अनुसार दिनांक 31.03.2019 को गैर निष्पादित आस्ति के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया है। हमारे द्वारा बार-बार अनुरोध व मांग करने के बावजूद आपने ब्याज सहित अतिदेय ऋणों का पुनर्भुगतान नहीं किया है।
3. उपर परिच्छेद में वर्णित विभिन्न प्रतिभूतियों द्वारा विधिवत् रूप से रक्षित साख सुविधाओं के बारें में अपनी देयताओं को चुकाने में आपकी अक्षमता तथा आपके खाते को एनपीए के रूप में वर्गीकृत करने के संबंध में हम आपको एतद्द्वारा (वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनः निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन की धारा 13 की उप धारा (2) के अधीन) नोटिस देते है तथा मांग करते है कि इस नोटिस की तारीख से 60 दिन के अन्दर उपर परिच्छेद 1 में वर्णित बैंक को आपकी देयता राशि कुल रू. 6,68,78,237.28 साथ ही ब्याज और कानूनी/अन्य शुल्क/व्यय 01.09.2023 से भुगतान करें और अपनी देयता पूरी करे। हम आपको यह भी नोटिस देते हैं कि भूगतान की तारीख तक ब्याज सहित उपरोक्त राशि का भुगतान करने में असफल रहने पर हमें उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप धारा (4) की अधीन प्रदत्त सभी या किसी भी अधिकार का प्रयोग करने कि छूट होगी।
4. कृपया नोट करे कि प्रत्येक ऋण सुविधा के लिये जब तक कि उसका पूर्ण भुगतान नहीं कर दिया जाता, उपरोक्त परिच्छेद (1) में निर्दिष्ट दर से ब्याज लगना जारी रहेगा।
5. हम आपका ध्यान उक्त अधिनियम की उप धारा 13 की ओर आकर्षित करते है जिसके अनुसार हमारी पूर्व सहमति प्राप्त किये बिना आपको बिक्री, लीज या अन्य (सामान्य Course of Business के अलावा) किसी भी प्रकार से उपरोक्त परिच्छेद 1 में दी गयी रक्षित किसी भी आस्ति का अंतरण करने से वंचित कर दिया गया है। हम यह बताना चाहेंगे कि उक्त अधिनियम की धारा 13(13) में दिये गये उपरोक्त प्रावधान का अनुपालन न करना अधिनियम की धारा 29 के अन्तर्गत एक दण्डनीय अपराध है।
6. हम आपका ध्यान उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) की ओर आकर्षित करते हैं, जिसके अनुसार आप बैंक द्वारा किए गए सभी लागतों, शुल्कों, खर्चों और अद्यतन ब्याज के साथ देय राशि बैंक को भुगतान करके सार्वजनिक नीलामी/उद्धरण आमंत्रित करने/निविदा/निजी संधि के लिए नोटिस के प्रकाशन की तिथि से पहले किसी भी समय सुरक्षित संपत्तियों को पुनः छुड़ा सकते हैं। कृपया ध्यान दें कि उपरोक्त के रूप में नोटिस के प्रकाशन के बाद सुरक्षित संपत्तियों को पुनः छुड़ाने का आपका अधिकार उपलब्ध नहीं होगा।
7. कृपया नोट करें कि यह मांग पत्र हमें प्राप्त अन्य अधिकारों या प्रतिकारों (जिसमें बिना किसी लिमिटेशन के हमारी बकाया राशियों के संबंध में आगे मांग रखने का अधिकार भी शामिल है) को न ही विपरीत रूप से प्रभावित करेगा और न ही उनका परित्याग माना जायेगा।

भवदीय

(प्रताप सिंह मीणा)
मुख्य प्रबन्धक एवं प्राधिकृत अधिकारी

संक्षिप्त

विकास कार्यों का लोकार्पण

मालपुरा (निस)। मालपुरा विधानसभा क्षेत्र की दो ग्राम पंचायतों में बुधवार को विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने नौ करोड की लागत के विकास कार्यों के शिलालेखों का लोकार्पण करते हुए क्षेत्रवासियों को विकास की सौगात दी। देशमा ग्राम पंचायत मे 6 करोड रूपयो की लागत से डामरीकरण सडक सहित विभिन्न विकास कार्यो के शिलालेखों का लोकार्पण किया गया। चाविण्डया ग्राम पंचायत मे सीसी सडक,विद्यालय की चार दिवारी,नाला निर्माण,श्मशान घाट की चार दिवारी व टीनशेड, सार्वजनिक विश्राम स्थली,सहकारी भवन निर्माण व चार दिवारी निर्माण, राजकीय पशु उपस्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण, यात्री प्रतीक्षालय सहित कुल 3 करोड के विकास कार्यो का लोकार्पण किया। लोकार्पण समारोह मे मौजूद ग्रामीणो को सम्बोधित करते हुए विधायक चौधरी ने कहा कि प्रदेश मे कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद उन्होने अथक प्रयासो से विधानसभा क्षेत्र मे विकास कार्य करवाये है।

सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास

पावटा। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत लाडाकाबास में 49 लाख रुपये की लागत से बनने वाली 1.40० कि.मी. लंबी ढाणी खागावाला से ढाणी सुरली ढाणी हेमाला व अमूल दूग्ध पावर प्लाट होते हुए पावर ग्रेड रोड तक सड़क निर्माण कार्य का स्थानीय विधायक इंद्राज गुर्जर ने शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि वे विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और उनका प्रयास समाज के अंतिम पंक्ति में खडे लोगों तक लाभ पहुंचाने का है। वहीं सडक निर्माण कार्य का शिलान्यास से लोगों में हर्ष देखा गया। वही उन्होंने कहा कि नवनिर्मित सडक से क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा होगी। साथ ही क्षेत्र के सभी जर्जर सडकों के निर्माण के लिए चरणबद्ध तरीके से वे प्रयास कर रहे हैं। वहीं उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों के लिए आवागमन के लिए अच्छा मार्ग नहीं होगा तब तक ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ नहीं हो सकती है। ऐसे में अच्छी सडक और कनेक्टिविटी महत्वपूर्ण है।

पशु चिकित्सा अधिकारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी

पशु चिकित्सा अधिकारियों द्वारा एनपीए (नोन प्रेक्टिस अलाउंस) की मांग को लेकर की जा रही हड़ताल जारी रही।

कोटपूतली। पशु चिकित्सा अधिकारियों द्वारा एनपीए (नोन प्रेक्टिस अलाउंस) की मांग को लेकर गत 18 सितंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की जा रही है। पशु चिकित्सकों एवं क्षेत्र की गौशालाओं के पदाधिकारियों ने बुधवार को आर्य समाज, गायत्री परिवार एवं महन्त रामरतन दास महाराज के सानिध्य में ध्यान जी गौशाला चतुर्भुज प्रांगण में सद्बुद्धि यज्ञ किया। यज्ञ गायत्री परिवार के पं. किशन लाल शर्मा व आर्य समाज के मंत्री रमेश कुमार आर्य ने संपन्न करवाया।

■ मांगों को लेकर किया हवन यज्ञ

रमेश कुमार आर्य ने बताया कि मनुष्य का जीवन पशुओं पर निर्भर करता है और उसमें भी गाय बहुत महत्वपूर्ण है। मनुष्य अपनी बीमारी के निदान हेतु अनेक जगह पर निजी ईलाज भी करवा सकता है लेकिन एक पशुपालक अपने पशु के बीमार होने पर उसको कहीं दूर ले जाने में असमर्थ होता है। क्षेत्र में बहुत बड़ी-बड़ी गौशालाएं हैं जिनमें कई हजारों की संख्या में गायें हैं, उन बीमार गायों को देखने के लिए कोई भी डॉक्टर हड़ताल होने के कारण उपस्थित नहीं होता। इसलिए बहुत ही दयनीय स्थिति बनी हुई है। गौशालाओ में अनुदान एवं भौतिक सत्यापन का कार्य भी नहीं हो पा रहा है तथा सरकार द्वारा चलाई गई कामधेनु पशु बीमा योजना पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, क्योंकि मरने वाले पशु का ना तो पोस्टमार्टम हो पा रहा और ना ही स्वास्थ्य का प्रमाण पत्र बन रहा है। पं. किशन लाल शर्मा ने पशु चिकित्सकों की एनपीए की मांग को सही ठहराते हुए सरकार से मांग की है कि एक पशु चिकित्सक को हर ग्राम, ढाणी में दूर दराज भेजकर उनकी सेवाओं का उपयोग दिन-रात लिया जा रहा है इसलिए सरकार को इन्हें एनपीए भत्ता देकर मांगों को अवश्य पूर्ण करना चाहिए जो की बहुत ही जायज मांग है।

किशोरी मेला का आयोजन

लालसोट। उपखंड मुख्यालय स्थित श्री अशोक शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लालसोट में सत्र 2023-24 का युसीईईओ स्तर का बालिका सशक्तिकरण कार्यक्रम के अंतर्गत किशोरी मेला का आयोजन किया गया।

किशोरी मेला में लालसोट शहरी क्षेत्र क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया । मेला प्रभारी मोहन उपाध्याय ने बताया की किशोरी मेला दो श्रेणियां में आयोजित किया गया प्रारंभिक श्रेणी कक्षा 6 से 8 तक एवं माध्यमिक श्रेणी कक्षा 9 से 12 तक प्रत्येक श्रेणी में तीन-तीन जोन बनाए गए, जिसमें प्रारंभिक श्रेणी का परिणाम जोन प्रथम में प्रथम स्थान मेघा सोनी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय लालसोट की छात्रा व जोन सेकंड में पायल महावर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तालेड़ा जमात की छात्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी तरह माध्यमिक श्रेणी के जोन प्रथम में सलोनी महावर महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खोहरापाड़ा , जोन द्वितीय में मोनिका मीणा अशोक शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लालसोट तथा जोन तृतीय में सरस्वती मीणा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तालेड़ा जमात ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिनका 29 सितंबर से आयोजित होने वाले ब्लॉक स्तरीय किशोरी मेला में चयन हुआ है।

सार-समाचार

श्री रामलीला मंचन को लेकर किया बल्ली पूजन

कोटपूतली। श्री रामलीला मंचन को लेकर बुधवार सुबह श्री रामलीला मण्डल के तत्वाधान में कस्बे के आजाद चौक स्थित कचहरी परिसर में श्री रामलीला मंच पर बल्ली पूजन किया गया। इस दौरान समाजिक कार्यकर्ता भास्कर शर्मा के मुख्य आतिथ्य में पं. अनिल शास्त्री द्वारा विधि विधान से वेद मंत्रोच्चार कर पूजा अर्चना करते हुए बल्ली पूजन करवाया । इस दौरान संचालन मंडल के डॉ. मोती लाल स्वामी, हजारी लाल राय, मंडल अध्यक्ष एड. कमलेश मीणा, उपाध्यक्ष भौरे लाल गुर्जर, महामंत्री लालचंद सैन, कोषाध्यक्ष पवन कंसल, कुलदीप जोशी, महेन्द्र शर्मा, रतन लाल राय, कैलाश चंद सैन, रमाकांत शर्मा, मनोज शर्मा, गौरव शर्मा, बालकिशन शर्मा, पप्पु पांचाल व रोहिताश सैनी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

विशाल भण्डारा आज

कोटपूतली। कस्बे के मौहल्ला बुचाहेड़ा नागाजी की गौर स्थित श्री भोमियां जी मंदिर में भोमियां बाबा का विशाल भण्डारा गुरूवार को आयोजित किया जायेगा। इससे पूर्व बुधवार को हजारों की संख्या में महिलाओं द्वारा विशाल कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा के दौरान भव्य झांकियों का प्रदर्शन भी किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालू डी.जे. की धुन पर नाचते गाते रवाना हुये। कलश यात्रा कस्बे के विभिन्न मुख्य मार्गो से होती हुई पुन: श्री भोमियां जी मंदिर परिसर पहुँचकर विसर्जित हुई। इस दौरान कलश यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर मंहत श्री सीताराम दास जी महाराज, लीलाराम सैनी, रामजीलाल सैनी, प्रकाश, राजू, लीलाराम हलवाई, कैलाश सैनी, राकेश सैनी समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालू मौजूद रहे।

हादसे में 4 घायल

श्रीमाधोपुर। कस्बे में अल सुबह एक सड़क हादसे में मारुति कार में सवार तथा बोलेरो के पास खेल रहे बच्चे बाल बाल बच गए अन्यथा कोई बड़ा हादसा हो सकता था। जानकारी के अनुसार फरीदाबाद से मारुति कार में सवार होकर खाटू श्याम दर्शन के लिए आ रहे दर्शनार्थियों की मारुति कार के चालक को नींद की झपकी आने के बाद गाड़ी की गति तेज होने के साथ ही गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी एक बोलेरो गाडी में जा घुसीभिड़ंत इतनी जबरदस्त थी की मारुति कार के आगे का हिस्सा चकनाचूर हो गया। वहीं बोलेरो गाड़ी का भी आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। वही भिडंत इतनी तेज थी कि सड़क से 100 मीटर की दूरी पर जाकर बोलेरो कार की दिशा बदल गई। सड़क हादसे के बाद मारुति कार में सवार फरीदाबाद निवासी चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें होटल संचालक ने अपनी स्वयं की गाडी से सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहां से उनकी स्थिति नाजुक होने पर उन्हें जयपुर रैफर किया गया है। दोनों ही गाड़ियां हरियाणा नंबर की थी। गनीमत यह रही की बोलेरो में सवार सभी सवारिया बोलेरो गाड़ी को सड़क के किनारे खड़ी कर होटल पर चाय पी रहे थे और छोटे-छोटे नन्हे बच्चे बोलेरो गाड़ी के पास ही खेल रहे थे लेकिन गनीमत यह रही थी तेज सरपट दौड़ती हुई आई मारुति कार बोलेरो में ही भिड़ंत होकर रह गई अन्यथा कोई बड़ा हादसा हो सकता था। सड़क हादसे की सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। सड़क हादसे में फरीदाबाद निवासी प्रथम अग्रवाल, हेमलता, नितेश तथा पायल गंभीर रूप से घायल हो गए।

विकास कार्यों की सौगात

लालसोट। प्रदेश के चिकित्सा मंत्री व स्थानीय विधायक परसादी लाल मीणा ने बुधवार को लालसोट विधानसभा क्षेत्र के डीडवाना गांव के वासियों को करीब लगभग 8 करोड़ की सौगात दी। इस दौरान मंत्री महोदय ने करीब 13 शिलान्यास एवम उद्घाटन कार्यक्रम किए। इनमे साढे पाच करोड़ की लागत से निर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन का उद्घाटन सहित महात्मा गांधी विद्यालय धाकड ढाणी व राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कक्षा कक्षों का उद्घाटन, किसान पथ तूंगा लालसोट से धामाली बैरवा ढाणी सड़क का शिलान्यास, पीएचसी से डूंगरी ढाणी सड़क नवीनीकरण का शिलान्यास, साई मोहल्ले में सामुदायिक भवन का उद्घाटन, साई मोहल्ला, पुराने जोगी मोहल्ला व राउमावि से शास्त्री चौक तक इंटरलॉकिंग सड़कों का शिलान्यास तथा नरसिंह मदिर चारदीवारी शिलान्यास सहित अन्य कई सोगाते शामिल है।

नगर पालिका साधारण सभा की बैठक आयोजित

लालसोट। नगर पालिका की साधारण सभा की बैठक में चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा की मौजूदगी में नगर पालिका शहरी क्षेत्र की रिहाईसी कालोनी सहित अन्य जगहों पर हो रहे हैं अवैध बजरी के भंडारण एवं अवैध परिवहन का मुद्दा उठाया गया।

लेकिन पुरा एक हफ्ते से ज्यादा का समय गुजर जाने के बाद भी पुलिस प्रशासन एवं खनिज विभाग के अधिकारियों द्वारा इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। क्षेत्र में ब्राउन गोल्ड के नाम से मशहूर बजरी के अवैध भंडारण पहले तो रिहायशी क्षेत्र से दूर जंगलों में ही हुआ करते थे। लेकिन पुलिस प्रशासन व खनिज विभाग की मिलीभगत कहे या फिर उनकी इस मामले को लेकर उदासीनता की अब नगर पालिका उपखंड मुख्यालय जैसे पोश एवं रिहायसी पब्लिक से भरे क्षेत्र में भी अवैध बजरी के भंडारण एवं परिवहन जमकर हो रहे हैं। नगर पालिका क्षेत्र के गौरव पथ खटवा रोड़ देवली रोड़ आदि कई जगहों पर अवैध बजरी के भंडारण गैर कानूनी तरीके से किए जाते है। इन अवैध बजरी के भंडारणों एवं अवैध परिवहन को लेकर आलम स्तरीय का है कि दिनभर बजरी से भरे ओवरलोड ट्रैक्टर को भरने एवं खाली करने के दौरान बजाने वाली कर्कश आवाज एवं वहां पर मौजूद है सामाजिक तत्व जैसे व्यक्तियों का जमावड़ा वहां के स्थानीय निवासियों खासकर महिलाओं के लिए बड़ी मुसीबत का सबब बना हुआ है। अगर देखा जाए तो पिछले तीन सालों में अवैध बजरी माफिया की तादाद बड़ी है एवं ब्राउन गोल्ड के नाम से मशहूर हुई।

शिलान्यास कराने के बाद सड़क का निर्माण कराना भूले

पावटा। राज्य सरकार ने विराटनगर विधानसभा क्षेत्री इंद्राज गुर्जर की अनुसंशा पर विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के लिए 13 सडकों के लिए 15.53 करोड रुपये की स्वीकृति जारी की है। राज्य सरकार की बजट घोषणा की पालना में विधानसभा क्षेत्र के लिए कुल 3० किलोमीटर लंबी 13 सडके स्वीकृत की है।

जिनमे विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में पावटा से कुनेड 2.5 करोड की की लागत से 2 किमी. लंबी व 3० फुट चौडी सडक का निर्माण कार्य शिलान्यास के दो माह से अधिक समय हो जाने के बाद भी पावटा- कूनेड मार्ग का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। सडक निर्माण में अधिकारियों व ठेकेदार की मनमानी जनता के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। शिलान्यास के अगले ही दिन ठेकेदार के कारिदे सडक निर्माण कार्य को लेकर पुरानी सडक खोदकर छोड रखी है, इस कारण आवागमन मे लोगों व वाहन चालकों को परेशानी होती है।शिलान्यास के दो माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू न होने से ग्रामीणों मे मायूसी है। इस समय पूरा सडक मार्ग क्षतिग्रस्त हाल मे है। वही बारिश मे कई जगह सडक में बने गड्ढों में जलभराव होने से व सडक के खुदा होने के कारण होने वाले कीचड से राहगीरों को भारी परेशानी हो रही है। यहाँ तक कि कई राहगीर व महिलाए इससे गिरकर चोटिल भी हो चुकी है। जनप्रतिनिधियों ने जिस तेजी से मार्ग का शिलान्यास किया था। उससे लगता था कि शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू होने वाला है। लेकिन एक माह बाद भी निर्माण कार्य शुरू न होने से जनता के अरमानों पर पानी फिर गया है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि सडक निर्माण कार्य मे अधिकारी व ठेकेदार लापरवाही बरत रहे हैं।

इस सडक की नियमित मानिटरिग नहीं हो रही है। जिस कारण ठेकेदार के कारिदें सही से काम नहीं कर रहे है। ठेकेदारों की मनमानी के कारण संबंधित अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। वही ग्रामीणों ने बताया कि पावटा से कूनेड को जोडने के कारण इस सडक मार्ग पर हर समय चहल पहल रहती है।

प्रजापति का स्वागत किया

पप्पू लाल प्रजापति के उपाध्यक्ष बनने पर स्वागत किया।

फुलेरा। राजस्थान सरकार द्वारा हाल ही में श्रीयादे माटी कला बोर्ड का नामकरण किया गया है। जिसमें रिक्त चल रहे उपाध्यक्ष के पद पर पीसीसी सदस्य पप्पू लाल प्रजापति को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। गौरतलब है कि उक्त बोर्ड का नाम पूर्व में शिल्प एवं माटी कला बोर्ड था।

जबकि हाल ही में बोर्ड का नाम कुम्हार समाज की कुलदेवी के नाम को जोड़कर श्रीयादे माटी कला बोर्ड कर दिया गया है। इसके लिए समाज ने सरकार का आभार व्यक्त किया। साथ ही उद्योग भवन में आयोजित हुए शपथ ठाहण समारोह के दौरान फुलेरा विधानसभा से प्रजापति समाज के लोगों ने पप्पू लाल प्रजापति को माला, साफा पहनाकर स्वागत अभिनन्दन करते हुए बधाई दी।

साथ बोर्ड में मिलने वाली सभी सुविधाएं समाज के लोगों तक पहुंचाने की अपील की। इस मौके पर श्री भन्दे बालाजी विवाह एवं विकास समिति के अध्यक्ष हुक्माराम प्रजापति, किशन लाल रेवड़िया, चिरंजी लाल प्रजापति, मालीराम प्रजापति, नन्दकिशोर खटोड़, सुभाष प्रजापति, कन्हैया लाल प्रजापति, कानाराम प्रजापति, बाबूलाल प्रजापति, मुकेश प्रजापति सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

उपखंड अधिकारी को सौपा ज्ञापन

पावटा। राज्य सरकार द्वारा ढाणी नोकडिया चौराहा से बागडाला तक नवनिर्मित एमडीआर सडक स्वीकृत किया गया गया है। जिसमे ग्रामीणों द्वारा आवासीय मकानों को बचाकर 5० फुट चौडी एमडीआर सडक को 3० फुट करने को लेकर पावटा उपखंड अधिकारी बी एल स्वामी को ज्ञापन सौपा गया। ज्ञापन सौपते हुए पावटा प्रागपुरा नगरपालिका वाइस चेयरमेन नरपत सिंह सहित ग्रामीणों ने बताया कि ढाणी नोकडिया चौराहा से बागडाला तक रिकॉर्ड मे कोई आम रास्ता भी नही कटा हुआ है।

वही स्वीकृत नवनिर्मित एमडीआर रोड की चौडाई 5० फुट मापी गई है। जबकि आम रास्ते के दोनों तरफ काफी मकान बने हुए है। इस मौके पर राम किशन, गोकुल, रामेश्वर, मक्खन, राजेंद्र, राम सिंह, हनुमान सहाय, नरेश यादव, नवीन सिंह, लालाराम सहित बडी संया मे ग्रामीण मौजूद रहे।

चोरी का खुलासा नहीं

पावटा। क्षेत्र के धार्मिक स्थल सहित कस्बे के व्यापारी की दुकान पर तीन दिन पूर्व हुई चोरी व चोरी के प्रयास के मामले का पुलिस खुलासा नहीं कर पाई है। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद होने के बाद पुलिस चोरों की तलाश में जुटी हुई है। पावटा कस्बे स्टैंड के पास स्थित पुष्पा कॉप्लेक्स मे एक स्पेयर पार्ट्स की दुकान को चोरों ने अपना निशाना बनाकर करीब 5 लाख रुपए के कॉपर वायर व 50 हजार की नगदी चुराकर फरार हो गए थे।

चोरी की वारदात सामने की दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में दिखाई दे रहा है कि 3 पिकअप सवार चोर दुकान का शटर उखाड रहे हैं और दुकान से सामान चुरा रहे हैं। किसी मकान या दुकान में यदि चोरी हो जाए और वहां सीसीटीवी कैमरे नहीं हो तो पुलिस का पीडित को एक ही जवाब- यहां सीसीटीवी कैमरे क्यों नहीं हैं? यदि सीसीटीवी कैमरे होते तो हम चोरों तक पहुंच सकते थे। शहर में एक वर्ष मे कई चोरी की वारदातें हो चुकीं हैं। चोरों का चेहरा सीसीटीवी कैमरों में कैद है। फिर भी पुलिस एक भी चोर को नहीं पकड पाई। चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए समयङ्क्तसमय पर पुलिस थानों में होने वाली बैठकों में पुलिस अधिकारी व्यापारियों, लोगों को अपने प्रतिष्ठानों व घरों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की बात कहते हैं। इसके पीछे अधिकारियों का उद्देश्य रहता है कि यदि कहीं इस प्रकार की घटना हो तो सीसीटीवी फुटेज के आधार आरोपी तक शीघ्र पहुंचा जा सकेगा।लोगों का कहना है कि शहर में कई चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले आरोपी सीसीटीवी कैमरों में कैद हैं।

5 जुआरियों से 47000 रूपये बरामद

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक व अति.पुलिस अधीक्षक एवं वृताधिकारी, सदर थाना अधिकारी व डीएसटी टीम ने जुआ-सट्टा धरपकड अभियान के तहत 2 सट्टोरियो व 5 जुआरियों को जुआ खेलते गिरफ्तार किया गया है। सदर थाना क्षेत्र के पीली तलाई इलाके में स्थित एक मकान से भारत-आस्ट्रेलिया क्रिकेट मेंच पर सट्टा लगाते दो सट्टोरियो को गिरफ्तार कर, उनके कब्जे 1 लाख 160 रूपये राशि व सट्टा उपकरण, 6 मोबाईल व 17 लाख रूपये हिसाब की रसीद बुक जप्त की गई है। इसी प्रकार जुआ खेलते 5 जुआरियों को गिरफ्तार कर अलग-अलग प्रकरण दर्ज किये गये है।

जुआ खेलते शोयब पुत्र सच्चा खां उम्र 30 साल निवासी काफला बाजार, भगवानदास पुत्र घासी उम्र 43 साल निवासी मेहन्दवास गेट, अनिल कुमार पुत्र प्रेमचन्द सींन्धी उम्र 42 साल निवासी हाउसिंग बोर्ड, अभिषेक पुत्र भगवानराम उम्र 48 साल निवासी गौसीयो का मोहल्ला टोक, जाहिद पुत्र फकीर मोहम्म्द उम्र 46 साल निवासी मियो का चौक टोंक को गिरफ्तार किया। इसी प्रकार क्रिकेट मैच पर सट्टा खेलते शोयब पुत्र साहिद उम्र 34 साल निवासी वार्ड न. 21 एवं राजेन्द्र रमेश चन्द महाजन उम्र 45 साल निवासी वार्ड न. 45 पुरानी टोंक को हिरासत में लिया गया है।

मुख्य रोडवेज बस स्टैंड पर बसों के अभाव में स्कूली बच्चों का फूटा आक्रोश

श्रीमाधोपुर कस्बे के मुख्य रोडवेज बस स्टैंड पर स्कूली बच्चों ने प्रदर्शन किया।

श्रीमाधोपुर। कस्बे के मुख्य रोडवेज बस स्टैंड पर स्कूली बच्चों का आक्रोश फूट पड़ा और उन्होंने रोडवेज बस अआगार प्रबंधक के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया।

बसों का संचालन बंद करने पर स्कूली विद्यार्थियों का आक्रोश फूटा और उन्होंने मुख्य बस स्टैंड पर विरोध जताकर विरोध रैली के माध्यम से एसडीएम कार्यालय पहुंचकर पुन:बस संचालन करवाने की मांग को लेकर एसडीएम दिलीप सिंह राठौड को ज्ञापन सोपा। बसों के अभाव में सवारियां घंटों भर बस डिपो में इंतजार कर रही है।

■ मुख्य बस स्टेंड पर रोडवेज बसों को रोककर जाम लगाया

स्कूली बच्चे भी गाडियों के अभाव में बस डिपो पर परेशान हो रहें। जानकारी के अनुसार श्रीमाधोपुर रोडवेज बस स्टैंड कार्यालय पर बसों के अभाव में सवारियां परेशान होकर घंटों इंतजार करने के बाद वापस लौट रही है। कार्यालय अधिकारी जयसिंह मीणा ने बताया कि श्रीमाधोपुर आगार प्रबंधक ने विभिन्न रूटों पर चलने वाली 6 बसों का संचालन बंद कर दिया। जानकारी के अनुसार अगर प्रबंधक अशोक सिंह गुर्जर ने शाहपुरा, जयपुर झुंझुनूं,दादिया तथा कांवट, खण्डेला रूट की 6 बसों का संचालन बंद किया है। गौरतलब है कि पहले श्रीमाधोपुर शाहपुरा रूट पर कुल 8 बसों का संचालन होता था। जो कि बसों का संचालन बाद में 6 हुआ जो कि स्तर गिरते गिरते चार और चार से दो हुआ और वर्तमान में एक हो गया। जिससे समस्या काफी उत्पन्न हो गई।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

क्षेत्रीय दबाव ग्रस्त आस्ति वसूली शाखा, बड़ौदा भवन, द्वितीय तल, 13, एयरपोर्ट प्लाजा, दुर्गापुरा टोंक रोड़, जयपुर-302018, फोन नं.: 0141-2727166, ई-मेल: armjai@bankofbaroda.com

ऋणी को नोटिस

(सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उप-धारा (2) के तहत नोटिस)

स्थान: जयपुर (राज.)
दिनांक: 06.09.2023

1) मैसर्स लक्ष्य इंडस्ट्रीज जरिये प्रोपराईटर श्री नीरज अग्रवाल पुत्र श्री ईश्वर शरण अग्रवाल
i) प्लॉट नं. जे-489 डी, इंडस्ट्रीयल एरिया, झोटवाड़ा विस्तार द्वितीय, सरना डूंगर, जयपुर, राजस्थान
ii) प्लॉट नं. 67 एवं 67ए, इन्द्रापुरी कॉलोनी, ब्रह्मपुरी, जयपुर, राजस्थान
ई-मेल: i) agarwalindustries01@gmail.com
ii) lakshayindustries1@gmail.com
2) श्री नीरज अग्रवाल पुत्र श्री ईश्वर शरण अग्रवाल (प्रोपराईटर)
i) प्लॉट नं. जे-489 डी, इंडस्ट्रीयल एरिया, झोटवाड़ा विस्तार द्वितीय, सरना डूंगर, जयपुर, राजस्थान
ii) प्लॉट नं. 67 एवं 67ए, शिवाजी नगर, इन्द्रापुरी, ब्रह्मपुरी, जयपुर, राजस्थान
ई-मेल: i) agarwalindustries01@gmail.com
ii) lakshayindustries1@gmail.com

प्रिय महोदय,
विषय- वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (सरफेसी अधिनियम 2002) की धारा 13(2) के तहत नोटिस।

1. हमारे पत्र दिनांक 10.08.2017 का संदर्भ लें जिसमें विभिन्न ऋण सुविधाओं की स्वीकृति तथा स्वीकृति की शर्तें सूचित की गयी थी। उपरोक्त स्वीकृति के अनुसार इसके लिये प्रतिभूति उपलब्ध करवाकर, जैसा कि इसके बाद उल्लेख किया गया है, आपने ऋण सुविधायें प्राप्त की और उनका उपयोग प्रारम्भ कर दिया। वर्तमान में विभिन्न ऋण/साख सुविधा खातों में बकाया तथा इन देयताओं के लिये निर्मित रक्षित हित निम्नानुसार है-

सुविधा का स्वरूप व प्रकार	सीमा (लाखों में)	ब्याज की दर	दिनांक 31.08.2023 को बकाया राशि	बैंक के पास प्रभारित प्रतिभूतियों का संक्षिप्त विवरण
नकद साख सीमा 07100500000212 नकद साख सीमा	रू. 550 लाख	[illegible]	रू. 9,11,89,522.73 साथ ही ब्याज और कानूनी/ अन्य शुल्क/ व्यय दिनांक 01.09.2023 से	1. मैसर्स लक्ष्य इंडस्ट्रीज जरिये प्रोपराईटर श्री नीरज अग्रवाल पुत्र श्री ईश्वर शरण अग्रवाल के नाम साम्यिक बंधक औद्योगिक प्लॉट नं. जे-489 (डी) जो इंडस्ट्रीयल एरिया, झोटवाड़ा विस्तार फेज-द्वितीय, सरना डूंगर, जयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग मीटर है। सीमाएं- पूर्व: रोड़, पश्चिम: एच-487सी, उत्तर: जे-490ए, दक्षिण: जे-489सी 2. श्री नीरज कुमार अग्रवाल पुत्र श्री ईश्वर शरण अग्रवाल के नाम साम्यिक बंधक आवासीय सम्पत्ति जो प्लॉट नं. 67, ब्रह्मपुरी, इन्द्रपुरी कॉलोनी, जयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 120 वर्ग गज है। सीमाएं- पूर्व: प्लॉट नं. 66, पश्चिम: प्लॉट नं. 67ए, उत्तर: 30 फीट रोड़, दक्षिण: अन्य भूमि/प्लॉट 3. श्री नीरज कुमार अग्रवाल पुत्र श्री ईश्वर शरण अग्रवाल के नाम साम्यिक बंधक आवासीय सम्पत्ति जो प्लॉट नं. 67ए, ब्रह्मपुरी, इन्द्रपुरी कॉलोनी, जयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 120 वर्ग गज है। सीमाएं- पूर्व: प्लॉट नं. 67, पश्चिम: प्लॉट नं. 68, उत्तर: 30 फीट रोड़, दक्षिण: अन्य भूमि/प्लॉट 4. संयंत्र और मशीनरी और फर्म की अन्य अचल संपत्तियों का दृष्टिबंधक के माध्यम से प्रभार। 5. फर्म के नाम पर स्टॉक और बुक डेब्ट्स का दृष्टिबंधक के माध्यम से प्रभार। 6. फर्म के नाम पर अचल सम्पत्तियों पर विस्तार।
सावधि ऋण-I 07100600001642	रू. 26.50 लाख	[illegible]	रू. 31,35,224.39 साथ ही ब्याज और कानूनी/ अन्य शुल्क/ व्यय दिनांक 01.09.2023 से	
सावधि ऋण-II 07100600001643	रू. 50.00 लाख	[illegible]	रू. 75,66,689.38 साथ ही ब्याज और कानूनी/ अन्य शुल्क/ व्यय दिनांक 01.09.2023 से	
कुल			रू. 10,18,91,436.50 साथ ही ब्याज और कानूनी/ अन्य शुल्क/ व्यय दिनांक 01.09.2023 से	

*सरफेसी अधिनियम की धारा 13(3) के अनुसरण में बकाया राशि का विवरण

क्र. सं.	खाता नं.	दिनांक 31.03.2019 को बकाया राशि (रूपये में)	ब्याज दिनांक 01.04.2019 से 31.08.2023 तक	दंडात्मक ब्याज दिनांक 01.04.2019 से 31.08.2023 तक	कुल
1	07100500000212 नकद साख सीमा	5,65,96,515/-	2,84,17,905.59/-	61,75,102.14/-	9,11,89,522.73/-
2	सावधि ऋण-I 07100600001642	19,45,868/-	9,77,047.67/-	2,12,308.72/-	31,35,224.39/-
3	सावधि ऋण-II 07100600001643	46,96,244/-	23,58,050.11/-	5,12,395.27/-	75,66,689.38/-
	कुल	6,32,38,627/-	3,17,53,003.37/-	68,99,806.13/-	10,18,91,436.50/-

2. आप द्वारा की गयी चूक के परिणामस्वरूप आपका खाता भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों तथा मार्ग निर्देशों के अनुसार दिनांक 31.03.2019 को गैर निष्पादित आस्ति के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया है। हमारे द्वारा बार-बार अनुरोध व मांग करने के बावजूद आपने ब्याज सहित अतिदेय ऋणों का पुनर्भुगतान नहीं किया है।
3. उपर परिच्छेद में वर्णित विभिन्न प्रतिभूतियों द्वारा विधिवत् रूप से रक्षित साख सुविधाओं के बारें में अपनी देयताओं को चुकाने में आपकी अक्षमता तथा आपके खाते को एनपीए के रूप में वर्गीकृत करने के संबंध में हम आपको एतद्द्वारा (वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुन: निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन एक्ट 2002 की प्रवर्तन की धारा 13 की उप धारा (2) के अधीन) नोटिस देते है तथा मांग करते है कि इस नोटिस की तारीख से 60 दिन के अन्दर उपर परिच्छेद 1 में वर्णित बैंक को आपकी देयता राशि कुल रू. 10,18,91,436.50/- साथ ही ब्याज और कानूनी/अन्य शुल्क/व्यय 01.09.2023 से भुगतान करें और अपनी देयता पूरी करे। हम आपको यह भी नोटिस देते हैं कि भूगतान की तारीख तक ब्याज सहित उपरोक्त राशि का भुगतान करने में असफल रहने पर हमें उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप धारा (4) की अधीन प्रदत्त सभी या किसी भी अधिकार का प्रयोग करने कि छूट होगी।
4. कृपया नोट करे कि प्रत्येक ऋण सुविधा के लिये जब तक कि उसका पूर्ण भुगतान नहीं कर दिया जाता, उपरोक्त परिच्छेद (1) में निर्दिष्ट दर से ब्याज लगना जारी रहेगा।
5. हम आपका ध्यान उक्त अधिनियम की उप धारा 13 की ओर आकर्षित करते है जिसके अनुसार हमारी पूर्व सहमति प्राप्त किये बिना आपको बिक्री, लीज या अन्य (सामान्य Course of Business के अलावा) किसी भी प्रकार से उपरोक्त परिच्छेद 1 में दी गयी रक्षित किसी भी आस्ति का अंतरण करने से वंचित कर दिया गया है। हम यह बताना चाहेंगे कि उक्त अधिनियम की धारा 13(13) में दिये गये उपरोक्त प्रावधान का अनुपालन न करना अधिनियम की धारा 29 के अन्तर्गत एक दण्डनीय अपराध है।
6. हम आपका ध्यान उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) की ओर आकर्षित करते हैं, जिसके अनुसार आप बैंक द्वारा किए गए सभी लागतों, शुल्कों, खर्चों और अद्यतन ब्याज के साथ देय राशि बैंक को भुगतान करके सार्वजनिक नीलामी/उद्धरण आमंत्रित करने/निविदा/निजी संधि के लिए नोटिस के प्रकाशन की तिथि से पहले किसी भी समय सुरक्षित संपत्तियों को पुन: छुडा सकते हैं। कृपया ध्यान दें कि उपरोक्त के रूप में नोटिस के प्रकाशन के बाद सुरक्षित संपत्तियों को पुन: छुडाने का आपका अधिकार उपलब्ध नहीं होगा।
7. कृपया नोट करें कि यह मांग पत्र हमें प्राप्त अन्य अधिकारों या प्रतिकारों (जिसमें बिना किसी लिमिटेशन के हमारी बकाया राशियों के संबंध में आगे मांग रखने का अधिकार भी शामिल है) को न ही विपरीत रूप से प्रभावित करेगा और न ही उनका परित्याग माना जायेगा।

भवदीय

(प्रताप सिंह मीणा)
मुख्य प्रबन्धक एवं प्राधिकृत अधिकारी

'वह एक महान खिलाड़ी के साथ विनम्र व्यक्ति भी है। हम सभी भाग्यशाली थे कि हमें उसके साथ खेलने का मौका मिला और हमने उससे बहुत कुछ सीखा। वह सभी के लिए एक आदर्श है। सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि (महेन्द्र सिंह) धोनी, (विराट) कोहली, रोहित शर्मा और सभी दूसरे खिलाड़ियों उनका नाम लेते हैं।'' - मोहम्मद कैफ

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, सचिन तेंदुलकर के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

हिटमैन के नाम से मशहूर रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में अलग ही मूड में नजर आए। राजकोट के मैदान पर 353 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरे रोहित ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने महज 31 गेंदों में फिफ्टी पूरी कर ली। हालांकि, रोहित शतक से चूक गए। उन्होंने 57 गेंदों का सामने करने के बाद 81 रन जुटाए। उन्होंने अपनी पारी में 5 चौके और 6 छक्के लगाए। रोहित ने छक्कों की बारिश कर अपना नाम रिकॉर्ड्स बुक में दर्ज करवा लिया है। चलिए, आपको रोहित द्वारा बनाए गए पांच धांसू रिकॉर्ड के बारे में बताते हैं।

क्या आप जानते हैं ?... गोल्फ एकमात्र ऐसा खेल है जिसे चांद पर भी खेला गया है। 6 फरवरी, 1971 को एलन शेफर्ड नामक अंतरिक्ष यात्रा ने चन्द्रा पर गोल्फ के दो स्ट्रोक खेले।

टेनिस : रामकुमार रामनाथन और साकेत माइनेनी ने युगल में पक्का किया पदक

हांगझाउ, 27 सितंबर। भारत के टेनिस खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन और साकेत माइनेनी ने एशियाई खेल 2023 में पुरुष युगल क्वार्टरफाइनल में चीन के वू यिबिंग और झांग झिझेन की जोड़ी के खिलाफ 6-1, 7-6 से जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने हांगझोऊ में कम से कम एक कांस्य पदक पक्का कर लिया है। इस मैच में रामनाथन-मायनेनी ने पहला सेट आसानी से जीत लिया, वहीं चीनी जोड़ी ने दूसरा सेट टाईब्रेकर तक खींचने की कोशिश की। हालांकि, भारतीय जोड़ी ने आखिरी गेम 10-8 से जीतते हुए मैच को जीत लिया। रामकुमार रामनाथन और साकेत माइनेनी सेमीफाइनल में सेओंगचान होंग और सूनवू क्वोन की जोड़ी से भिड़ेंगे, जिन्होंने पांचवीं वरीयता प्राप्त शिंजी हजावा और काइतो उएसुगी की जापानी जोड़ी को हराया।

हॉकी इंडिया सब जूनियर में झारखंड, मणिपुर और ओडिशा को मिली जीत

रांची, 27 सितंबर। झारखंड में पहली हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरुष और महिला ईस्ट जोन चैंपियनशिप 2023 के चौथे दिन बुधवार को झारखंड, मणिपुर और ओडिशा ने अपने-अपने मैचों में जीत दर्ज की। दिन के पहले मैच में हॉकी झारखंड ने सब जूनियर महिला वर्ग के पूल ए में असम हॉकी को 24-0 के बड़े स्कोर से हराया जबकि दिन के दूसरे मैच में मणिपुर हॉकी ने हॉकी बिहार को 8-2 से हराया। तीसरे मैच में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने हॉकी बंगाल को 12-0 से हराया। सब जूनियर पुरुष वर्ग के पूल ए में दिन के चौथे मैच में हॉकी झारखंड ने असम हॉकी को 10-0 से हराया। दिन के पांचवें मैच में सब जूनियर पुरुष वर्ग के पूल ए में मणिपुर हॉकी ने हॉकी बिहार को 3-0 से हराया। दिन के आखिरी मैच में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने सब जूनियर पुरुष वर्ग के पूल ए में हॉकी बंगाल को 13-0 से हराया।

तमीम इकबाल के बग़ैर विश्व कप में उतरेगा बांग्लादेश

ढाका, 27 सितंबर। पीठ की चोट से उबर रहे बांग्लादेश के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज तमीम इकबाल को विश्व कप के लिये चुनी गयी 15-सदस्यीय टीम में जगह नहीं दी गई है। ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो के अनुसार तमीम ने दो दिन पहले ही चयनकर्ताओं को अपनी पीठ दर्द के बारे में आगाह किया था और कहा था कि टीम चुनने से पहले वे इसका ध्यान रखें। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने हालांकि इसका कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण नहीं दिया और उन्होंने प्रेस कॉन्फ़्रेंस की बजाय सोशल मीडिया पर टीम चयन की जानकारी दी। उन्होंने पहले कहा था कि टीम चयन मंगलवार शाम 5:45 तक हो जाएगा, लेकिन फिर यह बांग्लादेश-न्यूज़ीलैंड आख़िरी वनडे ख़त्म हो जाने के बाद हुआ। तमीम ने न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ दूसरे वनडे के दौरान 44 रन बनाए थे। यह संन्यास से वापसी के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी पहली पारी थी। इस मैच से पहले तमीम ने पीठ दर्द की शिकायत की थी। इस कारण उन्हें तीसरे वनडे के लिए आराम दिया गया था। बाक़ी बांग्लादेशी दल के चुनाव में कोई आश्चर्यजनक फ़ैसले नहीं लिए गए हैं। शाकिब अल हसन टीम के कप्तान और लिटन दास टीम के उपकप्तान हैं। तंज़ीद हसन, लिटन के साथी सलामी बल्लेबाज़ होंगे, जबकि नजमुल हसन शांतो नंबर तीन पर खेलेंगे। शाकिब, तौहीद हृदय और मुश्फ़िकुर रहीम मध्यक्रम की ज़िम्मेदारी संभालेंगे, जबकि निचले मध्यक्रम में महमूदुल्लाह के साथ मेहदी हसन मिराज़ और महेदी हसन रहेंगे। बांग्लादेश के पास तेज़ गेंदबाज़ी क्रम में तस्कीन अहमद, शोरीफ़ुल इस्लाम, हसन महमूद, मुस्ताफ़िज़ुर रहमान और तंज़ीम हसन हैं। बाएं हाथ के स्पिनर नसुम अहमद, मेहदी, महेदी और शाकिब के साथ स्पिन विभाग की ज़िम्मेदारी संभालेंगे।

स्पेशल ओलंपिक्स भारत ने चुनाव प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की

नई दिल्ली, 27 सितंबर। स्पेशल ओलंपिक भारत (एसओ भारत) ने मंगलवार को आयोजित वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में कार्यकारी समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों के त्रिवार्षिक चुनाव को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया। निर्वाचक मंडल में राज्य समितियों के निर्वाचित सदस्य शामिल थे, जो अपने-अपने राज्यों में इसी तरह की प्रक्रिया से गुजर कर आए थे। चुनाव कराने वाले प्रत्येक राज्य ने निर्वाचक मंडल बनाने के लिए दो प्रतिनिधियों के नामों की सिफारिश की। डॉ. मल्लिका नड्डा को अध्यक्ष, चित्रा शाह और पवन कुमार पटोदिया को उपाध्यक्ष चुना गया। इसी तरह डॉ. डीजी चौधरी को महासचिव और उपासना अरोड़ा को एसओ भारत का कोषाध्यक्ष चुना गया। साथ ही साथ तीन स्पेशल एथलीटों को भी चुना गया, जिन्होंने स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड गेम्स में पदक हासिल किए थे। डॉ. मल्लिका नड्डा ने कहा, एक टीम के तौर पर हमें बौद्धिक विकलांग व्यक्तियों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए भारत में इस आंदोलन को मजबूत और विस्तारित करने के लिए हाथ मिलाना चाहिए और इसे पूरा समर्थन देना चाहिए। एथलीट हमारे इस आंदोलन का केंद्र हैं और हमारा काम उनको अपने दैनिक जीवन में एक ठोस परिवर्तन का अनुभव कराने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि पदाधिकारियों के तौर पर हमारा मिलना एथलीटों एक उत्पादक और सुलभ भविष्य प्रदान करे।

रोहित-कोहली का अर्द्धशतक बेकार, कंगारुओं ने जीता तीसरा वनडे

भारत का सीरीज पर कब्जा

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। भारतीय टीम ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा और आखिरी वनडे गंवाया। भारत को राजकोट के मैदान पर 66 रन से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने 353 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में भारतीय पारी 49.4 ओवर में 286 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ग्लेन मैक्सवेल ने कातिलाना गेंदबाजी की। उन्होंने 10 ओवर में 40 रन देकर 4 अहम विकेट चटकाए। कप्तान रोहित शर्मा ने 57 गेंदों में 5 चौकों और 6 छक्कों की बदौलत 81 रन की पारी खेली। विराट कोहली ने 61 गेंदों में 56 रन बनाए। उन्होंने 5 चौके और 1 छक्काजमाया। हालांकि, भारत 2-1 से सीरीज अपने नाम करने में कामयाब रहा। भारत ने पहले वनडे में 5 और दूसरे मैच में 99 रन से जीत हासिल की थी।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने अच्छा आगाज किया। रोहित और वॉशिंगटन सुंदर (30 गेंदों में 18) ने पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े। सुंदर 10वें ओवर में आउट हुए। रोहित और कोहली ने दूसरे विकेट के लिए 70 रन की पार्टनरशिप की। रोहित ने 21वें और कोहली ने 27वें ओवर में अपना विकेट खोया। तीनों मैक्सवेल के जाल में फंसे। श्रेयस अय्यर (43 गेंदों में 48, एक चौका, दो छक्के) और केएल राहुल (30 गेंदों में 26, दो चौके) ने चौथे विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी और भारत को 220 के पार पहुंचाया। सूर्यकुमार यादव (8) का बल्ला नहीं चला। मैक्सवेल ने अय्यर को 39वें ओवर में बोल्ड किया। इसके बाद, भारत की हालत लगातार खस्ता होती चली गई। रविंद्र जडेजा (36 गेंदों में 35, तीन चौके, एक सिक्स) को दूसरे छोर से साथ नहीं मिला। जोश हेजलवुड ने दो जबकि मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस, कैमरून ग्रीन और तनवीर सांघा ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने निर्धारित 50 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 352 रन जुटाए। सलामी बल्लेबाज मिशेल मार्श ने सर्वाधिक रन बनाए। उन्होंने 84 गेंदों में 13 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 96 रन की पारी खेली।

भारत ने दो स्वर्ण समेत सात पदकों पर लगाया निशाना

हांगझोउ, 27 सितंबर। 19वें एशियाई खेलों के चौथे दिन बुधवार को भारत ने निशानेबाजी स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य सहित सात पदक जीत लिये। मनु भाकर, ईशा सिंह और रिद्म सांगवान की तिकड़ी को महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में पहला स्वर्ण पदक मिला। इसके बाद 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत की सफ्टि कौर सामरा ने दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया। सिफ्ट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 469.6 अंक का स्कोर करते हुए व्यक्तिगत स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता, जो नया विश्व रिकॉर्ड है।

सिफ्ट कौर सामरा ने नीलिंग में 154.6, प्रोन में 157.9 और स्टैंडिंग एलिमिनेशन में 157.1 का स्कोर बना कर महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3पी में क्यूनग्यू झांग चीन को 7.3 अंकों के आसान अंतर से हराया। भारत की कांस्य पदक विजेता आशी चौकसे रजत पदक जीतने की रेस में थीं, लेकिन उनके आखिरी शॉट में 8.9 से नीचे के स्कोर के कारण क्यूनग्यू झांग ने रजत पदक अपने नाम किया और उन्हे कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। क्वालीफाइंग राउंड में, सिफ्ट कौर सामरा ने 594 (28) के स्कोर के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि आशी चौकसे 590 (24) के साथ छठे स्थान पर रहीं और मानिनी कौशिक 580 (28) के साथ 18वें स्थान पर रहीं। भारत की तिकड़ी ने क्वालीफाइंग राउंड में अपने क्युमुलेटिव स्कोर 1764 के दम पर टीम रजत पदक जीता। चीन (1773) और कोरिया गणराज्य (1756) ने क्रमशः स्वर्ण और कांस्य पदक हासिल किया।

मनु भाकर, ईशा सिंह और रिदम सांगवान की भारतीय महिला 25 मीटर पिस्टल टीम ने 1759 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। चीन (1756) और दक्षिण कोरिया (1742) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक अपने नाम किया।

मनु भाकर क्वालीफाइंग राउंड में 590 (28) के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान पर रहीं, जबकि ईशा सिंह ने 586 (17) के स्कोर के साथ पांचवां स्थान हासिल किया। रिदम सांगवान 583 (23) के साथ सातवें स्थान पर रहीं। ज्ञातव्य है कि व्यक्तिगत स्पर्धा में एक देश से केवल दो ही निशानेबाज अंतिम आठ में पहुंच सकते हैं इसलिए रिदम सांगवान जगह बनाने से चूक गईं।

मोदी ने टीम को दी बधाई

नयी दिल्ली, 27 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को एशियाई खेलों में 25 मीटर पिस्टल महिला टीम को स्वर्ण और 50 मीटर राइफल महिला टीम को रजत पदक जीतने पर बधाई दी है। मोदी ने आज सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पर लिखा, भारत के लिए एक अनुकरणीय स्वर्ण। 25 मीटर पिस्टल महिला टीम को बधाई, जिसमें मनु भास्कर, रिद्म सांगवान और ईशा सिंह शामिल हैं, उनकी शानदार जीत के लिए! उनके उल्लेखनीय टीमवर्क से अच्छे परिणाम मिले हैं। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएँ। उन्होंने 50 मीटर राइफल महिला टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली खिलाड़ियों को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि महिला खिलाड़ियों ने असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

एशियन खेलों में इतिहास रचने वाली सिफत को पंजाब सरकार ने दी बधाई

चंडीगढ़, 27 सितम्बर। पंजाब के खेल मंत्री गुरमीत सिह ने एशियाई खेलों में निशानेबाजी में कीर्तिमान रचने वाली सिफत कौर समरा तथा पुरूषों के स्किट मुकाबलो में पंजाब के अंगद वीर सिंह बाजवा और गुरजोत सिंह खंगूड़ा के कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी है। सिंह ने कहा कि निशानेबाजों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से राज्य और देश का नाम रोशन किया है। पंजाब को खेल में फिर देश का अग्रणी राज्य बनाने के सपने को सिफत जैसी खिलाड़ी ही पूरा करेंगी। पंजाब के खिलाड़ी एशियन खेल में निरंतर बढ़िया प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होने कहा कि सिफत की यह उपलब्धि पंजाब में नयी उम्र के खिलाड़ियों विशेषकर लड़कियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। उन्होंने इस उपलब्धि का सेहरा निशानेबाजों की कड़ी मेहनत और उनके माता-पिता तथा प्रशिक्षकों सिर बांधा। एशियन खेलों की तैयारी के लिए पंजाब सरकार ने राज्य के सभी खिलाड़ियों को 8-8 लाख रुपए का चैक सौंपा था।

एशियाई खेल : भारतीय महिला हॉकी टीम ने सिंगापुर को 13-0 से हराया

हांगझोउ, 27 सितंबर। सविता पूनिया की अगुवाई वाली भारतीय महिला हॉकी टीम ने बुधवार को संगीता कुमारी की हैट्रिक और साथी खिलाड़ियो के शानदार खेल की बदौलत सिंगापुर को 13-0 से हरा दिया है। चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में पूल ए में भारत बनाम सिंगापुर महिला हॉकी मुकाबले में संगीता ने 23वे, 53वें, 47वें मिनट में तीन गोल किये जबकि नवनीत कौर ने 14वें मिनट में लगातार दो गोल दागे। भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में ही बैक-टू-बैक पांच गोल कर सिंगापुर की टीम को दबाव में ला दिया। खेल के पहले 15 मिनट में भारतीय खिलाड़ी नवनीत कौर ने लगातार दो गोल किए, जिसके बाद भारत की बढ़त 5-0 होगी। नवनीत कौर के अलावा खेल के पहले क्वार्टर में उदिता, सुशीला चानू और दीपिका ने भी 1-1 गोल अपने नाम किए। दूसरे क्वार्टर भी भारतीय टीम ने तीन और गोल कर मैच में बड़ी बढ़त हासिल कर ली। इस दौरान भारत की ओर से दीप ग्रेस एक्का और नेहा ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया तो वहीं संगीता कुमारी ने फील्ड गोल किया। इस तरह पहले हाफ की समाप्ति पर भारतीय महिला टीम ने 8-0 से अपनी बढ़त बरकरार रखी। दूसरे हाफ में भी सविता पूनिया एंड कंपनी बेहतरीन फॉर्म में नज़र आई और तीसरे क्वार्टर में एक और गोल किया। इस बार सलीमा टेटे ने मुकाबले के 35वें मिनट में बेहतरीन फील्ड गोल किया। इस बीच मुकाबले के 47वें मिनट में भारत की संगीता कुमारी ने एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर भारत की बढ़त को दहाई आंकड़े तक पहुंचा दिया। भारत की मोनिका ने 52वें मिनट में तो 53वें मिनट में संगीता कुमारी ने विपक्षी गोलकीपर को चकमा देते हुए बेहतरीन गोल किया। इस गोल के साथ भारतीय महिला टीम ने मैच के आख़िर तक 13-0 से अपनी बढ़त बरकरार रखी। भारत का अब अगला मुकाबला 29 सितंबर को मलेशिया से होगा।

बालाजी क्लब ने जीता डे नाईट क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब

मालपुरा, 27 सितम्बर। जय श्री राम क्रिकेट क्लब के तत्वाधान मे सीनियर सैकेण्डरी स्कुल मालपुरा खेल मैदान पर आयोजित तृतीय डे नाईट क्रिकेट प्रतियोगिता के हुए कडे मुकाबलो मे बालाजी क्रिकेट क्लब ने प्रतियोगिता का खिताब जीता। आयोजक बनवारी लाल सोनी ने बताया कि प्रतियोगिता के समापन पर कोमल पैराडाईज सभागार मे समारोह आयोजित किया गया। पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी, युवा नेता गोपाल गुर्जर, समाजसेवी जीएल चौधरी, रामजीलाल शर्मा, पूर्व पालिका अध्यक्ष सुभाष गालव, थानाधिकारी भागीरथ सिंह ने बतौर अतिथि शिरकत करते हुए प्रतियोगिता की प्रथम विजेता बनी बालाजी क्रिकेट क्लब व उपविजेता रही जय श्री राम क्रिकेट क्लब को ट्रॉफी व भगवान श्री राम का चित्र भेंट कर खिलाडियो का उत्साहवर्धन किया।

विश्व कप से कम कुछ भी मंजूर नहीं : बाबर आजम

इस्लामाबाद, 27 सितंबर। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने बुधवार को कहा कि उनकी टीम का लक्ष्य विश्व कप को घर लाना है और टीम के सभी सदस्यों को इससे कम कुछ भी मंजूर नहीं है। भारत रवाना होने से पहले बाबर ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा पाकिस्तान 2019 विश्व कप में अंतिम चार में जगह बनाने में विफल रही थी मगर इस बार टीम अंतिम चार में पहुंचने के बारे में ही नहीं बल्कि विश्व कप को अपने कब्जे में लेने के लक्ष्य के साथ जा रही है। हमे यह नहीं भूलना चाहिये कि उनकी टीम हालिया समय में विश्व की नंबर एक टीम थी।

उन्होने कहा, टॉप फ़ोर तो बहुत छोटा लक्ष्य होगा। हम यह टूर्नामेंट जीतना चाहते हैं। हमने विश्व कप से पहले कोई कैंप नहीं रखा क्योंकि हम लगातार खेलते आएं हैं। हमने खिलाड़ियों को ताज़ा रखने के लिए उन्हें विश्राम दिया। एशिया कप के आख़िरी दो मुक़ाबलों से पहले तक हम बढ़िया खेल रहे थे। हमने सही डेलिवर नहीं किया, लेकिन अपनी ग़लतियों से काफ़ी कुछ सीखने को मिला है। एशिया कप अलग था। विश्व कप अलग होगा।

विश्व कप से पहले पाकिस्तान के लिए मैदान पर और उसके बाहर कई विवाद उत्पन्न हुए हैं। भारत से बड़ी हार के बाद नसीम शाह और हारिस रउफ़ को लगी चोटों ने टीम को परेशान किया। शादाब ख़ान के फ़ॉर्म गंवाने से पाकिस्तान को फ़हीम अशरफ़ की जगह लेग स्पिनर उसामा मीर को टीम में शामिल करना पड़ा। इसके अलावा भारतीय वीज़ा मिलने में देरी के चलते टीम को दुबई में एक 'बॉन्डिंग' कैंप को रद्द करना पड़ा। ऊपर से बोर्ड और खिलाड़ियों के बीच केंद्रीय अनुबंधों को लेकर अब चार लगातार महीने तक असहमति बनी हुई है।

बाबर ने कहा, हम इस बाहर के शोर को ब्लॉक करते हुए 100 प्रतिशत एकाग्रता पर ध्यान देते हैं। मैं कोशिश करता हूं कि यह शोर कभी ड्रेसिंग रूम तक नहीं पहुंचे। वीज़ा मिल गए हैं और मुझे उम्मीद है अनुबंधों की बात भी जल्दी ही सुलझ जाएगी। ड्रेसिंग रूम में कोई मनमुटाव नहीं है। किसी भी हार के बाद बहस होना लाज़मी है, लेकिन इसे मीडिया में अलग रंग दे दिया जाता है। टीम एक परिवार की तरह है और सब खिलाड़ियों के बीच स्नेह और सम्मान है।

अहमदाबाद में 14 अक्टूबर को भारत से मुकाबले को लेकर उन्होने कहा अहमदबाद के खचाखच भरे मैदान में खेलने में मुझे बहुत मज़ा आएगा। बड़े टूर्नामेंट में आपके पास बड़ा मौक़ा भी रहता है। विश्व कप में अच्छा परफ़ॉर्मेंस आपको हीरो बना सकता है। ऐसे पटल पर अच्छा करने की बात ही कुछ और है। हालांकि यहां अच्छा करने के लिए दबाव ना लेना ज़रूरी है। उन्होने कहा, मुझे व्यक्तिगत प्रदर्शन में कोई रूचि नहीं है। मैं यह चाहता हूं कि मैं जितने भी रन बनाऊं, वह टीम के काम आए।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री मदन सिंह पुत्र श्री रामसिंह निवासी ए-113-ए, पटेल नगर सिवार मोड, बिन्दायका, जयपुर का पुत्र उपदेशश्वर सिंह सिसोदिया व उनकी पुत्रवधु श्रीमती मीनाक्षी उर्फ नन्दिनी कंवर उनके कहने में नहीं है। मेरे अभिभाष्य ने अपने पुत्र उपदेशश्वर सिंह सिसोदिया व उनकी पुत्रवधु श्रीमती मीनाक्षी उर्फ नन्दिनी कंवर को अपनी समस्त चल व अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है। यदि कोई भी व्यक्ति या संस्था उपदेशश्वर सिंह सिसोदिया व श्रीमती मीनाक्षी उर्फ नन्दिनी कंवर से किसी भी प्रकार का कोई लेन-देन या संव्यवहार करती है तो वे उसके स्वयं जिम्मेदार रहेंगे इससे मेरे अभिभाष्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। सूचित रहे।
जयपुर जितेन्द्र भरद्वाज, एडवोकेट
दिनांक- 27.09.2023 मो.नं.-9829095020

कार्यालय ग्राम पंचायत सिरोली प.स. सांगानेर, जयपुर
क्रमांकः 229 ऑनलाइन निविदा सूचना 05/2022-23 दिनांकः- 26.09.2023
ग्राम पंचायत सिरोली में निर्माण कार्यों के लिए राजस्थान पंचायतीराज नियम 181 के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई- प्रोक्योंमेंट प्रक्रिया से वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है विस्तृत विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड/अपलोड की जा सकती है।
NIB NO- PEZ2324A0117 UBN NO- PEZ2324WSOB00155 to 156
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत सिरोली — सरपंच, ग्राम पंचायत सिरोली

उत्तर पश्चिम रेलवे G20
ई-ऑक्शन आमंत्रित करने की सूचना
उक्त सन्दर्भ में स्टेशन पर विज्ञापन/पार्किंग स्टैंड/रेल कोच रेस्टोरेंट के ठेके हेतु ई-ऑक्शन आमंत्रित की गई है। कैटलॉग IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित किए जा चुके हैं। **कार्य का नामः** (1) जोधपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर वाणिज्य विज्ञापन हेतु आउट ऑफ होम, रेल डिस्प्ले नेटवर्क आदि का ई-ऑक्शन (2) जोधपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर पार्किंग स्टेण्ड हेतु ई-ऑक्शन, (3) जोधपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर रेल कोच रेस्टोरेंट हेतु ई-ऑक्शन, **कार्य की अवधिः** (1) विज्ञापन -3 वर्ष, (2) पार्किंग-3 वर्ष, (3) रेल कोच रेस्टोरेंट- 5 वर्ष, **लॉट के ई-ऑक्शन प्रारम्भ की तिथि एवं समय :** 1. ADVT: (1) OOH-JU-22 दिनांक 10.10.2023 को 11:00 बजे से, (2) RDN-ND-JU-16 दिनांक 16.10.2023 को 11:00 बजे से, 2. PARKING: (1) Parking-JU-26 दिनांक 10.10.2023 को 15:00 बजे से, 3. RAIL COACH RESTAURANT: (1) RCR-JU-02 दिनांक 11.10.2023 को 15:00 बजे से, 4. **वेबसाइट जहां से लॉट वाइज़ ई-ऑक्शन के संबंध में जानकारी प्राप्त की जा सकती हैः** www.ireps.gov.in
1040-PR/23
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे G20
खुली ई-निविदा सूचना
मण्डल रेल प्रबन्धक (बिजली) जयपुर द्वारा, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएें आमंत्रित की जाती हैं। क्र.सं.:1, **एनआईटी संख्याः** ईएल/जेपी/एबीएस/एस-3/2023-24, **कार्य का नामः** Electrical work in connection with Upgradation/improvement of Rewari station of Jaipur Division under Amrit Bharat Station Scheme. (Provision of escalators on Railway Platform) (With CAMC of Escalators for Five years after warranty period), **अनुमानित लागतः** ₹2,48,22,592/-, **बयाना राशिः** ₹2,74,100/-, **निविदा खोलने की तिथिः** 19.10.2023, **नोटः ई-निविदा की अंतिम तिथि एवं समयः** निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे तक, **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समयः** निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे के बाद, **सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पताः** www.ireps.gov.in
1035-PR/23
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी क्षेत्र चाकसू (न.पा.चा.) जिला-जयपुर
नियम 6(7) देखिए
लोक सूचना
क्रमांक-3745 दिनांक-27.09.2023
01. रामदयाल चौधरी पुत्र गेंदी लाल चौधरी व 02. हनुमान पुत्र रामकरण निवासी महाचंदपुरा तह. चाकसू जिला जयपुर राज. ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन कृषि से अकृषि उपयोग (आवासीय योजना) के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्र
तहसील चाकसू जिला जयपुर	चाकसू पूर्व	5171/2	0.2500
		कुल किता 1	कुल रकबा 0.2500 है.

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 27.09.2023 को जारी की जाती है।
(नगेन्द्र) प्राधिकृत अधिकारी, नगरीय क्षेत्र चाकसू

उत्तर पश्चिम रेलवे **आवश्यक सूचना** G20
सर्व सम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि शिवदासपुरा-चाकसू सैक्शन में स्थित समपार **फाटक संख्या 63 (चन्दलाई फाटक) KM 101/0-1** दिनांक 28.09.2023 को शाम 19:00 से दिनांक 29.09.2023 सुबह 6:00 बजे तक पूर्णरूप से बन्द रहेगा, असुविधा के लिए खेद है।
वरिष्ठ मण्डल इन्जी (मुख्या.) जयपुर
1038-PR/23
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, सांभरलेक जिला जयपुर (राज.)
E-mail. sambharnagarpalit.@gmailcom, Phone- 01425-28245
विज्ञापन का प्रारूप
क्रमांक-1762 नगरीय निकाय नाम दिनांक-27.09.2023
विज्ञप्ति/सूचना
विभिन्न आवेदकर्ताओं ने व सूची कॉलोनी/मौहल्ला में अपनी सम्पत्ति के पट्टे/अन्य कार्य के लिए आवेदन किया है। संबंधित आवेदन की विस्तृत जानकारी (नगरीय विकास का नाम) नगरपालिका मण्डल सांभर लेक व वेबसाइट nagar-palika-sambhar-author तथा nagar-palika-sambhar-approver एवं स्वायत्त शासन विभाग की वेबसाइट http://lsg.urban.rajasthan.gov.in तथा https://sharhar2021.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। अपना दावा/आपत्ति सांभर लेक नगर पालिका मण्डल में इस विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस में प्रस्तुत करें।
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका मण्डल, सांभर लेक

पावरग्रिड POWERGRID
आज़ादी का अमृत महोत्सव G20
सूचना
1. सीईआरसी (व्यवसाय का संचालन) विनियम 1999 के विनियम-86 और सीईआरसी (टैरिफ के नियम व शर्तें) विनियम 2019 के अंतर्गत उत्तरी क्षेत्र में उत्तरी क्षेत्र प्रणाली सुदृढ़ीकरण- XL के अधीन परिसंपत्ति (01 नग) के लिए डीओसीओ से 31.03.2024 तक ट्रान्समिशन टैरिफ के निर्धारण हेतु अनुमोदन।
2. ऊपर वर्णित ट्रांसमिशन सिस्टम के लाभार्थी हैं: (1) अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (2) जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (3) जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, (4) पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (5) हरियाणा पावर परचेज सेंटर (6) जम्मू और कश्मीर पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (7) उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड, (8) बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (9) बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (10) टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (11) चंडीगढ़ प्रशासन (12) उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (13) उत्तर मध्य रेलवे (14) नई दिल्ली पालिका परिषद (15) हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड
3. लाइन लम्बाई, बेज की सं., विभाजित अनुमोदित लागत (रु. लाख में), वाणिज्यिक प्रचालन की तिथि एवं वाणिज्यिक प्रचालन की तिथि तक पूंजी लागत (रु. लाख में):

आस्ति	लाइन लम्बाई (किमी.)	बेज की सं.	विभाजित अनुमोदित लागत (एफआर) (रु. लाख में)	डीओसीओ	डीओसीओ को पूंजी लागत (रु. लाख में)
आस्ति	-	01 (400kV) GIS	2160.93	06.02.2023	1476.37

4. टैरिफ अवधि 2019-24 के लिए वार्षिक ट्रांसमिशन टैरिफ नीचे संक्षेप में दिया गया है: (रु. लाख में)

आस्ति/टैरिफ	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
आस्ति	-	-	-	42.74	359.98

5. टैरिफ के निर्धारण हेतु किए गए आवेदन की एक प्रति आवेदक की वेबसाइट www.powergrid.in पर प्रकाशित की गई है।
6. आवेदन में निहित टैरिफ के निर्धारण हेतु प्रस्तावों पर लाभार्थी सहित किसी व्यक्ति द्वारा सुझाव और आपत्तियां, यदि कोई हों, आवेदक को उसके कॉर्पोरेट कार्यालय पते में एक प्रति सहित, सचिव, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, तीसरा एवं चौथा तल, चंद्रलोक बिल्डिंग, जनपथ, नई दिल्ली-110 001 (या अन्य पता पर जहां आयोग का कार्यालय स्थित है) को इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर प्रेषित की जानी चाहिए।
स्थान : गुड़गांव — हस्ता/-
तिथि : 26.09.2023 — वरिष्ठ महाप्रबंधक (वाणिज्यिक)
पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (भारत सरकार का उद्यम)
कार्यालयः बी-9, कुतब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016
कॉर्पोरेट कार्यालयः "सौदामिनी", प्लाट नंबर 2, सेक्टर-29, गुड़गांव, हरियाणा-122001
वेबसाइटः www.powergrid.in, सीआईएनः एल40101डीएल1989जीओआई038121
एक महारत्न पीएसयू
PG/CC/Notice-20/Advt-47/2023-24/Beautex

G20 बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
क्षेत्रीय दबाव ग्रस्त आस्ति वसूली शाखा, बड़ौदा भवन, द्वितीय तल, 13, एयरपोर्ट प्लाजा, दुर्गापुरा, टोंक रोड, जयपुर-302018
फोन नं.: 0141-2727166, ई-मेल: armjai@bankofbaroda.com
गारंटीदाता को नोटिस
(सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13 की उपधारा (2) के तहत)
स्थान: जयपुर (राज.)
दिनांक: 06.09.2023
श्री नीरज कुमार अग्रवाल पुत्र श्री ईश्वर शरण अग्रवाल
(i) प्लॉट नं. जे-489 सी, इंडस्ट्रीयल एरिया, झोटवाड़ा विस्तार द्वितीय, सरना डूंगर, जयपुर, राजस्थान
(ii) प्लॉट नं. जे-489 बी, इंडस्ट्रीयल एरिया, झोटवाड़ा विस्तार द्वितीय, सरना डूंगर, जयपुर, राजस्थान
(iii) प्लॉट नं. जे-489 डी, इंडस्ट्रीयल एरिया, झोटवाड़ा विस्तार द्वितीय, सरना डूंगर, जयपुर, राजस्थान
(iv) प्लॉट नं. 67 एवं 67ए, इन्द्रापुरी कॉलोनी, ब्रह्मपुरी, जयपुर, राजस्थान
ई-मेल: agarwalindustries01@gmail.com
एवं lakshayindustries1@gmail.com
प्रिय महोदय,
विषयः- मैसर्स अग्रवाल इंडस्ट्रीज जरिये प्रोपराईटर श्रीमती इन्दु अग्रवाल पत्नी श्री नीरज कुमार अग्रवाल को प्रदत्त ऋण सुविधा के लिये आपकी गारंटी।
1. जैसा की आप जानते है आपने अपनी **दिनांक 28.09.2017** की गारंटी द्वारा **मैसर्स अग्रवाल इंडस्ट्रीज** को दी गयी कुल ऋण सीमा **रू. 450.00 लाख** तथा उस पर देय ब्याज के लिये **मैसर्स अग्रवाल इंडस्ट्रीज** द्वारा उस समय या उसके बाद किसी भी समय हमें देय या प्राप्त समस्त और सभी देयताओं व दायित्वों को चुकाने की गारंटी दी है। विशेष रूप से इस गारंटी दस्तावेज में वह निर्दिष्ट किया है। गारंटी दायित्वों की रक्षा हेतु आपने हमें निम्नलिखित प्रतिभूतियां भी उपलब्ध करायी है।

क्र. सं.	सम्पत्तियों का विवरण
1.	मैसर्स लक्ष्य इंडस्ट्रीज जरिये प्रोपराईटर श्री नीरज कुमार अग्रवाल पुत्र श्री ईश्वर शरण अग्रवाल के नाम साम्यिक बंधक का विस्तार औद्योगिक प्लॉट नं. जे-489 (डी) जो इंडस्ट्रीयल एरिया, झोटवाड़ा विस्तार फेज-द्वितीय, सरना डूंगर, जयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग मीटर है। सीमाएं- पूर्वः रोड़, पश्चिमः एच-487सी, उत्तर: जे-490ए, दक्षिण: जे-489सी
2.	श्री नीरज कुमार अग्रवाल पुत्र श्री ईश्वर शरण अग्रवाल के नाम साम्यिक बंधक का विस्तार आवासीय सम्पत्ति जो प्लॉट नं. 67, ब्रह्मपुरी, इन्द्रपुरी कॉलोनी, जयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 120 वर्ग गज है। सीमाएं- पूर्वः प्लॉट नं. 66, पश्चिम: प्लॉट नं. 67ए, उत्तर: 30 फीट रोड़, दक्षिण: अन्य भूमि/प्लॉट
3.	श्री नीरज कुमार अग्रवाल पुत्र श्री ईश्वर शरण अग्रवाल के नाम साम्यिक बंधक का विस्तार आवासीय सम्पत्ति जो प्लॉट नं. 67ए, ब्रह्मपुरी, इन्द्रपुरी कॉलोनी, जयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 120 वर्ग गज है। सीमाएं- पूर्वः प्लॉट नं. 67, पश्चिम: प्लॉट नं. 68, उत्तर: 30 फीट रोड़, दक्षिण: अन्य भूमि/प्लॉट

2. हम आपको सूचित करते है कि ऋणी ने अपनी देयताओं के भुगतान में चूक की है और परिणामस्वरूप उनका खाता एनपीए में वर्गीकृत कर दिया गया है। हमारे द्वारा वित्तिय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुर्नःनिर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन एक्ट 2002 की प्रवर्तन की धारा 13 की उप धारा (2) के अन्तर्गत ऋणी को दिनांक 06.09.2023 को भेजे गये नोटिस की एक प्रति संलग्न है। चूंकि ऋणी ने चूक की है, गारंटी की शर्तों के अनुसार ऋण/साख सुविधा की बकाया राशि **रू. 6,68,78,237.28 साथ ही ब्याज और कानूनी/अन्य शुल्क/व्यय 01.09.2023** से का भुगतान करने हेतु आप उत्तरदायी हो गये है हम एतद् द्वारा गारंटी Invoke करते है और आपसे इस नोटिस की तारीख से 60 दिनों के अंदर उक्त राशि के भुगतान की मांग करते है। कृपया नोट करें कि ऋणी को जारी किये गये दिनांक 06.09.2023 के नोटिस (प्रति संलग्न हैं) के परिच्छेद (1) में निर्दिष्ट दर से ब्याज का लगना जारी रहेगा।
3. हम आपका ध्यान उक्त अधिनियम की उप धारा 13 की ओर आकर्षित करते है जिसके अनुसार हमारी पूर्व सहमति प्राप्त किये बिना आपको बिक्री, लीज या अन्य (सामान्य Course of business के अलावा) किसी भी प्रकार से उपरोक्त परिच्छेद 1 में दी गयी रक्षित किसी भी आस्ति का अंतरण करने से वंचित कर दिया गया है। हम यह बताना चाहेंगे कि उक्त अधिनियम की धारा 13 (13) में दिये गये उपरोक्त प्रावधान का अनुपालन न करना अधिनियम की धारा 29 के अन्तर्गत एक दण्डनीय अपराध है।
4. हम आगे उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) की ओर आपका ध्यान आकर्षित करते हैं, जिसके अनुसार आप सुरक्षित परिसंपत्तियों को भुना सकते हैं, यदि बैंक द्वारा किए गए सभी लागतों, प्रभारों और खर्चों के साथ देय राशि आपके द्वारा सार्वजनिक नीलामी/कोटेशन आमंत्रित करने/निविदा/निजी संधि के लिए नोटिस के प्रकाशन की तारीख से पहले किसी भी समय प्रस्तुत की जाती है। कृपया ध्यान दें कि उपरोक्त नोटिस के प्रकाशन के बाद, सुरक्षित परिसंपत्तियों को भुनाने का आपका अधिकार उपलब्ध नहीं होगा।
5. कृपया नोट करें कि यह मांग पत्र हमें प्राप्त अन्य अधिकारों या प्रतिकारों (जिसमें बिना किसी लिमिटेशन के हमारी बकाया राशियों के संबंध में आगे मांग रखने का अधिकार भी शामिल है) को न ही विपरीत रूप से प्रभावित करेगा और न ही उनका परित्याग माना जायेगा।
भवदीय
(प्रताप सिंह मीणा)
मुख्य प्रबन्धक एवं प्राधिकृत अधिकारी

कांग्रेस कार्यसमिति और स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के सरकारी आवास पर इन दिनों रोजाना कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ रही हैं। बुधवार को भी बड़ी संख्या में राजस्थान के विभिन्न हिस्सों से आए कांग्रेस कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर सचिन पायलट ने उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। राजस्थान में चुनावी बिगुल बज चुका है और अगले 10-15 दिनों में कभी भी आचार संहिता लागू हो सकती है, ऐसे में विधानसभा चुनाव में टिकट चाहने वाले उम्मीदवार पायलट से मिलकर अपना बायोडाटा सौंप रहे हैं। पायलट के समर्थकों में भारी जोश व उत्साह देखा जा रहा है।

'केन्द्रीय नेतृत्व तय करेगा किसकी क्या भूमिका होगी, आप सिर्फ कमल के फूल को ध्यान में रखिए'

अमित शाह और जे.पी. नड्डा ने प्रदेश के भाजपा नेताओं को स्पष्ट हिदायत दी

- **शाह और नड्डा के साथ भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री भी बैठकों में शामिल हुए। तीनों नेताओं ने विभिन्न नेताओं से अलग-अलग मंत्रणा भी की।**
- **रात 8 बजे शुरू हुई बैठकें देर रात तक चलीं।**
- **कल सुबह शाह व नड्डा का संघ के नेताओं से मीटिंग का कार्यक्रम है। फिर 11 बजे तक दोनों दिल्ली लौट जाएंगे।**

जयपुर, 17 सितम्बर (का.सं.)। विधानसभा चुनाव के सम्बंध में चुनावी रणनीति तय करने के लिए बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष ने होटल ललित में प्रदेश के नेताओ की बैठक ली। कोर कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक में साफ कहा कि- चुनाव सिर पर हैं और सभी को आपसी समन्वय से आगे बढ़ना है। इस दौरान प्रत्याशियों की पहली सूची पर भी चर्चा हुई। टिकट वितरण के बाद असंतुष्ट कार्यकर्ताओं द्वारा बगावत नहीं हो, इस पर भी दिशा-निर्देश दिए गए। करीब 2.15 घंटे बाद सतीश पूनिया और राज्यवर्धन सिंह राठौड़ रवाना हो गए। पर मीटिंग्स का दौर चलता रहा।

सूत्रों के मुताबिक टिकट वितरण को लेकर लंबी बातचीत चली। शाह, नड्डा व संतोष ने कुछ नेताओं से अलग-अलग बातचीत भी की, जो आधी रात तक चली। सूची में शामिल नहीं होने के बावजूद सांसद दिया कुमारी भी होटल पहुँची लेकिन होटल के अंदर करीब 10 मिनट रही और वापस रवाना हो गई। उनका होटल में पहुँचना भी चर्चा का विषय रहा। बैठक में कोर कमेटी के सदस्य सांसद कनकमल कटारा को शामिल नही करना भी चर्चा का विषय रहा, वे एसटी वर्ग का प्रतिनिधि करते हैं।

बैठको में चुनाव के आगामी प्लान से लेकर भाजपा के प्रत्याशी चयन को लेकर रोडमैप तैयार किया गया है। सभी नेताओं को अपनी व्यक्तिगत छवि को दरकिनार कर केवल कमल के फूल को ध्यान में रखकर मैदान में उतरने की हिदायत दी गई है। जिन बड़े नेताओं, सांसदों को टिकट दिया जाना है, उनके नामों पर, प्रदेश में भाजपा को कांग्रेस और गहलोत सरकार से मिल रही चुनौतियों पर चर्चा हुई। बैठक में चुनावों में संघ की भूमिका, आगामी दिनों में प्रदेश में होने वाली चुनावी गतिविधियां, सभाएं और बूथ स्तर तक पार्टी की व्यूह रचना, भाजपा का चुनावी घोषणा पत्र में शामिल किए जाने वाले अहम मुद्दों, गहलोत सरकार को घेरने के लिए उठाए जाने वाले मसलों को भी अंतिम रूप दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि सभी नेताओं को संकेत दे दिए गए हैं कि प्रत्याशी चयन में अहम रोल केन्द्रीय नेतृत्व का ही रहेगा। साफ है कि सर्वे रिपोर्ट में आए दावेदारों के नामों में से ही भाजपा विधानसभावार प्रत्याशी तय करेगी। बैठक के बाद राजस्थान में बड़े नेताओं की भूमिका भी तय होने की चर्चाए हैं। सभी नेताओं के हालांकि चुनावी जीत के सुझाव लिए गए हैं। जानकारी के अनुसार चुनिंदा बड़े नेताओं से अलग से मंत्रणा कर उनका फीडबैक भी लिया जाएगा। जानकारी के अनुसार शाह गुरुवार सुबह संघ के नेताओं से भी चुनावी चर्चा कर सकते हैं, जिनमे निम्बाराम, प्रकाश चंद, रामप्रसाद शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि चुनाव में संघ के सुझाव लिए जाएंगे। संघ के नेताओं से बैठक कहां होगी, देर रात तक तय नहीं हुआ था। संभवत: होटल में ही उनसे बैठक होगी। बताया जा रहा है कि शाह- व नड्डा संघ के सहकार मार्ग स्थित सेवा भारती कार्यालय भी जा सकते हैं।

महामंत्री बी.एल. संतोष सुबह संघ की शाखा में जा सकते हैं। वही शाह व नड्डा का गुरुवार सुबह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारकों से मिलने का भी कार्यक्रम है। यह मुलाकात महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

शाह व नड्डा रात्रि विश्राम होटल में ही करेंगे। इसके लिए होटल की सातवीं मंजिल पर लगभग 16 कमरे बुक किए हैं। शाह और नड्डा सुबह 11 बजे रवाना हो जाएंगे। कोर कमेटी की इस बैठक में प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, कैलाश चौधरी, गजेंद्र सिंह शेखावत, प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रल्हाद जोशी, प्रभारी अरुण सिंह, चुनाव सह प्रभारी नितिन पटेल, कुलदीप बिश्नोई, विजया राहटकर, संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड और नारायण पंचारिया शामिल हुए।

नड्डा और शाह का पहले सीधे प्रदेश कार्यालय आने का कार्यक्रम था लेकिन ऐन वक्त पर मीटिंग की जगह बदली गई। इसके बाद सभी नेता, पदाधिकारी होटल के लिए रवाना हुए। होटल पहुचने के बाद इन नेताओं ने खाना खाया। फिर बैठक रात करीब 8 बजे शुरू हुई।

बी.एल. संतोष सुबह ट्रेन से जयपुर पहुंचे। वे रेलवे स्टेशन से सेवा सदन पहुंचे और इसके बाद प्रदेश कार्यालय आए। यहां प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी और प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर के साथ करीब दो घंटे चुनावी चर्चा की।

मेयर मुनेश गुर्जर के दोबारा निलम्बन पर हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब मांगा

मामले की अगली सुनवाई 6 अक्टूबर को होगी

- **हैरिटेज नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर को राज्य सरकार ने पहले 5 अगस्त को निलम्बित किया था और उन पर पद के दुरूपयोग का आरोप लगाया गया था।**
- **चार अगस्त को मेयर के पति सुशील गुर्जर की, नगर निगम के पट्टे जारी करने के एवज में रिश्वत मांगने के मामले में गिरफ्तारी हुई थी, राज्य सरकार ने इसमें मेयर मुनेश गुर्जर को भी दोषी माना था।**
- **23 अगस्त को हाई कोर्ट ने मेयर का निलम्बन रद्द कर दिया था, पर राज्य सरकार ने 22 सितम्बर को पुनः मेयर मुनेश गुर्जर को निलम्बित कर दिया।**

जयपुर, 27 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हैरिटेज नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर को पुन: निलंबित करने के मामले में राज्य सरकार को जवाब पेश करने के निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई 6 अक्टूबर को तय की है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश निलंबित मेयर मुनेश गुर्जर की याचिका पर दिए। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल मेहता ने कहा कि उनकी ओर से मामले में कैविएट लगाई गई है। ऐसे में वे प्रकरण में जवाब पेश करना चाहते हैं। इसलिए उन्हें जवाब पेश करने के लिए समय दिया जाए। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई 6 अक्टूबर तक टाल दी।

याचिका में कहा कि राज्य सरकार ने याचिकाकर्ता का निलंबन नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 39 के प्रावधानों व तथ्यों के विपरीत जाकर किया है। मामले में उसके खिलाफ प्रावधानों के खिलाफ जाकर जांच की गई और इसमें वो ही तथ्य थे, जो कि पंचनामा रिपोर्ट व एफआईआर से साबित नहीं हो पाए हैं। इसलिए उसके निलंबन आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाई जाकर उसे रद्द किया जाए।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने गत 22 सितंबर को आदेश जारी कर मुनेश गुर्जर को हैरिटेज निगम के मेयर पद से निलंबित कर दिया था। निलंबन आदेश में कहा गया कि नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 39 के प्रावधानों के तहत उन पर पद के दुरुपयोग व कर्तव्य पालन में प्रतिकूल आचरण का आरोप लगाया है। नगर निगम के पट्टे जारी करने की एवज में मेयर के पति सुशील गुर्जर की ओर से रिश्वत मांगने से जुड़े मामले में प्रथम दृष्टया मुनेश भी शामिल हैं और इसके लिए वह भी पूरी तरह से दोषी व उत्तरदायी है। ऐसे में उसे मेयर पद से निलंबित किया जा रहा है। इससे पहले भी राज्य सरकार ने 5 अगस्त को मेयर मुनेश को उनके पति सुशील गुर्जर से जुड़े इसी मामले में शामिल मानते हुए निलंबित किया था, लेकिन हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के निलंबन आदेश पर रोक लगा दी थी। वहीं बाद में राज्य सरकार ने निलंबन आदेश को वापस ले लिया था। जिसमे बाद हाईकोर्ट ने याचिका को निस्तारित कर दिया था। निलंबन आदेश को वापस ले लिया था। जिसमे बाद हाईकोर्ट ने याचिका को निस्तारित कर दिया था।

चन्द्रबाबू की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संजीव खन्ना के साथ बैंच में बैठे हुये थे, ने इस याचिका की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लिया, तो टी.डी.पी. नेता की ओर प्रस्तुत वरिष्ठ एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा तुरंत ही मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बैंच के समक्ष चले गये।

इस बैंच, जिसमें न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला तथा मनोज मिश्रा भी शामिल थे, ने कहा, "हम इसे किसी समुचित बैंच द्वारा सुनवाई के लिये मंगलवार को सूचीबद्ध कर देंगे।" अदालत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि यह बैंच अभियोग पक्ष की दलील, जिसमें टी.डी.पी. नेता की पुलिस कस्टडी और बढ़ाने की मांग की जा रही है, पर निर्णय लेने से ट्रायल जज को नहीं रोक सकती।

ज्ञातव्य है कि, जब नायडू 2015 में मुख्यमंत्री थे, उस समय स्किल डवलपमेंट कॉर्पोरेशन के पैसे के कथित दुरूपयोग को लेकर, 9 सितम्बर को वे गिरफ्तार कर लिये गये थे। इसके फलस्वरूप राज्य के राजकोष का 371 करोड़ रू. का कथित भुगतान हुआ था। उनकी जुडिशियल रिमांड ट्रायल कोर्ट ने 5 अक्टूबर के लिये बढ़ा दी है।

बिधूड़ी टोंक में भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह निर्णय इन अनुमानों-अटकलों के बीच लिया गया है कि कांग्रेस नेता सचिन पायलट आसन्न विधानसभा चुनावों में टोंक विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। टोंक पायलट का गढ़ है।

राजस्थान विधानसभा चुनाव इस साल नवम्बर में या उससे पहले होने हैं। इस चुनाव में 200 विधायक चुने जायेंगे।

अभी हाल ही में, चन्द्रयान-3 मिशन पर लोकसभा में चल रही चर्चा के दौरान, भाजपा सांसद बिधूड़ी द्वारा बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ आपत्तिजनक मुस्लिम विरोधी टिप्पणियों के बाद, बहुत बड़ा विवाद खड़ा हो गया था।

उनकी टिप्पणियों को लेकर आक्रोश पैदा होने के बाद, वे टिप्पणियाँ सदन की कार्यवाही से हटा दी गई थी।

विपक्षी दल कांग्रेस ने लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला से बिधूड़ी के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की थी। कम से कम चार विपक्षी दलों ने स्पीकर से अनुरोध किया है कि यह प्रकरण विशेषाधिकार समिति को सौंपा जाये।

स्पीकर को लिखे गये अपने पत्र में, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा था, "संसद के इतिहास में, किसी अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य के खिलाफ ऐसे शब्द काम में नहीं लिये गये हैं।"

टिप्पणी को लेकर पैदा हुये विवाद के बाद, भाजपा ने बिधूड़ी की टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया था।

'डिग्रीधारी इंजीनियर कर रहे हैं कुली का काम'

- **राहुल गांधी ने बुधवार को कहा, देश में बेरोजगारी चरम पर है और प्रधानमंत्री ने युवाओं को रोजगार देने का जो वादा किया था उसे पूरा नहीं किया। इसी का परिणाम है कि डिग्रीधारी इंजीनियर कुली का काम कर रहे हैं।**

नयी दिल्ली, 27 सितम्बर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि, देश में बेरोजगारी चरम पर है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं को रोजगार देने का जो वादा किया था उसे पूरा नहीं किया है, इसी का परिणाम है कि डिग्रीधारी इंजीनियर कुली का काम कर रहे हैं।

गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, भारत के मेहनती कुली भाइयों से दिल्ली के आनंद विहार स्टेशन पर मिला। उन्होंने कहा, "डिग्री इंजीनियर की, काम कुली का, ऐसी बेरोज़गारी से त्रस्त हैं। रेलवे से न पगार, न पेंशन, न स्वास्थ्य बीमा और न सरकारी सुविधा। मगर इन्हें उम्मीद है, समय बदलेगा और मुझे पूरा विश्वास।"

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने भी बेरोजगारी को लेकर 'एक्स' पर कहा कि, बेरोजगारी के कारण युवा त्रस्त हैं और वे कुली का काम करने को भी मजबूर हैं। उन्होंने कहा, पिछले महीने आनंद विहार टर्मिनल के कुलियों ने गांधी से मिलने की इच्छा जताई थी। गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा को आगे बढ़ाते हुए उनसे मुलाक़ात की।

राजस्थान में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टी कार्यकर्ताओं की एक-एक मीटिंग में उन्होंने कहा बताया, "हम बड़े नेता हो गए हैं, क्या हम अब वोटों की भीख मांगने जाएंगे।"

मीडिया रिपोर्टर्स और कई चुनाव पूर्व सर्वे बताते है कि मध्य प्रदेश में भाजपा को भारी सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है और छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस आगे बताई जा रही है। राजस्थान में भी कांग्रेस और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर बताई जा रही है।

भाजपा की केन्द्रीय मंत्रियों व सांसदों को मैदान में उतारने की रणनीति संकेत है कि आगामी विधानसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही लड़े जाएंगे, जिसमें प्रदेश के पार्टी नेताओं की सीमित भूमिका होगी। भाजपा सूत्रों ने कहा कि केन्द्रीय नेतृत्व की मौजूदगी से चुनावों में अप्रत्याशित एवं नए घटक भी शामिल होंगे, जिससे पार्टी को लाभ होगा।

गंगानगर-हनुमानगढ़ में एन.आई.ए. ने 3 जगहों पर दी दबिश

कैनडा के खालिस्तानी नैटवर्क से तार जुड़े होने की आशंका में एन.आई.ए. ने यह कार्यवाही की

- **सूरतगढ़ क्षेत्र की ठुकराणा ग्राम पंचायत में एक ग्रामीण युवक के खालिस्तानी सम्पर्क होने और विदेश से पैसे मंगवाने की जानकारी मिली है।**
- **संदेह के आधार पर कुछ लोगों से पूछताछ के बाद उनके मोबाइल फोन जब्त किए गए।**

हनुमानगढ़/गंगानगर, 27 सितम्बर (कासं)। कैनडा के खालिस्तानी नेटवर्क के तार सूरतगढ़ क्षेत्र से जुड़े होने की आंशका को लेकर राष्ट्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने बुधवार तड़के दबिश दी, जिसमें कैनडा से स्थानीय लोगों को हुई फंडिंग के बारे में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई हैं।

सूरतगढ़ क्षेत्र ठुकराणा ग्राम पंचायत के चाड़सर गांव में एक ग्रामीण युवक के खालिस्तानी समर्थकों से संपर्क होने के साथ-साथ विदेश से पैसे मंगवाने के मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण ब्यूरो (नैशनल इन्वैस्टिगेशन एजेन्सी/एन.आई.ए.)की टीम ने कार्रवाई करते हुए पूछताछ की। कार्रवाई के दौरान एन.आई.ए. की टीम के साथ राजियासर व गजसिंहपुर का पुलिस जाप्ता भी था। बुधवार तड़के 5 बजे ठुकराणा पंचायत के चाड़सर गांव में दबिश दी गई। दोपहर बारह बजे तक चली इस पूछताछ की कार्रवाई के दौरान, संबंधित आवास और गांव के सभी रास्तों पर लोगों की आवाजाही रोक दी गई।

हनुमानगढ़ जिले में भी बुधवार को एन.आई.ए. की टीम ने कुछ जगहों पर छापेमारी की कार्रवाई की। टीम ने कुछ लोगों को संदेह के आधार पर चिन्हित कर उनसे पूछताछ की। टीम ने कुछ घरों में सर्च अभियान भी चलाया और, कहा जा रहा है कि, लोगों से पूछताछ कर कुछ अहम जानकारी जुटाई। बताया जा रहा है कि, चिन्हित लोगों के बैंक खातों को भी जांचा गया है।

अचानक की गई उक्त कार्रवाई की आसपास के क्षेत्रों में चर्चा रही। हालांकि जिला पुलिस के अधिकारी इस संबंध में कार्रवाई को लेकर किसी तरह की जानकारी देने से बचते रहे। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने इतना ही बताया कि, टीम जिले में आई है, कुछ जगहों पर कार्रवाई भी की है, जिला पुलिस ने उन्हें सुरक्षा व्यवस्था मुहैया करवाई है तथा कुछ गोपनीय मामलों को जांचने में टीम जुटी हुई है।

बताया जा रहा है कि गोलूवाला थाना क्षेत्र के तीन एच.डी.पी. गांव में एन.आई.ए. टीम ने कार्रवाई की। अल सुबह टीम गांव में पहुंच गई। जिस घर में कार्रवाई को अंजाम दिया गया, उस गली को पूरी तरह से सील कर दिया गया था। स्थानीय पुलिसकर्मियों को भी जांच के दायरे से बाहर रखा गया। करीब चार घंटे की पूछताछ के बाद टीम वहां से रवाना हुई। जानकारी के अनुसार विदेशी फंडिंग मामले में गोलूवाला के तीन एचडीपी निवासी महेन्द्र वर्मा के यहां टीम ने कार्रवाई की। महेंद्र पलम्बर का काम करता है। पुलिस ने लम्बी पूछताछ के बाद महेन्द्र का मोबाइल जब्त कर लिया। इसके बाद टीम गांव से रवाना हो गई।

जिले के परलीका क्षेत्र में भी टीम द्वारा कार्रवाई करने की सूचना है। जानकारी के अनुसार, खालिस्तानी समर्थित लोगों को की जा रही कथित फंडिंग के मामले में टीम को यहां रह रहे लोगों पर कुछ संदेह हुआ था। इसी की पड़ताल करने को लेकर यहां टीम पहुंची थी। इसी तरह भादरा तहसील के गांव मालखेड़ा में भी टीम ने एक ग्रामीण के निवास पर छापेमारी की कार्रवाई की। जांच के बाद कुछ साक्ष्य और तथ्य लेकर टीम यहां से वापस लौट गई।

मणिपुरः दो स्कूली छात्रों की हत्या पर विरोध प्रदर्शन जारी

इंफाल, 27 सितंबर। मणिपुर में दो स्कूली छात्रों की हत्या के विरोध में बुधवार को भी जारी रहे विरोध प्रदर्शन में 90 से अधिक छात्र घायल हो गए। वहीं, राज्य सरकार ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सभी शैक्षिणक संस्थानों को बंद करने का आदेश दिया है। विशेष निदेशक अजय भटनागर के नेतृत्व में केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एक टीम आतंकवादियों द्वारा दो स्कूली छात्रों (एक लड़के और एक लडकी) के "अपहरण और हत्या" के मामले की जांच करने के लिए यहां पहुंची।

छात्रों के लापता होने के बाद राज्य सरकार ने अगस्त में सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। विरोध तेज होने पर सरकार ने मंगलवार को मोबाइल इंटरनेट सेवाएं भी निलंबित कर दीं। बड़ी संख्या में छात्र संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा की गई दोहरी हत्याओं पर नारे लगाते हुए बाहर आए।

भाजपा राजस्थान में "वसुंधरा फैक्टर"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **कर्नाटक विधानसभा चुनाव और हालिया उप चुनावों में मिली हार से आहत भाजपा लोकसभा चुनाव से पूर्व होने वाले इन विधानसभा चुनावों में कोई कोर कसर छोड़ना नहीं चाहती है।**

चौहान को जगह नहीं मिल पाई है।

चौहान को टिकट नहीं मिलेगा यह कहना तो गलत है लेकिन "चुनाव के बाद कोई भी मुख्यमंत्री बन सकता है" वाली बात 64 वर्षीय चौहान के राजनैतिक भविष्य के लिए ठीक नहीं है।

मध्य प्रदेश में चुनावी तैयारियों के संदर्भ में एन.डी.टी.वी. को कहा गया कि केन्द्रीय मंत्रियों और सांसदों को मैदार में उतारना सामूहिक नेतृत्व का संदेश देता है। आज यह संदेश और पुख्ता हो गया जब सूत्रों ने कहा कि पार्टी को उम्मीद है कि अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम को उतारने से उसे कांग्रेस के मुकाबले लाभ मिलेगा। इन पांच राज्यों में वरिष्ठ नेताओं को पाच वर्ष पूर्व हारी सीटें भी जीतने की जिम्मेवारी दी जाएगी।

भाजपा राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना जहां मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति मैदान में है, में कांग्रेस को हराने के लिए भाजपा यही रणनीति अपनाएगी।

भाजपा ने छत्तीसगढ़ में दूसरा रास्ता इख्तियार किया है जहां उसने मुख्यमंत्री पद के लिए वर्तमान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भतीजे विजय को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी को उम्मीद है कि "बघेल बनाम बघेल" की परिवार में विभाजन की रणनीति उसके पक्ष में जाएगी।

विजय बघेल अभी लोकसभा सांसद हैं जो दुर्ग जिले की पाटन सीट से चुनाव लड़ेंगे। यह सीट पर 2003 से दोनों के बीच झूल रही है और मुख्यमंत्री गत दो चुनाव यहां से जीते हैं।

भाजपा के अन्य संभावित उम्मीदवार हैं केन्द्रीय मंत्री रेणुका सिंह और राज्यसभा सांसद सरोज पांडे। भाजपा ने अभी तक अपनी सूचियों में पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह का नाम नहीं जोड़ा है।

तेलंगाना में भाजपा का रुख उसके अभी चल रहे "मिशन साउथ" का हिस्सा है जिसके तहत दक्षिण भारत में सरकार बनानी है जहां अभी तक जनता उसके कट्टर राष्ट्रवादी एजेंडा को नकारती आई है।

पार्टी के पास कर्नाटक था लेकिन इस वर्ष के पूर्वार्द्ध में कांग्रेस ने भाजपा सरकार को बाहर कर दिया। केरल भाजपा के प्रति पूरी तरह उदासीन है, तमिलनाडु ने भी मोदी की पार्टी को ठुकरा रखा है और मंगलवार को अन्नाद्रमुक भी एन.डी.ए. गठबंधन से अलग हो गई।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी भाजपा जगह नहीं बना पाई है।

तेलंगाना में नवंबर में चुनाव होने वाले हैं और केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी संभावित बड़े नाम हैं। तेलंगाना के तिम्मापुर क्षेत्र के रहने वाले रेड्डी राज्य में पार्टी के अध्यक्ष भी हैं।

यह चर्चा है कि लोकसभा सांसद बांदी संजय कुमार और राज्यसभा सांसद डॉ.के. लक्ष्मण को भी ओ.बी.सी. चेहरों के रूप में उतारा जा सकता है। इस वर्ष पांचवा चुनाव मिज़ोरम में है जहां भाजपा को पड़ौसी मणिपुर की जातीय हिंसा की चुनौती का सामना करनाा पड़ेगा।

कांग्रेस हाई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दूसरे शब्दों में, गहलोत यह कह रहे हैं कि इतने ज्यादा विधायकों के टिकट मत काटिये तथा अगर आपको टिकट काटने ही हैं तो केवल उन विधायकों के टिकट काटिये, जिन्होंने, उनके अनुसार, पार्टी के साथ विश्वासघात किया था।

लेकिन असली बात यह है कि गौरव गोगोई के लिए राहुल गांधी के निर्देश स्पष्ट हैं- उनके टिकट काट दीजिये, जिनका हारना सुनिश्चित है। समझौता मत कीजिये।

अब यह बिल्कुल स्पष्ट है कि मौजूदा विधायकों के टिकट बड़े पैमाने पर काटे जाने हैं।

अमित शाह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संयोजक नारायण पंचारिया, जयपुर जिलाध्यक्ष राधव शर्मा, देहात जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर, जयपुर उत्तर जिलाध्यक्ष श्याम शर्मा, महापौर सौम्या गुर्जर, उप महापौर पुनीत कर्णावट, विधायक कालीचरण सराफ, नरपत सिह राजवी, अशोक लाहोटी, पूर्व विधायक अशोक परनामी, अरुण चतुर्वेदी, कैलाश वर्मा शामिल थे। उसके बाद जेपी नड्डा और अमित शाह होटल ललित पहुँचे, जहां उन्होंने भाजपा नेताओं की बैठक ली।

महाराष्ट्र में भाजपा ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्योंकि, सभी पार्टियाँ अपने प्रत्याशी से आगे बढ़कर अपना वर्चस्व दिखाएंगी। "उन्होंने कहा कि, शरद पवार व एन.सी.पी. बाकी दोनों पार्टियों के आगे झुकना पसंद नहीं करेंगे।

महाराष्ट्र के एक भाजपा नेता ने कहा, "बहुत सारे क्षेत्र और सीटें हैं, जैसे साउथ सैन्ट्रल मुम्बई की लोकसभा सीट, जहाँ कांग्रेस और शिवसेना (यू.बी.टी.) दोनों ही दावेदार होंगे, और शिरडी जहाँ एम.वी.ए. के सभी घटक टिकट के दावेदार होगे, या फिर मराठवाड़ा, जहाँ एन.सी.पी. और शिवसेना (यू.बी.टी.) सीटों और प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा में होंगे इसमें विधानसभा सीटों की सीट शेयरिंग की जटिलता को भी जोड़ दिया जाए, तो ऐसी स्थिति बन सकती है कि, हर अधिकारिक प्रत्याशी के सामने दो विद्रोही उम्मीदवार होंगे।"

इस सोच के पीछे, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ भाजपा का अनिश्चित सा समीकरण भी है। भाजपा महसूस करती है कि, राज्य में जहाँ यह गठबंधन सरकार बना सकता है, लेकिन गठबंधन का प्रधान पार्टनर बनने का संघर्ष अभी भी जारी हैं, जैसा कि, भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष चंद्रबाबू बावनकुले के इस वक्तव्य से जाहिर है कि, अगले वर्ष भाजपा राज्य की 240 सीटों से चुनाव लड़ेगी और बाकी बची 48 सीटें शिवसेना को देगी। इसमे निर्दलियों का कोई ज़िक्र नहीं है।

इस वक्तव्य से विवाद शुरु हो गया है, और, हालांकि, राज्य मंत्री चंद्रकान्त पाटिल ने डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश की है, लेकिन एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना सावधान हो गई है। ऐसे परिदृश्य में, उम्मीद की जा रही है कि, राज्य विधानसभा एवं लोकसभा के चुनाव एकसाथ होने से मोदी की अपील प्रभावी होगी तथा भाजपा की राह आसान होगी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908